रायपुर। बुधवार, 02 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष पंचमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 31/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

विश्व केसरी

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल दलीप ट्रॉफी: वैभव, अभिमन्यु के साथ चमके मुकेश... @ विचार दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले... @ व्यापार त्योहारी सीजन से पहले ऑटो बाजार में तेजी...

सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर प्रोटेस्ट की सभी एफआईआर रद्द की

पीड़ित परिवारों को मिलेगा मुआवजा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर दर्ज एफआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अपने विशेष अधिकार आर्टिकल 142 का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली और चार राज्यों (असम, महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार) में दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को 2873 आपराधिक इतिहास वाले लोगों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज करने की इजाजत दी है।

यह एफआईआर 20 से 25 जुलाई के बीच दर्ज की गई थी। इस मामले में चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने सुनवाई की।

दरअसल, दिल्ली पुलिस के अलावा चार राज्य सरकारों ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर को आर्टिकल 142 के तहत रद्द करने की गुहार लगाई थी। इस पर मंगलवार को कोर्ट में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत हुई थी, जिसमें तीन बातों पर भरोसा दिया गया था। पहला भरोसा यह था कि जिन छात्रों पर एफआईआर लगाई गई है, उसे वापस लिया जाएगा और कोई भी इन एफआईआर को आगे नहीं बढ़ाएगा।

दूसरा भरोसा यह था कि 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच हुई घटनाओं के लिए कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी। एसजी तुषार मेहता ने कोर्ट से अपील की कि यही आदेश उन सभी राज्यों के लिए भी लागू हो, जो कोर्ट नहीं आए हैं।

तीसरा भरोसा मुआवजे को लेकर था। एसजी तुषार मेहता ने कहा कि सरकार इस भरोसे पर कायम है और जिन छात्रों ने सुसाइड किया है, उनके परिवार को मुआवजा दिया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग राज्य सरकारों और स्टेकहोल्डर्स से सलाह करके तौर-तरीके तय करने होंगे। उन्होंने इसके लिए कोर्ट से तीन महीने का समय मांगा।

एसजी तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि प्रदर्शन में शामिल 2,873 लोगों का क्रिमिनल रिकॉर्ड है और इनके खिलाफ नई एफआईआर दर्ज की जाएगी। इस पर एडवोकेट हरिहरन ने उन 2,873 लोगों की लिस्ट मांगी, जिनके आपराधिक इतिहास के आधार पर सरकार मुकदमा दर्ज करने की इजाजत मांग रही है।

सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'अगर दोनों पक्ष आपस में विश्वास दिखाएं, तो सभी मुद्दे एक-एक करके हल हो सकते हैं। दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं है जो इतना मुश्किल हो कि उस पर खुले दिमाग से चर्चा न की जा सके।'

विश्व केसरी खबर झरोखा

ममता बनर्जी की भतीजी घर में मृत मिलीं

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी की भतीजी पश्चिम बंगाल के बीरभूम में अपने आवास पर मृत मिलीं। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि 31 वर्षीय महिला का शव मंगलवार दोपहर रामपुरहाट के कुसुम्बा गांव स्थित उनके घर की दूसरी मंजिल के एक कमरे में मिला। मृतका ममता बनर्जी के चचेरे भाई की बेटी थीं।

अंबानी की आइसक्रीम, 'बॉम्बे क्रीमरी' बाजार में उतरी

भारतीय अरबपति मुकेश अंबानी के उपभोक्ता उत्पाद कारोबार ने मंगलवार को 'बॉम्बे क्रीमरी' नाम से आइसक्रीम ब्रांड लॉन्च किया। इसके उत्पादों की कीमत 10 रुपए से शुरू होगी। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के अनुसार, नए ब्रांड के तहत कोन, कप, टब, बार और स्टिक सहित विभिन्न प्रकार की आइसक्रीम पेश image.png की जाएंगी। इसके साथ ही कंपनी ने मैग्नम और बास्किन-रॉबिंस जैसे प्रमुख वैश्विक ब्रांडों वाले बाजार में अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है।

बाघ शिकार पर छत्तीसगढ़ ने मांगी सीबीआई जांच

छत्तीसगढ़ वन विभाग ने महाराष्ट्र सीमा से लगे क्षेत्र में सामने आए बाघों के शिकार के मामले में सीबीआई जांच की मांग की है। वन मंत्री केदार कश्यप ने मंगलवार को बताया कि इस मामले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और तीन बाघों की खाल बरामद की गई है। नवा रायपुर अटल नगर में पत्रकारों से बातचीत में मंत्री ने कहा कि तस्करी गिरोह के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए केंद्रीय एजेंसी का हस्तक्षेप जरूरी है। इस वर्ष जून-जुलाई में कांकेर और बीजापुर जिलों से तीन बाघों की खाल बरामद की गई थी।

मिस्बाह का इस्तीफे का प्रस्ताव

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने मंगलवार को राष्ट्रीय चयन समिति से इस्तीफा देने की पेशकश की। बताया गया कि इंग्लैंड दौरे के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने उनसे सलाह किए बिना टेस्ट टीम और टीम प्रबंधन में बड़े बदलाव किए।

सूत्र के अनुसार, मिस्बाह का यह प्रस्ताव पीसीबी द्वारा राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्यों को नोटिस जारी करने के एक दिन बाद आया। नोटिस में इंग्लैंड दौरे के लिए अपनाई गई चयन प्रक्रिया पर स्पष्टीकरण मांगा गया था।

नेपाल के एकमात्र अरबपति ने भारत को सराहा

नेपाल के एकमात्र अरबपति और समाजसेवी बिनोद चौधरी ने मंगलवार को विनाशकारी बाढ़ के बाद मदद के लिए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की त्वरित मदद की सराहना की।

चौधरी ने कहा, 'आपदा का पैमाना उस कल्पना से कहीं बड़ा है, जितना किसी ने कभी सोचा होगा। पिछले साल भी इसी इलाके में बाढ़ आई थी, लेकिन वह मौजूदा स्थिति के मुकाबले कहीं भी नहीं थी।' उन्होंने पुनर्निर्माण के कार्य को 'बहुत बड़ी चुनौती' बताते हुए कहा कि बाढ़ में गांव, बाजार, स्कूल और पुल बह गए। साथ ही, 500 मेगावाट से अधिक बिजली उत्पादन क्षमता भी ठप हो गई।

5 सितंबर का मार्च रद्द, सरकार ने सीजेपी की सारी मांगें मानी : सौरव दास

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 5 सितंबर को इंडिया गेट से नए पुलिस मुख्यालय तक प्रस्तावित शांतिपूर्ण विरोध मार्च को रद्द करने का ऐलान किया है। पार्टी का कहना है कि सरकार ने उनकी सभी मांगें मान ली हैं।

सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'आपके माध्यम से मैं यह बताना चाहता हूं कि हम 5 सितंबर को इंडिया गेट से नए पुलिस मुख्यालय तक होने वाले अपने शांतिपूर्ण विरोध मार्च को रद्द कर रहे हैं, क्योंकि सरकार ने हमारी सभी मांगें मान ली हैं।'

सौरव दास ने दिल्ली पुलिस की फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'दिल्ली पुलिस को फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी से शक हुआ था कि विरोध वाली जगह पर लगभग 2,800 कथित कुख्यात अपराधी मौजूद थे। हमने सरकार के साथ बातचीत में तर्क दिया कि अगर ये 2,800 कुख्यात अपराधी सच में वहां मौजूद थे, तो पहला सवाल यह उठता है कि वे समाज में खुलेआम क्यों घूम रहे थे? दूसरी बात, अगर उन्होंने विरोध वाली जगह पर कोई गंभीर अपराध किया है, जैसे दुष्कर्म, हत्या या कोई और संगीन अपराध, तो उन पर मुकदमा चलना चाहिए, जांच होनी चाहिए और उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए। इसके बाद, सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि दिल्ली में पहचाने गए लगभग 2,800 कुख्यात अपराधियों की जांच के लिए एक अलग, नई एफआईआर दर्ज की जाए।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर भाजपा का 'सेवा संकल्प अभियान', वडनगर से वाराणसी तक निकलेगी यात्रा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देशभर में एक महीने का विशेष जनसंपर्क अभियान 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू करेगी। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलेगा और प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर से भी जुड़ा होगा।

अभियान का सबसे प्रमुख आकर्षण 'वडनगर से वाराणसी यात्रा' होगी, जिसे 'जन्मभूमि से कर्मभूमि यात्रा' के रूप में भी प्रस्तुत किया जा रहा है। इस यात्रा के तहत प्रधानमंत्री मोदी की जन्मस्थली गुजरात के वडनगर से उनकी कर्मभूमि उत्तर प्रदेश के वाराणसी से एक साथ यात्राएं शुरू होंगी।

योजना के अनुसार वडनगर और वाराणसी से 10-10 टीमें एक ही दिन रवाना होंगी। वाराणसी से निकलने वाली टीमें एक महीने में वडनगर पहुंचेंगी, जबकि वडनगर से चलने वाली टीमें इसी अवधि में वाराणसी पहुंचेंगी।

पूर्व सीएम भूपेश के पीए के.के. चंद्रवंशी के घर ईडी का छापा

संवाददाता ■ रायपुर/भिलाई

छत्तीसगढ़ में एक बार फिर प्रवर्तन निदेशालय (ED) की बड़ी कार्रवाई से सियासी हलचल तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निजी सहायक (PA) के.के. चंद्रवंशी के पुरानी भिलाई स्थित घर पर मंगलवार सुबह ED ने छापा मारा है।

जानकारी के मुताबिक, ED के करीब 8 अधिकारी दो गाड़ियों में सवार होकर तड़के सुबह चंद्रवंशी के निवास पर पहुंचे। टीम ने घर के अंदर प्रवेश कर दस्तावेजों की जांच और पूछताछ शुरू कर दी है। फिलहाल यह कार्रवाई किस मामले को लेकर की जा रही है, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

के.के. चंद्रवंशी भूपेश बघेल के कार्यकाल के दौरान उनके करीबी और PA के रूप में सक्रिय रहे हैं। उनके घर पर ED की दबिश के बाद से प्रदेश में राजनीतिक माहौल गरमाने के आसार हैं।

सूत्रों के मुताबिक, टीम अभी भी मौके पर मौजूद है और दस्तावेजों की पड़ताल जारी है। जांच में क्या सामने आता है, इस पर सभी की नजर टिकी है।

'जल्द ही आतंकियों द्वारा मारे जाओगे': चिराग पासवान को फिर मिली जान से मारने की धमकी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रमुख चिराग पासवान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें डाक के जरिए भेजे गए पत्र में जल्द हत्या किए जाने की चेतावनी दी गई है। पत्र में लिखा है, 'आपको जल्द ही हार्डकोर आतंकियों द्वारा मार दिया जाएगा।' धमकी सामने आने के बाद मामला सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गया है।

चिराग पासवान को मिली धमकी में क्या लिखा है?

चिराग पासवान को भेजे गए धमकी भरे पत्र में सीधे उनकी हत्या की चेतावनी दी गई है। पत्र भेजने वाले ने दावा किया है कि उन्हें जल्द ही हार्डकोर आतंकियों के हाथों मार दिया जाएगा। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हुआ है कि पत्र किस व्यक्ति या संगठन ने भेजा है। पत्र में दी गई धमकी की गंभीरता और उसकी वास्तविकता की जांच की जा रही है।

चिराग पासवान के कार्यालय ने क्या कदम उठाया?

धमकी मिलने के तुरंत बाद चिराग पासवान के कार्यालय ने केंद्रीय गृह सचिव को पत्र लिखा है। इसमें पूरे मामले पर ध्यान देने और जरूरी सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग की गई है। चिराग पासवान केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा से जुड़ी इस धमकी को गंभीरता से लिया जा रहा है। सुरक्षा एजेंसियां पत्र और उससे जुड़े दूसरे सबूतों की जांच कर सकती हैं।

धमकी भेजने वाले के बारे में क्या जानकारी सामने आई?

अभी धमकी भेजने वाले की पहचान सामने नहीं आई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि पत्र कहां से डाक के जरिए भेजा गया और इसका किसी पहले से पहचाने गए व्यक्ति या संगठन से कोई संबंध है या नहीं। सुरक्षा एजेंसियां पत्र की सामग्री और उपलब्ध सबूतों की जांच कर यह पता लगाने की कोशिश करेंगी कि धमकी कितनी गंभीर है और इसके पीछे कौन हो सकता है।

क्या चिराग को पहले भी जान से मारने की धमकी मिली थी?

यह पहली बार नहीं है जब चिराग पासवान को ऐसी धमकी मिली है। जुलाई 2025 में भी उन्हें सोशल मीडिया के जरिए जान से मारने की धमकी मिली थी। यह धमकी उनकी पार्टी द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला घोषित किए जाने के बाद सामने आई थी। बताया गया था कि धमकी एक इंस्टाग्राम खाते के जरिए दी गई थी। इसके बाद लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के प्रवक्ता ने पटना साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी और पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी।

सीजी पीएससी मेंस 2025 के रिजल्ट जारी, 21 सितंबर से होंगे इंटरव्यू

संवाददाता ■ रायपुर

सीजी पीएससी ने 2025 मेंस के परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए हैं। इसमें 608 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए चयनित किया गया है। ये साक्षात्कार 21 सितंबर से होंगे।

सीजी पीएससी द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया गया है कि छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा परीक्षा-2025 (छत्तीसगढ़ शासन के अधीनस्थ विभाग) के अंतर्गत विभिन्न 20 सेवाओं हेतु कुल-265 पद विज्ञापित किए गए थे। राज्य सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2025 के परीक्षा परिणाम के आधार पर छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा कुल-3921 अभ्यर्थियों का राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा-2025 हेतु प्रावधिक आधार पर चिन्हांकन किया गया। राज्य सेवा (मुख्य) परीक्षा-2025 की लिखित परीक्षा दिनांक 06, 07, 08 एवं 09 जून 2026 को आयोजन किया गया। मुख्य परीक्षा परिणाम वर्गवार/ उपवर्गवार न्यूनतम अर्हकारी अंक अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों के उपलब्धता के आधार पर कुल 608 अभ्यर्थियों को प्रावधिक आधार पर साक्षात्कार हेतु चिन्हांकन किया गया है।

तीर तेवर — सागर कुमार

छत्तीसगढ़ में यूसीसी पर व्यापक मंथन: बस्तर से सरगुजा तक की उठी आवाज

सर्व आदिवासी समाज और महिला आयोग ने दिए अहम सुझाव

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता (UCC) का सर्वसमावेशी प्रारूप तैयार करने की दिशा में प्रक्रिया तेज हो गई है। राजधानी रायपुर के न्यू सर्किट हाउस में आज यूसीसी समिति के समक्ष बस्तर से लेकर सरगुजा तक के प्रतिनिधियों की आवाज गूंजी। इस परिचर्चा में सर्व आदिवासी समाज के अध्यक्ष और प्रतिनिधियों, अध्यक्ष राज्य महिला आयोग और अध्यक्ष राज्य फिल्म विकास निगम ने विवाह, तलाक, भरण-पोषण और उत्तराधिकार जैसे संवेदनशील विषयों पर अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। समिति के सदस्यों सेवानिवृत्त आईएएस एम. के. राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार, सेवानिवृत्त ज्योति रानी सिंह और सदस्य सचिव श्याम धावड़े ने सभी सुझावों को ध्यानपूर्वक सुना और आश्वस्त किया कि राज्य की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक ताने-बाने का पूरा ध्यान रखा जाएगा।

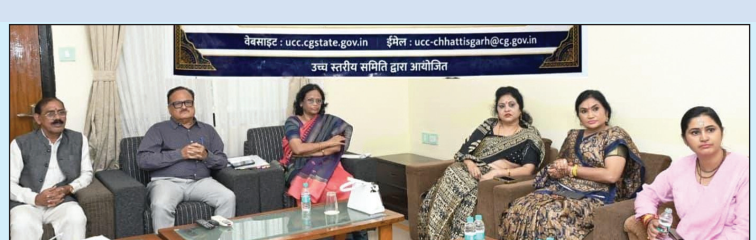

इस दौरान कंवर, गोंड, बैगा और उरांव जैसी प्रमुख जनजातियों के प्रतिनिधियों ने अपनी बात रखते हुए आदिवासियों की सदियों पुरानी रूढ़िगत प्रथाओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विशिष्टता को नए कानून में पूर्ण संरक्षण देने की बात कही। इसके साथ ही विवाह पंजीयन, संपत्ति के अधिकार और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे व्यावहारिक मुद्दों पर भी समिति के साथ गंभीर विचार-विमर्श हुआ। महिला अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा करते हुए राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने जनजातीय परंपराओं के संरक्षण के साथ-साथ सकारात्मक सामाजिक बदलावों का समर्थन किया।

उन्होंने मुस्लिम महिलाओं के भरण-पोषण के अधिकार, राष्ट्रीय एकता को मजबूती देने और धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने के संदर्भ में यूसीसी की आवश्यकता को रेखांकित किया। वहीं, राज्य फिल्म विकास निगम की अध्यक्ष मोना सेन ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-कला और जनजातीय धरोहर को अक्षुण्ण रखने का सुझाव देते हुए कहा कि वैवाहिक और संपत्ति अधिकारों में समानता से समाज के अंतिम छोर पर खड़ी महिलाओं को नया आत्मविश्वास और कानूनी सुरक्षा मिलेगी।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने समिति बैठक में उठाया खेलों के विकास और खिलाड़ियों के भविष्य का मुद्दा

विश्व केसरी

अहमदाबाद / रायपुर। रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के गुजरात अध्ययन दौरे पर अहमदाबाद में आयोजित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

बैठक के पहले सत्र में समिति सदस्य बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ समेत देशभर में खेल अधोसंरचना के विकास और प्रतिभावान खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अहमदाबाद में भारत वर्ष 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी और 2036 के ओलंपिक आयोजन की दावेदारी की दिशा में अग्रसर है, ऐसे में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को तराशना और उन्हें सुरक्षित भविष्य देना बेहद जरूरी है।

CSR फंड का खेल अधोसंरचना में न्यायसंगत उपयोग

बृजमोहन अग्रवाल ने सुझाव दिया कि,सार्वजनिक उपक्रमों (PSUs) और लीड बैंकों को अपने CSR फंड का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा खेल अधोसंरचना के विकास में लगाने पर विचार करना चाहिए। CSR की राशि का उपयोग केवल संबंधित संस्थानों के कार्यक्षेत्र तक सीमित न रहकर देश के उन क्षेत्रों में भी किया जाना चाहिए, जहां खेल प्रतिभाएं तो हैं, लेकिन संसाधनों और सुविधाओं का अभाव है। यदि छत्तीसगढ़ के आदिवासी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक खेल मैदान, प्रशिक्षण केंद्र और आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं, तो यहां की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश एवं प्रदेश का नाम और अधिक रोशन कर सकती हैं। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी और ग्रामीण अंचलों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। प्रदेश लंबे समय से हॉकी की नर्सरी के रूप में अपनी पहचान रखता है, उन्होंने कहा कि इस वर्ष छत्तीसगढ़ में पहली बार खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन हुआ, जिसमें देश के 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 3,800 खिलाड़ियों एवं प्रतिभागियों ने विभिन्न खेलों में हिस्सा लिया। यह आयोजन इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की भरपूर संभावनाओं के साथ-साथ बड़े राष्ट्रीय खेल आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजित करने की क्षमता भी है।

बृजमोहन अग्रवाल ने यह भी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खेलो इंडिया और फिट इंडिया को आगे बढ़ाने के लिए CSR निधि से स्कूल-कॉलेजों में मैदान और खेल उपकरण उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि, केवल पदक जीतने तक ही ध्यान सीमित न रहे, बल्कि स्कूल और कॉलेजों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य, फिटनेस और बुनियादी खेल सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए।

पदक विजेता खिलाड़ियों को 100% रोजगार

बृजमोहन ने विभिन्न राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में मेडल जीतने वाले और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित खिलाड़ियों को सरकारी विभागों के साथ-साथ सार्वजनिक उपक्रमों (PSUs) में भी 100% नौकरी सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। जिससे युवा खेल को करियर के रूप में अपना सकें।

कैबिनेट ने 41,000 करोड़ की परियोजनाओं पर लगाई मुहर

विश्व केसरी

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश कैबिनेट ने मंगलवार को राज्य के इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और मजबूती के लिए 41,000 करोड़ रुपए के कई बड़े फैसलों को मंजूरी दी। लोक निर्माण विभाग के मंत्री राकेश सिंह ने बैठक के मुख्य नतीजों के बारे में मीडिया को जानकारी दी।

राकेश सिंह के अनुसार, इन मंजूरियों में 'विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)'को लागू करने के लिए 29,619 करोड़ रुपए शामिल हैं। इस योजना को वीबी जीरामजी स्कीम भी कहा जाता है। उन्होंने बताया कि दूध उत्पादकों के लिए लगभग 2,973 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिसमें से 1,547 करोड़ रुपए अलग-अलग डेयरी उत्पादों की प्रोसेसिंग क्षमता बढ़ाने के लिए हैं।

सिंह ने बताया कि पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग को केंद्र और राज्य के बीच 60:40 के अनुपात में फंड मिलेगा, जिसमें राज्य का हिस्सा लगभग 10,574 करोड़ रुपए होगा। शिकायतों के समाधान के लिए हर जिले में एक लोकपाल भी नियुक्त किया जाएगा।

कैबिनेट ने जन स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग में चल रही योजनाओं को जारी रखने की मंजूरी दी। राकेश सिंह ने कहा, विभाग की संपत्तियों के रखरखाव के लिए 915.77 करोड़ रुपए की राशि मंजूर की गई है जबकि मशीनरी और उपकरणों के रखरखाव के लिए 488.41 करोड़ को मंजूरी दी गई है। आयुष विभाग के तहत नए बने जिलों में पद बनाने को भी मंजूरी दी गई। मंत्री ने बताया कि निवाड़ी, मऊगंज, पांढुर्णा और मैहर में जिला आयुष अधिकारी के कार्यालयों के लिए लगभग 20 पदों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) का पुनर्गठन था।

उन्होंने बताया, 'आरजीपीवी अभी 585 संस्थानों में 13 कोर्स चलाता है, जिसमें 3.83 लाख से ज्यादा छात्र हैं। पहुंच और भौगोलिक कवरेज को बेहतर बनाने के लिए, मुख्यमंत्री के सुझाव पर तीन नई टेक्नोलॉजी और स्किल यूनिवर्सिटी बनाने की घोषणा की गई है।' ये भोपाल में 'सेंट्रल इंडिया यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड स्किल्स' (जिसमें भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल डिवीन शामिल होंगे); उज्जैन में 'मालवा यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी'जिसमें उज्जैन और इंदौर डिवीजन शामिल होंगे ।

संक्षिप्त खबरें

कार पलटने से तीन लोगों की मौत

विश्व केसरी

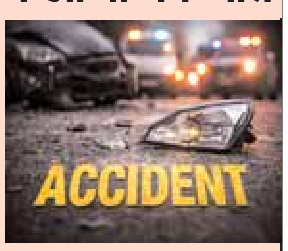

धारवाड़। कर्नाटक में धारवाड़ तालुक के वेंकटपुर गांव के पास मंगलवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग 4 पर एक कार पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान केयू विनायक (25), मंजुनाथ (29) और बसवराज (34) के रूप में हुई है, ये सभी दावणगेरे जिले के निवासी थे। बताया जाता है कि वे खानपान के काम के लिए धारवाड़ आए थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कार में सवार लोग अपना काम खत्म करके शहर के बाहरी इलाके में स्थित एक ढाबे पर खाना खाने गए थे और उसके बाद कार धारवाड़ की ओर जा रही थी। यह दुर्घटना लगभग सुबह 2:30 बजे घटी जब एक लॉरी अचानक कार के सामने आ गई। लॉरी से बचने के प्रयास में, चालक बसवनागौड़ा ने अचानक ब्रेक लगा दिए। जिसके बाद चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया, इसके परिणामस्वरूप वाहन तेज गति से सड़क विभाजक से टकरा गया और पलट गया। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए धारवाड़ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मेरठ में किसानों की महापंचायत, राकेश टिकैत ने उठाए गन्ना मूल्य और बिजली के मुद्दे

विश्व केसरी

मेरठ। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के नेतृत्व में मंगलवार को मेरठ में किसानों की महापंचायत आयोजित की गई। महापंचायत में किसानों से जुड़ी कई समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। किसानों ने गन्ने के दाम बढ़ाने, बकाया भुगतान करने के साथ-साथ बिजली, खाद, भूमि अधिग्रहण और बाढ़ से होने वाले नुकसान का मुआवजा देने जैसी मांगें रखीं। राकेश टिकैत ने मीडिया से बातचीत में कहा कि किसानों के सामने इस समय कई मोर्चों पर समस्याएं हैं। बिजली की बढ़ती लागत और भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए उन्होंने कहा कि जमीन के सर्किल रेट कम हैं, जबकि बिजली के रेट अधिक हैं। सरकार को किसानों की लागत और आमदनी के बीच बढ़ते अंतर पर ध्यान देना चाहिए। गन्ना किसानों की स्थिति का जिक्र करते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि गन्ने के दाम में पर्याप्त बढ़ोतरी नहीं हुई है। उन्होंने मांग की कि गन्ने का भाव 500 रुपए प्रति क्विंटल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है। खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर कपड़े और रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों की कीमतों में वृद्धि हुई है ।

पराली से बन रहा इथेनॉल और बायो-सीएनजी : गडकरी

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा के पहले स्पीकर चार्टी लाल गोयल की 99वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण की चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अब देश में पराली जलाने की समस्या खत्म हो रही है। इससे हम लोग इथेनॉल और बायो-सीएनजी बनवा रहे हैं, आने वाले दिनों में इसकी समस्या पूरी तरह से खत्म हो जाएगी।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि व्यक्ति कितने वर्षों तक जीवित रहा, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि उसने अपना जीवन किस तरह जिया और समाज के लिए क्या योगदान दिया। जन्म लेने वाले हर व्यक्ति की मृत्यु निश्चित है और यह एक सार्वभौमिक नियम है। किसी व्यक्ति का वास्तविक मूल्यांकन उसके जीवन की अवधि से नहीं, बल्कि इस बात से होता है कि उसने अपने जीवन को किस उद्देश्य और तरीके से

जिया।

कार्यक्रम में उन्होंने उस स्थान के बदलाव की भी सराहना की, जहां पहले कबाड़ का ढेर हुआ करता था और अब उसे एक सुंदर बगीचे में बदल दिया गया है। उन्होंने इसे कबाड़खाने के कायाकल्प का उदाहरण बताते हुए कहा कि इस तरह के बदलाव समाज और पर्यावरण, दोनों के लिए सकारात्मक हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से वह पारिस्थितिकी और पर्यावरण के क्षेत्र में बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं। आज मानव समाज के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में पर्यावरण का लगातार क्षरण भी शामिल है। पर्यावरण और पारिस्थितिकी की रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति का पहला कर्तव्य होना चाहिए। गडकरी ने वायु, जल और ध्वनि प्रदूषण को गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के ये तीनों रूप लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं और जीवन प्रत्याशा को कम करने में भी भूमिका निभा रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रदूषण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी को लंबे समय तक प्रदूषण की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा है लेकिन अब स्थिति में बदलाव आना शुरू हुआ है।

गडकरी ने पराली जलाने की समस्या के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पहले पंजाब और हरियाणा में बड़े पैमाने पर पराली जलाने के कारण दिल्ली के प्रदूषण पर असर पड़ता था। इस समस्या से निपटने के लिए सरकार ने 'वेस्ट टू वेल्थ' की अवधारणा पर आधारित नीतियों को बढ़ावा दिया।

चावल आवंटन घोटाले में सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। सस्ते दाम पर चावल के आवंटन में गड़बड़ी को लेकर सीबीआई ने केस दर्ज किया है। यह मामला भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) दिल्ली के तत्कालीन अधिकारियों, नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल एग्रीकल्चर मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनईआरएएमएसी) के तत्कालीन मैनेजिंग डायरेक्टर और अधिकारियों, कुछ अज्ञात सरकारी कर्मचारियों और अन्य लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया है।

दरअसल, इस पूरे मामले का खुलासा जून महीने में हुआ था, जब उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग की विजिलेंस रिपोर्ट सामने आई थी। रिपोर्ट में गड़बड़ी की बात सामने आने के बाद चावल के आवंटन की जांच के लिए एक न्यूट्रल कमेटी बनाई गई थी। कमेटी को यह जांच करनी थी कि एफसीआई ने ओपन मार्केट सेल स्कीम (ओएमएसएस) के तहत राज्य सरकारों को चावल बेचने वाली कैटेगरी में एनईआरएएमएसी को चावल का आवंटन कैसे कर दिया।

जांच में सामने आया कि एफसीआई दिल्ली रीजन ने एनईआरएएमएसी को कुल 62,000 मीट्रिक टन चावल आवंटित किया था। इसमें से एनईआरएएमएसी ने 50,645 मीट्रिक टन चावल उठा भी लिया। यह चावल उसे 23,200 रुपए प्रति मीट्रिक टन की रियायती दर पर दिया गया जबकि उस समय चावल की बाजार या रिजर्व कीमत करीब 28,900 रुपए प्रति मीट्रिक टन थी।

भारतीय सेना की पहल, 41 आर्मी स्टेशनों को पीएनजी से जोड़ने का लक्ष्य

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय सेना अब अपने सैन्य प्रतिष्ठानों में पारंपरिक ईंधन की जगह पाइप्ड नेचुरल गैस यानी पीएनजी को बढ़ावा देने की तैयारी में जुट गई है। पहले चरण में 41 आर्मी स्टेशनों को पीएनजी से जोड़ने का लक्ष्य है। इसी कड़ी में दिल्ली कैंट स्थित मानेकशॉ सेंटर में 'पीएनजी ट्रांजिशन वेबिनार-2026' आयोजित किया गया।

सेना का लक्ष्य है कि जहां भी पीएनजी की सुविधा व्यवहारिक रूप से उपलब्ध है, वहां सैन्य प्रतिष्ठानों को चरणबद्ध तरीके से इससे जोड़ा जाए। सेना ने वित्त वर्ष 2026-27 में 41 आर्मी स्टेशनों को पीएनजी से जोड़ने का लक्ष्य तय किया है। इसके बाद इस व्यवस्था का विस्तार उन दूसरे सैन्य प्रतिष्ठानों तक किया जाएगा, जहां पीएनजी उपलब्ध कराना संभव होगा। यह पहल केंद्र सरकार के गैस आधारित अर्थव्यवस्था के विजन के अनुरूप है।

सेना के लिए यह बदलाव ऊर्जा के अधिक कुशल इस्तेमाल के साथ-साथ एक अधिक टिकाऊ ईंधन व्यवस्था की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। पीएनजी को सेना के प्रतिष्ठानों तक पहुंचाने की राह आसान बनाने का प्रयास भी किया जा रहा है। इसके लिए वेबिनार में 'इंडियन आर्मी पीएनजी गाइड' जारी की गई।

गरीबों का आर्थिक सशक्तिकरण हमारी प्राथमिकता: सीएम चंद्रबाबू नायडू

विश्व केसरी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार कल्याण, विकास और सुशासन को प्राथमिकता दे रही है तथा गरीबों का आर्थिक सशक्तिकरण उसका प्रमुख लक्ष्य है। पश्चिम गोदावरी जिले में एनटीआर भरोसा पेंशन वितरण कार्यक्रम में शामिल होते हुए उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं, दिव्यांगों और अन्य पात्र वर्गों को बढ़ी हुई पेंशन दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक पेंशन के माध्यम से गरीबों के बीच 73,507 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं, जबकि पिछले दो वर्षों में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं पर करीब 1.50 लाख करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं।

चंद्रबाबू नायडू ने याद दिलाया कि 31 वर्ष पहले, 1 सितंबर को उन्होंने पहली बार अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने कहा कि तब से शासन में जनभागीदारी बढ़ाने और जागरूकता फैलाने के लिए कई सुधार और योजनाएं लागू की गईं।

टीडीपी प्रमुख ने दावा किया कि राज्य में जब भी चुनाव होंगे, एनडीए गठबंधन को हराना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास तभी संभव है जब स्थानीय निकाय मजबूत हों। वार्ड सदस्य, सरपंच, विधायक और सांसद शासन व्यवस्था में सक्रिय भागीदार बनें, तभी केंद्र से ग्रामीण विकास के लिए अधिक धन प्राप्त किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ लोग स्थानीय निकाय चुनाव कराने में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं ।

मध्य प्रदेश के सवा लाख मेधावी छात्रों को मिली लैपटॉप की राशि

विश्व केसरी

भोपाल। मध्य प्रदेश की हायर सेकेंडरी परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले लगभग सवा लाख प्रतिभाशाली छात्रों के बैंक खातों में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लैपटॉप की राशि अंतरित की । राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में मुख्यमंत्री यादव ने 'प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना' अंतर्गत आयोजित लैपटॉप राशि वितरण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कक्षा 12वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रदेश के 1.21 लाख से अधिक विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि 25-25 हजार रुपए का अंतरण कर उनका उत्साहवर्धन किया।

विद्यार्थियों के उज्ज्वल एवं सफल भविष्य की कामना की और उनके साथ सामूहिक तस्वीर भी खिंचवाई। विद्यार्थियों को लैपटॉप क्रय हेतु कुल 304 करोड़ से अधिक की राशि का अंतरण किया गया।

दरअसल, प्रदेश सरकार की यह पहल प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लैपटॉप के माध्यम से विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन, डिजिटल पाठ्य सामग्री, ई-लर्निंग और अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर अपनी शिक्षा को और बेहतर बना सकेंगे।

प्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें डिजिटल तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना चलाई जा रही है। इसके अंतर्गत कक्षा 12वीं की परीक्षा में पहले ही प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः : -
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....34834..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34834 वार्ड का नाम 48- गुरू घासीदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 48 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR443C00106** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती VIJAY KUMAR पिता / पति श्री/श्रीमती VEERUMAL के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती धनराज आहूजा पिता / पति श्री/श्रीमती श्री हासामल आहूजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34990..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34990

वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663D00029** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **BRIJMOHAN SINGH** पिता/पति श्री श्रीमती **TTAM SINGH SISODIY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती **DR. GIRIRAJ KISHOR ARORA** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O LT. BANKDE LAL ARORA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34992..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 01-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34992

वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663SA020A** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **VINAY DUDHAIYA** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE VIJAY DUDHAIYA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **SEEMA BAID** पिता/पति श्री श्रीमती **W/O JITENDRA KUMAR BAID** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34679..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 22-08-2026

इश्तिहार/ त्रुटि सुधार

नामांतरण प्र.क्र. 34679

वार्ड का नाम - 65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR561A00123** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **REKHA MISHARA** पिता / पति श्री/श्रीमती **ASHWANI MISHARA** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती श्री प्रेमनारायण मिश्रा पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. सरजू प्रसाद मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र , सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....34871..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 31-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34871

वार्ड का नाम 65-65 - महामाया मंदिर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 65 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR662E0227A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SHAMIM BANO** पिता / पति श्री/श्रीमती **NURUDDIN BURHANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **MOHAMMAD BURHANI** पिता / पति श्री/श्रीमती **SO LT. NUROODDIN BURHANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / HIBANAMA / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से भटगांव विधानसभा को बड़ी सौगात

बुंदिया और बड़सरा में खुलेंगे नए धान उपार्जन केंद्र

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विशेष प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र के किसानों को बड़ी सौगात मिली है। सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड के ग्राम बुंदिया एवं बड़सरा में नवीन धान उपार्जन केंद्र खोलने की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस संबंध में विधिवत आदेश जारी कर दिया गया है।

क्षेत्र के किसानों द्वारा लंबे समय से नए धान उपार्जन केंद्र खोले जाने की मांग की जा रही थी। भटगांव विधानसभा क्षेत्र के भ्रमण के दौरान ग्रामीणों एवं किसानों ने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को अपनी समस्या से अवगत कराया था। किसानों ने बताया था कि वर्तमान में दूर स्थित उपार्जन केंद्रों तक धान ले जाने में उन्हें अतिरिक्त समय और परिवहन व्यय वहन करना पड़ता है।

किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री दयाल दास बघेल को पत्र लिखकर बुंदिया एवं बड़सरा में नवीन धान उपार्जन केंद्रों की स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया था। मंत्री के प्रयासों के फलस्वरूप शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 एवं आगामी वर्षों के लिए दोनों केंद्रों की स्थापना को मंजूरी दी गई है।

ग्राम बुंदिया में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित बतरा के अंतर्गत तथा ग्राम बड़सरा में आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित शिवप्रसादनगर के अंतर्गत नवीन धान उपार्जन केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

नए धान उपार्जन केंद्रों के शुरू होने से किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए दूर-दराज के केंद्रों तक जाने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे परिवहन, ट्रैक्टर भाड़े और अन्य खर्चों में कमी आएगी तथा किसानों के समय और श्रम की बचत होगी। स्थानीय स्तर पर धान की तुलाई एवं उपार्जन की सुविधा मिलने से खरीदी प्रक्रिया भी अधिक सुगम और सुविधाजनक होगी।

नवीन धान उपार्जन केंद्रों की स्वीकृति से क्षेत्र के किसानों एवं ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। किसानों ने मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नजदीक ही धान खरीदी केंद्र उपलब्ध होने से उन्हें अपनी उपज

जनदर्शन में दिव्यांग गौतम को मिली मोटराइज्ड ट्राई साइकिल

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर शासन की कल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों के जीवन में सुविधा के साथ आत्मनिर्भरता की नई राह भी तैयार कर रही हैं। सूरजपुर के संजयनगर, अजबनगर निवासी बचपन से दिव्यांग गौतम सिल को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिलने से अब उनके दैनिक जीवन में आवागमन आसान होगा। साथ ही वे रोजगार के छोटे अवसरों से जुड़कर अपनी आजीविका को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

दैनिक आवागमन में हो रही परेशानी को लेकर गौतम ने कलेक्टर रेना जमील से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई थी। उनकी आवश्यकता को देखते हुए कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को शासन की योजना के तहत आवश्यक कार्यवाही कर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। निर्देशों के पालन में समाज कल्याण विभाग द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण की गई। इसके बाद कलेक्टर जनदर्शन के दौरान कलेक्टर रेना जमील ने गौतम को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदान की। ट्राई साइकिल मिलने पर गौतम के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। उन्होंने कहा कि अब आने-जाने में काफी सहूलियत होगी। वे छोटे-मोटे रोजगार से जुड़कर अपनी आजीविका को बेहतर बनाने का प्रयास कर सकेंगे। उन्होंने इस सहायता के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

बिहार की 48 वर्षीय महिला की अम्बेडकर अस्पताल में सफल बाईपास सर्जरी

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के हार्ट, चेस्ट एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग में बिहार के मधुबनी जिले की 48 वर्षीय महिला की सफल कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी की गई। मरीज के हृदय की तीनों प्रमुख कोरोनरी धमनियों में गंभीर ब्लॉकेज था, जिसे चिकित्सकीय भाषा में ट्रिपल वेसल डिजीज (Triple Vessel Disease/TVD) कहा जाता है। साथ ही मरीज के हृदय की पंपिंग क्षमता लगभग 40 प्रतिशत थी।

विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर डॉ. कृष्णकांत साहू एवं उनकी टीम ने मरीज की बीटिंग हार्ट कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी (Beating Heart CABG) सफलतापूर्वक की। इस सर्जरी में बाईपास के लिए मैमरी आर्टरी (Mammary Artery) का उपयोग किया गया। सामान्यत: आर्टेरियल ग्राफ्ट को लंबे समय तक प्रभावी रहने वाला ग्राफ्ट माना जाता है।

सीने की हड्डी को खोलकर गोल्ड स्टैंडर्ड तकनीक से सर्जरी

मरीज की सर्जरी मिडलाइन स्टर्नोटोमी (Midline Sternotomy) तकनीक से की गई। इसमें सीने की मध्य हड्डी यानी स्टर्नम को सावधानीपूर्वक खोलकर हृदय तक पहुंच बनाई जाती है। कोरोनरी बाईपास सर्जरी में यह एक स्थापित एवं विश्वसनीय ऑपरेटिव तकनीक है, जिसे गोल्ड स्टैंडर्ड तकनीक के रूप में जाना जाता है।

सर्जरी के बाद मरीज की रिकवरी भी अच्छी रही। ऑपरेशन के दिन ही होश में आने के बाद मरीज ने शाम को हल्का नाश्ता किया और ऑपरेशन के दूसरे दिन से ही चलना-फिरना शुरू कर दिया। अब मरीज पूरी तरह स्वस्थ है और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज किया जा रहा है।

मधुबनी से दरभंगा और फिर रायपुर पहुंची मरीज

मरीज ने बताया कि करीब डेढ़ महीने पहले उन्हें पहली बार सीने में दर्द हुआ था। उन्होंने मधुबनी के एक अस्पताल में चिकित्सकीय परामर्श लिया, लेकिन वहां हृदय संबंधी विशेषज्ञ सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण उन्हें गैस एवं एसिडिटी की दवाएं देकर घर भेज दिया गया। कुछ दिनों बाद दोबारा सीने में दर्द होने पर परिजन उन्हें दरभंगा के एक बड़े अस्पताल में ले गए। वहां एंजियोग्राफी कराने पर पता चला कि हृदय की तीनों प्रमुख नसों में ब्लॉकेज है और डॉक्टरों ने उन्हें बाईपास सर्जरी कराने की सलाह दी। परिजन पहले पटना में सर्जरी कराने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान रायपुर में रहने वाले उनके एक रिश्तेदार ने उन्हें अम्बेडकर अस्पताल के हार्ट सर्जरी विभाग के बारे में जानकारी दी।

20 साल से घर में बसे, फिर भी पट्टे का इंतजार; नक्सली पीड़ितों ने नगरपालिका घेरा

विधायक विक्रम मंडावी बोले पीड़ित गरीब परिवारों को तत्काल स्थाई पट्टा दे सरकार

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। नक्सल हिंसा के चलते वर्ष 2005 में अपने गांव छोड़कर बीजापुर शहर में आकर बसे नक्सली पीड़ित परिवारों ने मंगलवार को स्थाई राजस्व पट्टे की मांग को लेकर नगरपालिका कार्यालय का घेराव किया। बड़ी संख्या में वार्डवासियों ने मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बीजापुर को ज्ञापन सौंपकर वर्षों से निवासरत परिवारों को स्थाई पट्टा देने तथा बेदखली और तोड़फोड़ की कार्रवाई तत्काल रोकने की मांग की ज्ञापन में बताया गया कि सलवा जुडूम के दौरान नक्सल हिंसा से परेशान होकर कई परिवार अपनी जान बचाकर बीजापुर पहुंचे थे। इसके बाद से वे नगर पालिका परिषद के वार्ड क्रमांक 1, 7, 8, 9, 10, 11 एवं 12 में मकान बनाकर रह रहे हैं। यहां मजदूरी और छोटे-मोटे काम-धंधे कर परिवारों का पालन-पोषण किया जा रहा है। करीब दो दशक बीत जाने के बाद भी इन परिवारों को स्थाई राजस्व पट्टा नहीं मिल पाया है।

घर छोड़कर जाएं तो जाएं कहां

प्रदर्शनकारी परिवारों का कहना है कि वे जमीन पर अवैध कब्जा करने नहीं आए हैं, बल्कि नक्सल आतंक के कारण अपना गांव और पुश्तैनी घर छोड़कर बीजापुर में शरण लेने को मजबूर हुए थे।

स्मार्ट मीटर व रावघाट परियोजना की समस्याओं को लेकर कांग्रेस निकालेगी पदयात्रा

अंतागढ़। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अंतागढ़ द्वारा स्मार्ट मीटर एवं रावघाट परियोजना से जुड़ी समस्याओं को लेकर 2 सितंबर 2026, बुधवार को पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। ब्लॉक कांग्रेस ने क्षेत्रवासियों से पदयात्रा में शामिल होकर विभिन्न मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करने की अपील की है। कांग्रेस का आरोप है कि रावघाट परियोजना में अंतागढ़ एवं कोयलीबेड़ा क्षेत्र के लोगों के साथ छल किया जा रहा है। किसानों की जमीनों का करोड़ों रुपये के दाम पर मुआवजा देने के बाद भी भूमि अधिग्रहण के बदले नौकरी देने का वादा पूरा नहीं किया गया है। पार्टी ने स्थानीय बेरोजगारों को रावघाट परियोजना के अनुरूप प्रशिक्षण देकर स्थायी रोजगार उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई है।

अवैध कबाड़ दुकानों पर सिरगिट्टी पुलिस का शिकंजा 10 संचालकों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में अवैध कबाड़ दुकानों और आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने व्यापक अभियान चलाकर कार्रवाई की है। पुलिस ने अवैध रूप से कबाड़ दुकान संचालित करने वाले 10 संचालकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया। वहीं, रात्रिकालीन आकस्मिक चेकिंग के दौरान तलवार और चाकू लेकर घूम रहे छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया। अभियान के दौरान एक गंभीर चोट के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में अवैध कबाड़ कारोबार की जांच और

आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर, नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाइन तथा थाना प्रभारी प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक आकाश चौधरी के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने क्षेत्र में कार्रवाई की।

10 कबाड़ दुकान संचालकों पर कार्रवाई

अवैध रूप से कबाड़ दुकान संचालित करने के मामले में पुलिस ने शेख तौसिफ (29), सैय्यद प्रिंस (35), अमित कश्यप (34), साहिल खान (25), अनुप डेविड (31), राजू चौहान (42), दीपेश कुमार साहू (20), अफजल हुसैन (44), मोहम्मद फिरोज (42) और मोहम्मद इमरान खान (41) को थाना तलब किया। पूछताछ और जांच के बाद सभी 10 संचालकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। इसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया।

रात में सरप्राइज चेकिंग, हथियारों के साथ छह गिरफ्तार

अपराधियों और चाकूबाजों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सिरगिट्टी पुलिस ने देर रात गणेश नगर, नयापारा, चुचुहियापारा और तिफरा क्षेत्र में आकस्मिक चेकिंग की। पुलिस ने करीब 40 से 50 संदिग्ध व्यक्तियों और गुंडा-बदमाशों की जांच की। इस दौरान छह आरोपियों के कब्जे से एक तलवार और पांच चाकू बरामद किए गए।

प्रेस क्लब चुनाव में के. संतोष अध्यक्ष निर्वाचित, शत-प्रतिशत हुआ मतदान

विश्व केसरी

बीजापुर (के. संतोष)। प्रेस क्लब भवन सह जिला पत्रकार संघ बीजापुर के चुनाव में सोमवार को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए गए। अध्यक्ष पद पर के. संतोष कुमार ने सर्वाधिक 21 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। चुनाव में कुल 46 मतदाताओं ने मतदान किया और शत-प्रतिशत मतदान हुआ। चुनाव के दौरान प्रशासन एवं पुलिस की मौजूदगी में मतदान, मतगणना एवं परिणाम की घोषणा की प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई।अध्यक्ष पद के लिए चार प्रत्याशी मैदान में थे। के. संतोष को 21 मत, निकटतम प्रतिद्वंद्वी गणेश मिश्रा को 13 मत, ईश्वर सोनी को 7 मत तथा कमलेश पैंकरा को 5 मत प्राप्त हुए।

सचिव पद पर एक वोट से इरशाद खान की जीत

सचिव पद का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। तीन प्रत्याशियों के बीच हुए मुकाबले में इरशाद खान ने 17 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। वहीं आशीष पदमवार को 16 और बसंत मामडीकर को 13 मत मिले। इस तरह इरशाद खान ने महज एक वोट के अंतर से सचिव पद अपने नाम किया।

कोषाध्यक्ष पद पर प्रसून शर्मा विजयी – कोषाध्यक्ष पद पर प्रसून शर्मा को 30 मत मिले, जबकि सिरोज विश्वकर्मा को 16 मत प्राप्त हुए। प्रसून शर्मा ने 14 मतों के अंतर से जीत हासिल की।

प्रशासन की निगरानी में शांतिपूर्ण चुनाव- प्रेस क्लब चुनाव की पूरी प्रक्रिया जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में संपन्न हुई। मतदान से लेकर मतगणना और परिणाम की घोषणा तक पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रही।नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने पत्रकार हितों को प्राथमिकता देने का दिया भरोसा जीत के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष के. संतोष कुमार ने सभी पत्रकार साथियों का आभार व्यक्त किया।

मध्य प्रदेश में जीके इलेक्ट्रिक का पहला सीओसीओ आउटलेट जबलपुर में शुरू

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर सेगमेंट में तेजी से अपनी पहचान बना रही जीके इलेक्ट्रिक ने मध्य प्रदेश में अपने विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य का अपना पहला 'कंपनी ओन्ड, कंपनी ऑपरेटेड' (COCO) आउटलेट जबलपुर में शुरू किया है।

जबलपुर में स्थापित यह स्टेट-ऑफ-द-आर्ट शोरूम ग्राहकों को एक आधुनिक और प्रीमियम अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यहां त्र्य Electric के पैसेंजर एवं कार्गो इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर्स की विस्तृत रेंज उपलब्ध होगी। इसके साथ ही ग्राहकों की सुविधा के लिए अत्याधुनिक एवं समर्पित वर्कशॉप और आफ्टर-सेल्स सर्विस सुविधा भी एक ही परिसर में उपलब्ध है। यह नया COCO आउटलेट ग्राहकों को वाहन खरीद से लेकर सर्विस एवं आफ्टर-सेल्स सपोर्ट तक एक

संपूर्ण इलेक्ट्रिक मोबिलिटी समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

पहली गाड़ी की डिलीवरी के साथ ऐतिहासिक शुरुआत – जबलपुर COCO आउटलेट के शुभारंभ के साथ ही जीके इलेक्ट्रिक ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। नए आउटलेट से पहली गाड़ी की डिलीवरी निर्मल चैपल को की गई। जीके इलेक्ट्रिक के लिए यह क्षण विशेष महत्व रखता है, क्योंकि निर्मल चैपल न केवल इस नए आउटलेट के पहले ग्राहक बने, बल्कि जीके इलेक्ट्रिक को उन्हें जबलपुर COCO आउटलेट की पहली गाड़ी सौंपने का गौरव भी प्राप्त हुआ। यह पहली डिलीवरी जबलपुर एवं पूरे मध्य प्रदेश में जीके इलेक्ट्रिक की नई यात्रा की एक शानदार शुरुआत का प्रतीक है।

पैसेंजर से लेकर कार्गो तक - हर जरूरत के लिए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी

जबलपुर स्थित नए आउटलेट पर जीके इलेक्ट्रिक की पैसेंजर एवं कार्गो 3-व्हीलर की पूरी रेंज प्रदर्शित की जाएगी, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत और व्यवसाय के अनुरूप सही वाहन का चयन कर सकेंगे। इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर्स की बढ़ती मांग को देखते हुए जीके इलेक्ट्रिक का उद्देश्य ग्राहकों को ऐसे वाहन उपलब्ध कराना है, जो कम रनिंग कॉस्ट, बेहतर ऑपरेशनल इकोनॉमी और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार मोबिलिटी का बेहतर विकल्प प्रदान करें।

विशेष रूप से लास्ट-माइल डिलीवरी, माल परिवहन, व्यापारिक उपयोग, पैसेंजर ट्रांसपोर्ट और विभिन्न कमर्शियल जरूरतों के लिए इलेक्ट्रिक 3-व्हीलर्स तेजी से एक प्रभावी विकल्प बन रहे हैं।

15 महाविद्यालयों के प्राध्यापकों सहित प्रो राजीव 'शिक्षा रत्न' से हुए सम्मानित

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। प्रो राजीव चौधरी पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा विभाग को राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त होने पर सम्मान के लिए महंत महाविद्यालय में निजी महाविद्यालय प्राचार्य संघ के द्वारा आयोजित 'शिक्षा रत्न सम्मान' समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले 15 महाविद्यालय के 30 प्राध्यापकों को शिक्षा रत्न से सम्मानित किया गया।

'शिक्षा रत्न सम्मान' समारोह में ट्रिपल आईटी के डायरेक्टर प्रो. ओम प्रकाश व्यास मुख्य अतिथि तथा विप्र महाविद्यालय शिक्षण समिति के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ शिक्षाविद अजय तिवारी एवं अग्रसेन महाविद्यालय

पुरानी बस्ती प्रबंध के अध्यक्ष प्रो. विट्ठल अग्रवाल,विप्र महाविद्यालय के प्राचार्य एवं निजी महाविद्यालय प्राचार्य संघ के अध्यक्ष डॉ. मेघेश तिवारी सचिव महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी सहित सभी महाविद्यालयों के प्राचार्य गण विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

निजी महाविद्यालय प्राचार्य संघ के द्वारा आयोजित 'शिक्षा रत्न सम्मान' समारोह में मुख्य अतिथि प्रोफेसर ओम प्रकाश व्यास ने उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा की क्लास रूम को केवल डिग्री हासिल करने तक सीमित नहा रखा जाए उन्होंने कहा की विद्यार्थी में व्याप्त स्किल को समझते हुए बेहतर अवसर प्रदान करना भी जरूरी है उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक के प्रवेश के साथ निरंतर बदलाव सामने आ रहे हैं ऐसे दौर में तकनीक की बदलाव को स्वीकार करना होगा शारीरिक शिक्षा और पारंपरिक शिक्षा के संयुक्त योग से विद्यार्थियों में गुणोत्तर वृद्धि की जा सकती है इस बात को सभी शिक्षकों को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा आने वाले समय में छत्तीसगढ़ का उच्च शिक्षा का भविष्य उज्जवल है यह इस आयोजन से प्रतीत हो रहा है। समारोह के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने निजी महाविद्यालय से जुड़ी चुनौतियां को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षक को मिलने वाले वेतन से शिक्षा को जोड़कर नहीं देखना चाहिए बल्कि यह सोचना चाहिए कि वह विद्यार्थी में किस तरह की गुणात्मक वृद्धि कर सकते हैं तभी वह सफल शिक्षक साबित होंगे उन्होंने बताया कि राज्य सरकार निजी महाविद्यालय से आगे बढ़कर अब निजी विश्वविद्यालय स्थापना के नियमों में शिथिलता लाने जा रही है जो एक सुखद संकेत हैं। इस मौके पर निजी महाविद्यालय प्राचार्य संघ के सचिव डॉ देवाशीष मुखर्जी ने कार्यक्रम के स्वरूप पर चर्चा की और आने वाले दिनों में संघ के कार्यों के बारे में बताया जबकि संघ के अध्यक्ष डॉ मेघेश तिवारी ने यूजीसी की मान्यताओं और आवश्यकताओं के साथ राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक समिति के सवालों का जवाब रखा और कहा कि यह संघ उसे दिशा में निरंतर तेजी से कार्य करेगा कार्यक्रम में उपस्थित सम्मानित वरिष्ठ विशेष स्थितियों ने भी अपने उद्बोधन रखे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर में लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम का शुभारंभ !

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल ने रेल परिचालन को अधिक संरक्षित, तेज, पारदर्शी एवं कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम का शुभारंभ किया है।

लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम का शुभारंभ तरुण प्रकाश, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा आज दिनांक 31 अगस्त 20226 को किया गया। इस अवसर पर प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर जी. पी. खुटे, प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक के.के.सिन्हा, मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर राकेश रंजन सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय रेल में अपनी तरह की पहली पहल

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर मंडल स्थित डिवीज़नल कंट्रोल में स्थापित लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम भारतीय रेल में अपनी तरह की पहली पहल है। इस प्रणाली की प्रमुख विशेषता भारतीय रेल का सबसे बड़ा अल्ट्रा-नैरो-बेज़ल वीडियो वॉल है, जिसके माध्यम से ट्रेनों की आवाजाही एवं सिग्नलिंग की स्थिति का वास्तविक समय में व्यापक एवं स्पष्ट दृश्य प्राप्त किया जा सकता है।

वास्तविक समय में ट्रेनों की निगरानी

लाइव ट्रेन मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से रेल परिचालन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां एकीकृत एवं केंद्रीकृत रूप में उपलब्ध होती हैं। इससे नियंत्रण कार्यालय में कार्यरत अधिकारियों को ट्रेनों की स्थिति एवं परिचालन से जुड़ी परिस्थितियों का तत्काल आकलन करने में सहायता मिलती है।

संपादकीय

आईएएस/आईपीएस अधिकारियों का इस्तीफा

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) को भारत की शासन प्रणाली की रीढ़ माना जाता है। इन सेवाओं में प्रवेश केवल सरकारी नौकरी पाने का साधन नहीं है, बल्कि संविधान, राज्य और जनता के प्रति प्रतिबद्धता भी है। इसलिए, आईएएस या आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा व्यक्तिगत पसंद नहीं माना जा सकता। यह प्रशासन, संगठनात्मक संस्कृति और शासन प्राथमिकताओं से जुड़े मुद्दों को भी संबोधित करता है। लेकिन हाल के वर्षों में, इस तरह के इस्तीफों ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या हमारी प्रणाली अपने सबसे कुशल और उच्च प्रशिक्षित अधिकारियों को ऐसा कार्यस्थल प्रदान कर सकती है जहां वे स्वतंत्रता, गरिमा और उद्देश्य के साथ अपनी प्रतिभा का उपयोग कर सकें।

आईएएस/आईपीएस अधिकारी का इस्तीफा किसी सामान्य कर्मचारी के इस्तीफे जैसा नहीं होता। इन सेवाओं में प्रवेश पाने के लिए देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक को उत्तीर्ण करना, गहन प्रशिक्षण लेना और वर्षों तक जिम्मेदारियां निभाना आवश्यक होता है। जब कोई अधिकारी इस तरह के करियर को छोड़ने का फैसला करता है, तो स्वाभाविक है कि समाज उससे पूछेगा कि उसने ऐसा क्यों किया। सभी इस्तीफे व्यवस्था में खामियों के कारण नहीं होते। कारण वास्तविक हो सकते हैं, जैसे पारिवारिक जिम्मेदारियां, स्वास्थ्य, व्यक्तिगत परिस्थितियां, वैकल्पिक करियर या जीवनशैली में बदलाव। हालांकि, अन्य स्थितियों में, इस्तीफे निर्णय लेने की शक्ति की कमी, राजनीतिक या संस्थागत तनाव और कार्य परिस्थितियों से उत्पन्न दीर्घकालिक असंतोष के कारण भी हो सकते हैं। ऐसे में सवाल व्यक्तिगत नहीं रह जाता, बल्कि संस्थागत हो जाता है।

प्रशासनिक अधिकारियों का मनोबल शासन की प्रभावशीलता से गहराई से जुड़ा होता है। प्रशासनिक प्रभावशीलता समय के साथ तब कमज़ोर हो सकती है जब अधिकारी को यह महसूस होता है कि निर्णय नियमों, कानूनों और जनहित के बजाय बाहरी दबावों के आधार पर लेने पड़ते हैं। यह विशेष रूप से ज़िला स्तर पर सच है, जहाँ प्रशासकों और पुलिस अधिकारियों को अक्सर कानून-व्यवस्था, विकास, सामाजिक तनाव और जनता की शिकायतों तथा निर्वाचित प्रतिनिधियों की अपेक्षाओं के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। नागरिकों की अपेक्षाएँ होती हैं, और वहाँ राजनीतिक और संस्थागत दबाव भी होते हैं। जब ये दबाव बढ़ते हैं और अधिकारी के पास अपने विवेक का उपयोग करने का सीमित अवसर होता है, तो असंतोष और हताशा का उत्पन्न होना निश्चित है। इसलिए, जब भी नौकरी समाप्त करने के लिए वास्तविक व्यक्तिगत कारण मौजूद हों, तो उन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए; हालाँकि, जहाँ संस्थागत कारण मौजूद हों, उन्हें केवल यह कहकर खारिज नहीं किया जाना चाहिए कि बर्खास्तगी 'व्यक्तिगत' कारण से थी।

आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की स्थिरता, व्यावसायिकता और लोक सेवा के प्रति समर्पण उनके सर्वोत्तम गुणों में से हैं। लेकिन अगर अधिकारी अपने पेशेवर विवेक का पालन करने के बजाय अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने लगें तो यह गुण धूमिल हो सकते हैं। परियोजनाओं में देरी, कानून-व्यवस्था पर दबाव, शिकायतों पर निष्क्रियता और तबादलों को लेकर अनिश्चितता, ये सभी कारक अधिकारी के मनोबल को प्रभावित कर सकते हैं। एक सक्षम अधिकारी से कठिन परिस्थितियों में कड़े निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। इसके लिए अधिकारी को संस्थागत समर्थन और पेशेवर आत्मविश्वास भी मिलना आवश्यक है। समय के साथ, किसी निर्णय के प्रति साहसिक और निष्पक्ष दृष्टिकोण कमजोर पड़ सकता है क्योंकि अधिकारी अपने करियर को ध्यान में रखते हुए उसका मूल्यांकन करने लगते हैं।

आज के युवा सरकारी कर्मचारियों के रूप में सुरक्षित नौकरी या आजीविका से संतुष्ट नहीं हैं। नौकरी से संतुष्टि, बेहतर कार्य-जीवन संतुलन, गरिमा और कौशल का सार्थक उपयोग भी पेशेवर स्वतंत्रता के लिए महत्वपूर्ण कारक बनकर उभर रहे हैं। यह बदलाव हमेशा बुरा नहीं होता। बल्कि, यह सरकारी संस्थानों के लिए अपने कार्यस्थल संस्कृति को आधुनिक बनाने का एक अवसर है। यदि कोई अधिकारी आश्वस्त है कि कोई अन्य क्षेत्र अधिक स्वायत्त है, बेहतर कार्य वातावरण प्रदान करता है और विचारों को व्यवहार में लाने के अधिक अवसर प्रदान करता है, तो सेवा छोड़ने के निर्णय को प्रतिबद्धता की कमी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह इस बात का भी संकेत दे सकता है कि सरकारी संस्थानों की प्रतिभा अधिग्रहण और प्रतिधारण रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

हालांकि, इस मामले पर निष्पक्ष रूप से विचार किया जाना चाहिए। प्रत्येक अधिकारी का अनुभव अद्वितीय होता है और प्रत्येक इस्तीफ़ा प्रणाली पर दोषारोपण नहीं है। कुछ छिटपुट घटनाओं के आधार पर आईएएस/आईपीएस का मूल्यांकन करना भी उतना ही गलत होगा।

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

ललित गर्ग

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित हों, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा-कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।

इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे-धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यत: सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है।

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं।

आम नागरिक के लिए आर्थिक विकास का अर्थ तभी सार्थक है, जब उसके जीवन में रोजगार के अवसर बढ़ें, आय में वृद्धि हो, महंगाई नियंत्रित रहे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हों तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आए। सकल घरेलू उत्पाद हमें अर्थव्यवस्था की गति बताता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उस विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक किस प्रकार पहुंच रहा है। इसलिए भारत की अगली चुनौती तेज विकास से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विस्तार इसलिए आशाजनक है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन भविष्य में भारत को ऐसे उद्योगों की आवश्यकता होगी, जो बड़ी संख्या में युवाओं को सम्मानजनक और स्थायी रोजगार दे सकें। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसे कौशल, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं तो यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ऊर्जा बन सकती है।

भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना होना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को इतना मजबूत करना है कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सके। आज दुनिया चीन के विकल्प के रूप में विभिन्न उत्पादन केंद्रों की तलाश कर रही है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसी विशिष्ट ताकतें हैं। यदि भारत विनिर्माण, अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो वह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में कहीं अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। 2047 का विकसित भारत केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि देशवासियों की सामूहिक आकांक्षा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर इस यात्रा में एक उत्साहजनक पड़ाव है, मंजिल नहीं। भारत को लगातार उच्च विकास दर, मजबूत वित्तीय व्यवस्था और स्थिर आर्थिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना होगा।

भारत की आर्थिक कहानी अब केवल आंकड़ों की कहानी नहीं रह गई है। यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की कहानी बन रही है। दुनिया जब युद्ध और आर्थिक अस्थिरता की छाया में अपनी दिशा तलाश रही है, तब भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन उसे एक भरोसेमंद और संभावनाशील शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वैश्विक संकटों के बीच भी उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही आर्थिक नीतियों और योजनाओं को अब अगले चरण में अधिक रोजगार, अधिक निवेश, अधिक उत्पादन और अधिक समान अवसरों से जोड़ना होगा।

पेड़ के बदले अपना सिर देते 363 लोगों ने दिया बलिदान

रविन्द्र गिन्नौरे

पेड़ पर कुल्हाड़ी चलती कि अमृता देवी ने अपनी गर्दन अड़ा दी। इसी तरह खेजलड़ी के पेड़ों को बचाते हुए एक दो चार नहीं 363 विश्नोईयों ने अपना बलिदान दे दिया। ऐसा वीभत्स मंजर जोधपुर के खेजलड़ी गांव हुआ। 1730 भादों मास की दशमी तिथि को 363 विश्नोईयों ने पेड़ों की रक्षा करते आत्मोसर्ग कर दिया। धरती, पेड़ और जीवन के अटूट संबंध को अमर कर दिया। जिनकी स्मृति में शोक, श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हर बरस खेजलड़ी में मेला आयोजित होता है। मेला में महिलाएं अपनी पारंपरिक वेशभूषा में आभूषणों से सुसज्जित होकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती हैं।

खेजलड़ी की लोमहर्षक घटना स्थानीय प्रतिरोध नहीं रही बल्कि यह बलिदान आगे चलकर एक आंदोलन बन गया। पेड़ों को बचाने चिपको आंदोलनों से जंगल बचाने का लोक आंदोलन बन चुका है।

राजस्थान की शुष्क धरती पर खेजड़ली का नाम केवल एक गांव नहीं, बल्कि पर्यावरण-चेतना, आस्था और साहस की अमर स्मृति है। यह घटना इतिहास में एक ऐसी शहादत के रूप में दर्ज वह स्थल है, जहाँ खेजड़ी के पेड़ों को बचाने के लिए बिश्नोई समाज के 363 स्त्री-पुरुषों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था जिन्होंने मनुष्य और प्रकृति के संबंध को नई गरिमा दी।

खेजड़ली बलिदान की पृष्ठभूमि में देखें।

सन् 1730 में मारवाड़ क्षेत्र में खेजड़ी के पेड़ों को काटे जाने का आदेश राजा ने दिया। पेड़

की रक्षा करते अमृता देवी ने बलिदान दिया। पेड़ों को बचाते विश्नोई समाज 363 स्त्री-पुरुष पेड़ों से लिपट गये मगर पेड़ कटने नहीं दिया। उनके लिए पेड़ केवल लकड़ी नहीं उनके जीवन और आस्था की मिसाल थे और उसके लिए अपने प्राण दे दिए। यह घटना केवल भावुक विरोध नहीं थी, बल्कि उस जीवन-दृष्टि का परिणाम थी, जिसमें वृक्षों और जीव-जंतुओं की रक्षा को धर्म का अंग माना गया था।

विश्नोई समाज की यह परंपरा गुरु जम्भेश्वर की शिक्षाओं से जुड़ी मानी जाती है, जिसमें प्रकृति के प्रति करुणा, संयम और संरक्षण को विशेष महत्व दिया गया।

खेजलड़ी गांव के बलिदानियों यह सिद्ध कर दिखाया कि यदि पेड़ बचाने के लिए अपना सिर देना पड़े, तो वह भी स्वीकार है, लेकिन वृक्षों का कटना नहीं। यही कारण है कि खेजड़ली की घटना पर्यावरण आंदोलन की प्रारंभिक और सबसे सशक्त मिसालों में गिनी जाती है।

उनका यह बलिदान एक पूरी संस्कृति की जीवन्त चेतना थी। जो यह बताता है कि जब आस्था जीवन के साथ जुड़ जाती है, तो वह संरक्षण का सबसे मजबूत आधार बन सकती है।

बलिदानियों की स्मृति में संकल्प लेने खेजड़ली में हर वर्ष मेला आयोजित होता है। यह मेला श्रद्धा, शोक और संकल्प का संगम है। मेरे में विश्नोई समाज अपने सपूतों को नमन करता है। मेला में सामूहिक रूप से यज्ञ होता है और वृक्षों तथा वन्यजीवों की रक्षा का संकल्प दोहराया जाता है।

खेजलड़ी मेले की विशेषता यह है कि यह केवल अतीत का स्मरण नहीं कराता, बल्कि वर्तमान को भी दिशा देता है। जहां पर्यावरण रक्षा एक नैतिक कर्तव्य के रूप में सामने आती है। महिलाओं की पारंपरिक वेशभूषा, सामूहिक उपस्थिति और श्रद्धा से भरा वातावरण इस आयोजन को और भी अर्थपूर्ण बनाता है।यह मेला स्मृति, संस्कृति, और पहचान का उत्सव बन गया है जहां पेड़ जीवन से अधिक मूल्यवान हैं।

बोध कथा

कोयला और चंदन

हकीम लुकमान का पूरा जीवन जरूरतमंदों की सहायता के लिए समर्पित था। जब उनका अंतिम समय नजदीक आया तो उन्होंने अपने बेटे को बुलाया और कहा- बेटा, मैंने अपना सारा जीवन दुनिया को शिक्षा देने में गुजार दिया। अब अपने अंतिम समय में मैं तुम्हें कुछ जरूरी बातें बताना चाहता हूं। तुम एक कोयला और चंदन का एक टुकड़ा उठा लाओ। बेटे को पहले तो यह अटपटा लगा लेकिन उसने सोचा कि जब पिता का हुक्म है तो यह सब लाना ही होगा। उसने रसोई घर से कोयले का एक टुकड़ा उठाया। संयोग से घर में चंदन की एक छोटी लकड़ी भी मिल गई। वह दोनों लेकर अपने पिता के पास गया।

लुकमान बोले- अब इन दोनों चीजों को नीचे फेंक दो। बेटे ने दोनों चीजें नीचे फेंक दी और हाथ धोने जाने लगा तो लुकमान बोले- ठहरो बेटा, जरा अपने हाथ तो दिखाओ। फिर वह उसका कोयले वाला हाथ पकड़कर बोले-बेटा, देखा तुमने। कोयला पकड़ते ही हाथ काला हो गया। लेकिन उसे फेंक देने के बाद भी तुम्हारे हाथ में कालिख लगी रह गई। गलत लोगों की संगति इसी तरह होती है। उनके साथ रहने पर भी दुख होता है और उनके न रहने पर भी जीवन भर के लिए बदनामी साथ लग जाती है।

कविता

जंगल-राग

अशोक शाह

खड़े होकर जंगल के दिल में
एक बार फिर से देखा
संयम और अनुशासन से
मस्ती में जंगल होते देखा

शाखा -प्रशाखा स्तंभ छतनार
पीलु पल्लव पिंजुल प्रबाल
कोंपल कुसुम कली कंट पराग
फल देखा छिलका और नाल

धूनी रमाए, वर्षों एकान्त
देखे तरुवर लता निहाल
धूसर धूमिल सिन्दूरी भूरे
लाल धवल आबनूसी पीले
पियरा, कंजइ, श्याम, रूपहला
देखा द्रुम हरा चितकबरा

जितना जहाँ पर होता जल
कहीं मिश्रित कहीं पतझड़ वन
मध्यवन में सरई की रियासत
शुद्ध साल की भली सजावट

बढ़ा सागोन दक्षिण से आया
दोमट लाल मिट्टी को भाया
कान्हा किसली घास मैदान
अंजन को भाया ग्रीष्म का ताप

वन का होता अपना जीवट
कभी हँसता कभी रोता जीवन
ज्यों-ज्यों बढ़ता भू तापमान
जडं थिरकतीं अँखुवाते पात
लाल कोंपल करते शुरुआत
दुश ?मन कीड़ों को दिखे न पात
खिलता पुहुप मही पर छाता
विहग-वृन्द का बजता बाजा

फूलते-फलते वसन्त-ग्रीष्मान्त
आकलन कर प्रथम बूँदपात
बिखरता बीज चहुँ ओर तमाम
पत्ते हो उठते हरे नीलाभ

हर वृक्ष की अपनी छाल निराली
मोटी-पतली रेशम दिलवाली
यौवन से चमकती गठीली छाल
कभी डोकरी-सी झूलती खाल
वन पुष्पों का अनन्य संसार
इतना कमनीय कहाँ रंग विस्तार
समस्त अरण्य सुरम्य सजावट
कहाँ होती किसी दु:ख की आहट

व्यंग्य केसरी

आलराउंडर मंत्री जी !

शिखर चंद जैन

मेरे मोहल्ले के टेकचंद जी पिछले चुनाव में पूरे एक सौ पिछत्तीस वोटों से जीतकर दिल्ली पहुंच गए। शुरू से ही वे आल इंडिया बवाल पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। अपने राजनीतिक कैरियर की शुरूआत उन्होंने अपनी पार्टी के पोस्ट फेसबुक पर चिपका कर की थी। धीरे-धीरे उन्हें पार्टी ऑफिस में मुफ्त में चाय और बिस्कुट मिलने लगे थे। फिर मोहल्ला कमिटी के अध्यक्ष बनते हुए उन्होंने धीरे-धीरे प्रमोशन प्राप्त कर लिया। आज वे मंत्री बन गए हैं।

वैसे शिक्षा-दीक्षा मे कोई कमी उनके माता-पिता ने नहीं रखी। सातवीं तक वे लगातार 'पास' हो गए। आलाकमान ने भी उन्हें राजी-खुशी मंत्री नहीं बनाया था। वे गुटबाजी में माहिर थे। जब आलाकमान को लगा कि सरकार 'अब गिरी-तब गिरी' तो उन्होंने टेकचंद जी को मंत्री पद पर टेक दिया। सरकार भी टिक गई।

साल भर में उन्हें दर्जन भर मंत्रालयों का काम सौंपा गया। मंत्री जी आलराउंडर आदमी हैं।उनके मंत्री जीवन की कुछ यादगार घटनाएं जानकर आप 'वाह, वाह' कर ही उठेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री के रूप में - जब तक टेकचंद जी स्वास्थ्य मंत्री रहे, अस्पताल वालों को उन्होंने हड़काकर रखा। एक बार उन्होंने एक सरकारी अस्पताल के डाक्टरों को जमकर डांट पिलाई- बोले, 'आप लोगों का कोई काम ढंग का नहीं है। सब मरीजों की 'पोस्टमार्टम रिपोर्ट' उनके पास रखी होनी चाहिए। मैं देख रहा हूं कि यहां किसी मरीज की नहीं है।' उनके सचिव ने उन्हें बगल में जाकर समझया, 'सर, जिंदा मरीजों की पोस्टमार्टम नहीं मेडिकल रिपोर्ट लगी होनी चाहिए।' इसके अगले ही दिन उनका मंत्रालय भी बदल गया।

विद्युत मंत्री के रूप में - एक जगह ताप बिजली उत्पादक संयंत्र लगाने की बातचीत चल रही थी। मीटिंग में मंत्री जी भी बैठे थे। संयंत्र दिल्ली से जरा दूर कहीं लगने की वार्ता चल रही थी। मंत्री ने राय दी, 'दिल्ली से इतनी दूर संयंत्र लगाने का क्या तुक है? वहां से तो बिजली को आने में कम-से-कम चार घंटे लग जाएंगे।' अफसरों ने समझाया, 'सर, बिजली तो मात्र चार सेकेंड में आ सकती है।' इस पर मंत्रीजी बोले, 'फिर दो संयंत्र लगवा देते हैं जिससे दो सेकेंड में ही बिजली पहुंच जाए।'

दूरसंचार मंत्री के रूप में - मंत्री जी को शुरू से ही 'ए' फिल्में देखने का शौक रहा है। अत: दूरसंचार मंत्री बनते ही उन्होंने 'ए' (व्यस्क) फिल्में टीवी पर दोपहर में दिखाने का आदेश जारी कर दिया। उनका तर्क था कि 'ए' फिल्मों के लिए इससे अच्छा कोई समय हो ही नहीं सकता। क्योंकि सभी बच्चे दोपहर को स्कूल चले जाते हैं।

रेलमंत्री के रूप में - रेलमंत्री के रूप में मंत्रीजी को हमारा यानी उनका भूतपूर्व मुहल्ला बहुत याद आया। उनका कहना था कि मोहल्ले के पंद्रह सौ लोगों को रेलवे स्टेशन तक आने में रोजाना ढाई रूपए खर्च करने पड़ते हैं। सो हर मोहल्ले में मुख्य स्टेशन से मोहल्ले तक लोकल ट्रेनें चलाई जानी चाहिए। जिससे 'जाम' की समस्या भी खत्म हो जाए।

मंत्री जी का दुर्भाग्य था कि उनकी प्रतिभा को किसी ने गंभीरता से नहीं लिया। मंत्रालय में घुसते ही वे आदेश देते और लागू होने से पहले ही दूसरे मंत्रालय का कार्यभार देकर विदा कर दिए जाते। अपने मंत्री जी वैसे तो आलराउंडर हैं वे 'ठेला मंत्री' से लेकर 'कंप्यूटर मंत्री' तक का कार्यभार पूरी निष्ठा के साथ संभाल सकते हैं।

इतिहास

2 सितंबर का इतिहास देश और दुनिया की कई महत्वपूर्ण घटनाओं से जुड़ा है।

मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं (Major Events)1946: भारत में पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में [अंतिम सरकार (Interim Government)] की स्थापना हुई।

1945: द्वितीय विश्व युद्ध आधिकारिक तौर पर समाप्त हुआ, क्योंकि जापान ने अमरीकी युद्धपोत 'मिसूरी' पर आत्मसमर्पण के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। 1666: लंदन में भीषण आग लगी (Great Fire of London), जिसमें शहर का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया। 1752: ब्रिटेन और उसके उपनिवेशों ने जूलियन कैलेंडर की जगह [ग्रेगोरियन कैलेंडर] अपनाया, जिसके कारण 2 सितंबर के बाद सीधे 14 सितंबर आया और बीच के 11 दिन गायब हो गए।

जर्जर स्कूल भवनों का बीईओ और बीआरसी ने किया निरीक्षण

वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों से की चर्चा

विश्व केसरी

दुर्गूकोंदल। विकासखंड दुर्गूकोंदल में जर्जर एवं क्षतिग्रस्त स्कूल भवनों की स्थिति का जायजा लेने के लिए खंड शिक्षा अधिकारी विप्लव कुमार सिंह डे एवं खंड स्त्रोत समन्वयक लतीफ सोम ने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्राथमिक शाला सलिहापारा तरहूल, प्राथमिक शाला तरहूल तथा पोटाकेबिन हाईस्कूल आमागढ़ का दौरा कर विद्यालय भवनों की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सुरक्षा, शैक्षणिक व्यवस्था तथा भवन की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। जर्जर भवनों को लेकर संबंधित ग्रामों के सरपंचों एवं ग्रामीणों से चर्चा करते हुए विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने कहा कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और जर्जर भवनों में बच्चों की पढ़ाई को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शाला तरहूल में एकल शिक्षकीय व्यवस्था पाए जाने पर अधिकारियों ने संकुल प्राचार्य एवं संकुल समन्वयक को आवश्यक निर्देश दिए। विद्यालय में शैक्षणिक व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए संकुल स्तर से शिक्षक व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

अधिकारियों ने विद्यालयों में शैक्षणिक अभिलेखों एवं आवश्यक दस्तावेजों का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कुछ विद्यालयों में पाठ्यपुस्तक पंजी एवं शिक्षक डायरी में कमी पाए जाने पर संबंधित शिक्षकों को तत्काल आवश्यक प्रविष्टियां पूर्ण करने तथा अभिलेखों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए।

बीईओ एवं बीआरसी ने शिक्षकों से कहा कि विद्यालयों में नियमित रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कार्य सुनिश्चित किया जाए तथा विद्यार्थियों की शैक्षणिक आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं अभिलेखों को अद्यतन रखने के निर्देश भी दिए गए।

अधिकारियों के निरीक्षण से ग्रामीणों को उम्मीद जगी है कि जर्जर स्कूल भवनों के कारण विद्यार्थियों को हो रही परेशानी का जल्द समाधान होगा। ग्रामीणों के साथ चर्चा कर वैकल्पिक व्यवस्था पर विचार किए जाने से बच्चों की पढ़ाई निरंतर जारी रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संबंधित विद्यालयों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात कही।

महिला मोर्चा ने दोबारा लगाया बधाई पोस्टर

गायब हुए पोस्टर का अब तक नहीं मिला सुराग

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। भाजपा महिला मोर्चा मंडल अंतागढ़ द्वारा रक्षाबंधन, तीजा एवं पोला पर्व की शुभकामनाओं को लेकर राजीव गांधी चौक, नयापारा में लगाया गया बधाई पोस्टर गायब होने का मामला अब नया मोड़ लेता नजर आ रहा है। पोस्टर गायब होने के बाद महिला मोर्चा ने उसी स्थान पर पुन: नया बधाई पोस्टर लगा दिया है, लेकिन पहले पोस्टर को आखिर किसने हटाया और क्यों हटाया, इसका रहस्य अब तक बरकरार है। बताया जाता है कि महिला मोर्चा द्वारा 27 अगस्त की शाम करीब 5 बजे राजीव गांधी चौक नयापारा में पर्व की शुभकामनाओं से संबंधित फ्लेक्स लगाया गया था। रात करीब 11 बजे यह पोस्टर मौके से गायब हो गया। घटना के बाद संगठन के स्तर पर नाराजगी सामने आई और अज्ञात लोगों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराने की तैयारी की गई थी।

शिकायत से पहले ही बदल गई कहानी?

मामले में नया मोड़ तब आया जब सूत्रों के हवाले से यह चर्चा सामने आई कि पोस्टर हटाने की घटना में पार्टी से जुड़े ही कुछ कथित लोगों की भूमिका हो सकती है। हालांकि इस बात की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और किसी व्यक्ति का नाम भी सामने नहीं आया है। इसी बीच यह भी चर्चा है कि यदि घटना में पार्टी के ही किसी व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो इससे संगठन की छवि प्रभावित हो सकती है। ऐसे में फिलहाल थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराने की बात सामने आ रही है। हालांकि पार्टी संगठन की ओर से इस संबंध में अब तक कोई स्पष्ट आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सीसीटीवी फुटेज से खुल सकता है राज

पोस्टर लगाए जाने और उसके बाद गायब होने के बीच की गतिविधियां आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद होने की बात कही जा रही है। यदि फुटेज की जांच गंभीरता से की जाती है तो पोस्टर हटाने वाले लोगों की पहचान संभव हो सकती है और पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकती है। अब सवाल यह भी उठ रहा है कि यदि पोस्टर वास्तव में अज्ञात लोगों ने हटाया था तो शिकायत दर्ज कराने से पहले ऐसी कौन-सी जानकारी सामने आई, जिसके बाद मामला पुलिस तक ले जाने से रोक दिया गया?

पार्टी की किरकिरी रोकने की कोशिश या मामला दबाने की कवायद?

घटना को लेकर राजनीतिक और संगठनात्मक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। कुछ लोगों का मानना है कि यदि पार्टी के भीतर से ही किसी की भूमिका सामने आती है तो सार्वजनिक रूप से मामला उठने से संगठन की छवि पर असर पड़ सकता है। वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी उठ रहा है कि किसी भी घटना की वास्तविकता सामने लाने के लिए निष्पक्ष जांच जरूरी है।

फुलपाड़ सहित तीन गांवों में लगा विशेष स्वास्थ्य शिविर, 84 मरीजों की हुई जांच और उपचार

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। विकासखंड अंतागढ़ में मौसमी एवं अन्य सामान्य बीमारियों की रोकथाम तथा ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। 31 अगस्त 2026 को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कांकेर डॉ. आर.सी. ठाकुर के निर्देशन एवं खंड चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अंतागढ़ डॉ. बी.के. रामटेके के मार्गदर्शन में उप स्वास्थ्य केंद्र फुलपाड़ के आश्रित ग्राम फुलपाड़, बैहासाल्हेभाट एवं बड़ेजैतपुरी में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर के दौरान ग्रामीणों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई तथा मौसमी बीमारियों के साथ-साथ मलेरिया, बुखार, सर्दी-खांसी, ब्लड प्रेशर, शुगर सहित अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कर आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी गई। तीनों गांवों में आयोजित शिविर में कुल 84 मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा शिविर के बाद गांवों में घर-घर भ्रमण कर ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जानकारी ली गई तथा बीमारी के लक्षण होने पर समय पर जांच एवं उपचार कराने के लिए जागरूक किया गया। ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी देते हुए आपातकालीन स्थिति में तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ताड़ोकी को सूचित करने की सलाह दी गई।

स्वास्थ्य शिविर के सफल आयोजन में शबाना खान, ग्रामीण चिकित्सा सहायक; जितेंद्र कुमार भुवार्य, सेक्टर सुपरवाइजर; अरुण कुमार पोया; भारत मरकाम; मेंहरू नुरेटी; मनोज कुमार वैद्य, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक तथा लक्ष्मी नायक, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी का सराहनीय योगदान रहा।

छुरा नगर में सर्पदंश जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। वर्षा ऋतु में सर्पदंश की बढ़ती संभावना को देखते हुए आमजन को सर्पदंश से बचाव, जहरीले सांपों की पहचान तथा सर्पदंश की स्थिति में तत्काल किए जाने वाले उपायों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बीते सोमवार को प्रात: 11 बजे नगर पंचायत छुरा के सभाकक्ष में सर्पदंश जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छुरा के बीएमओ डॉ. राहुल नेताम द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से किया गया।

कार्यक्रम में नागरिकों को सर्पदंश से संबंधित महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारी देते हुए जहरीले एवं गैर-जहरीले सांपों की पहचान, सर्पदंश के प्रमुख लक्षण, एंटी-वेनम इंजेक्शन, सांप के काटने पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए तथा समय पर उपचार के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। डॉ. राहुल नेताम ने लोगों से अपील की कि सर्पदंश की घटना में घबराने के बजाय पीड़ित को शांत रखते हुए बिना समय गंवाए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचाएं।

डॉ. नेताम ने जानकारी देते हुए बताया कि देश में सांपों की करीब 3 हजार प्रजातियां पाई जाती हैं, जबकि छत्तीसगढ़ में लगभग 32 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती हैं। इन्हें मुख्य रूप से जहरीले, कम जहरीले तथा गैर-जहरीले सांपों की श्रेणियों में समझा जा सकता है। उन्होंने चिकित्सकीय दृष्टि से गंभीर विषैले सांपों में करैत, कॉमन करैत, कोबरा और किंग कोबरा को प्रमुख बताया।

उन्होंने बताया कि सांपों की पहचान करते समय केवल उनके रंग को देखकर निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। सांप के शरीर का आकार, आंखों की बनावट, सिर की आकृति, शरीर पर बनी धारियां तथा अन्य शारीरिक विशेषताओं के आधार पर प्रशिक्षित व्यक्ति सांप की पहचान कर सकता है। उन्होंने नागरिकों को बिना विशेषज्ञ जानकारी के किसी भी सांप को पकड़ने या उसके पास जाने से बचने की सलाह दी।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ में पाए जाने वाले विभिन्न प्रमुख सांपों के बारे में भी जानकारी दी गई। इनमें भारतीय नाग (कोबरा), किंग कोबरा (नागराज), कॉमन करैत, बैंडेड करैत (पट्टीदार करैत), रसेल वाइपर (घोणस), सॉ-स्केल्ड वाइपर (फुरसा), चेकर्ड कीलबैक (पानी का सांप), इंडियन रैट स्नेक (धामन), कॉमन वुल्फ स्नेक, कॉमन कैट स्नेक, ग्रीन वाइन स्नेक (हरा बेल सांप) और कॉमन सैंड बोआ (दोमुंहा सांप) सहित विभिन्न प्रजातियों की जानकारी दी गई।

एंटी-वेनम और तत्काल उपचार की दी जानकारी

डॉ. नेताम ने एंटी-स्नेक वेनम (ASV/एंटी-वेनम) के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विषैले सांप के काटने पर समय पर अस्पताल पहुंचना अत्यंत महत्वपूर्ण है। सर्पदंश के बाद मरीज को अनावश्यक रूप से चलाने-फिराने के बजाय शांत रखते हुए शीघ्र स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल पहुंचाना चाहिए, जहां चिकित्सक मरीज की स्थिति के अनुसार आवश्यक उपचार एवं एंटी-वेनम देने का निर्णय लेते हैं।

जिले को 30 नवीन धान उपार्जन केंद्रों की सौगात

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। राज्य शासन द्वारा कृषकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बड़ा निर्णय लिया गया है। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 एवं आगामी वर्षों के लिए प्रदेश में नवीन धान उपार्जन केंद्र खोले जाने की अनुमति प्रदान की गई है। इसी कड़ी में जिला बेमेतरा में 30 नवीन धान उपार्जन केंद्र खोले जाने की स्वीकृति मिली है।

स्वीकृत नवीन केंद्रों में पिपरिया, कंदई, सांकरा, भाठासौरही, गांगपुर, लालपुर, बटार, पडकीडीह, करचुवा, मजगांवा, मेहना, कुंवा, चिचोली, एरमशाही, तेंदुआ और झिलगा शामिल हैं। इसी प्रकार भरदालोधी, हथमुड़ी, चीचगांव, पुटपुरा, बिलई, ठेंगाभाठ, बाघुल, बिरसिंघी, नांदल, गाड़ामर, तोरा, तिवरैया, बहिंगा, ग्राम रेवे शामिल है। नवीन केंद्र खुलने से क्षेत्र के किसानों में हर्ष व्याप्त है। अब तक किसानों को धान विक्रय के लिए दूर स्थित उपार्जन केंद्रों तक जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती थी। पास के गांव में ही केंद्र खुल जाने से किसानों को आवागमन की असुविधा से निजात मिलेगी तथा समय, श्रम और परिवहन खर्च में बड़ी बचत होगी। किसान अब सुविधापूर्वक अपने नजदीकी केंद्र में अपनी मेहनत की उपज धान का विक्रय कर सकेंगे।

सूखा पेड़ हादसे को दे रहा न्योता

जिम्मेदार विभाग से तत्काल हटाने की मांग

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। नगर के राजीव गांधी चौक स्थित महावीर टाटिया वस्त्रालय के सामने एक बड़ा पेड़ पूरी तरह सूख चुका है। पेड़ की स्थिति ऐसी है कि कभी भी टूटकर मुख्य सड़क पर गिर सकता है। ऐसे में यह पेड़ राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। राजीव गांधी चौक अंतागढ़ का प्रमुख एवं हमेशा चहल-पहल वाला क्षेत्र है। इसके आसपास कपड़ा दुकानों के साथ किराना दुकानें, होटल सहित कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हैं, जहां दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे व्यस्त इलाके में सड़क किनारे खड़ा यह सूखा और कमजोर पेड़ कभी भी तेज हवा या बारिश के दौरान गिर सकता है, जिससे बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पेड़ की स्थिति को देखते हुए किसी अप्रिय घटना का इंतजार करने के बजाय संबंधित विभाग को तत्काल संज्ञान लेना चाहिए। लोगों ने प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर सूखे पेड़ को सुरक्षित तरीके से हटाया जाए, ताकि राहगीरों, दुकानदारों एवं वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया और पेड़ गिरने से कोई गंभीर हादसा हुआ, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

कलेक्टर कुंदन कुमार से सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य भेंट

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। कलेक्टर कुंदन कुमार से सर्व आदिवासी समाज कांकेर के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान जिले के खनिज प्रभावित ग्रामों से जुड़े विषयों के साथ आदिवासी समाज की परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत एवं शिक्षा से संबंधित विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्थाओं और धार्मिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में गायता-पुजारियों की महत्वपूर्ण भूमिका के संबंध में कलेक्टर को अवगत कराया गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक एवं धार्मिक परंपराओं के निर्वहन में गायता-पुजारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। उनकी इस परंपरागत भूमिका को देखते हुए समाज में उन्हें उचित मान-सम्मान एवं पहचान मिलना आवश्यक है। कलेक्टर कुंदन कुमार ने भी स्थानीय परंपराओं के संरक्षण तथा गायता-पुजारियों के सम्मान के महत्व पर प्रतिनिधिमंडल से चर्चा की। इस दौरान सर्व आदिवासी समाज द्वारा संचालित दो गोंडी विद्यालयों के संबंध में भी चर्चा हुई, इनमें वल्लेकनार (सेमर गांव) एवं सोड़े स्थित विद्यालय शामिल हैं। दोनों विद्यालयों में लगभग 90 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। प्रतिनिधिमंडल ने विद्यालयों की वर्तमान व्यवस्थाओं एवं आवश्यक सहयोग से संबंधित विषयों की जानकारी कलेक्टर को दी। कलेक्टर कुंदन कुमार ने विद्यालयों का दौरा कर व्यवस्थाओं का अवलोकन करने तथा नियमानुसार आवश्यक सहयोग की संभावनाओं पर विचार करने की बात कही।

तबादले के आदेश से मचा हड़कंप! भौतिकी के एकमात्र व्याख्याता को हटाया तो 11वीं-12वीं की पढ़ाई पर संकट

विश्व केसरी

गरियाबंद। जिले के शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय पिपरछेड़ी कला में पदस्थ भौतिक शास्त्र के व्याख्याता ओमप्रकाश वर्मा के स्थानांतरण आदेश को लेकर अब ग्रामीणों और पालकों में नाराजगी सामने आने लगी है। स्कूल प्रबंधन, पालकगण एवं ग्रामवासियों ने कलेक्टर तथा जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदन सौंपकर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था करने अथवा स्थानांतरण आदेश निरस्त करने की मांग की है। मामला सामने आने के बाद विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था और खासकर कक्षा 11वीं एवं 12वीं के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

भौतिकी के शिक्षक ही नहीं, तो कैसे होगी पढ़ाई?

पालकों द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि विद्यालय में कक्षा 11वीं एवं 12वीं में विज्ञान संकाय संचालित है और बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। भौतिकी मुख्य विषय होने के बावजूद वर्तमान में विद्यालय में इसके लिए कोई अन्य व्याख्याता पदस्थ नहीं है। ऐसे में ओमप्रकाश वर्मा के स्थानांतरण के बाद विद्यार्थियों की पढ़ाई सीधे तौर पर प्रभावित होने की आशंका जताई गई है।

पालकों का कहना है कि आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिहाज से 11वीं-12वीं के विद्यार्थियों के लिए विषय विशेषज्ञ शिक्षक की नियमित उपलब्धता बेहद जरूरी है। यदि शिक्षक के स्थानांतरण के बाद तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई तो विद्यार्थियों को पूरे सत्र में परेशानी उठानी पड़ सकती है।

शिक्षक के कार्यकाल में स्कूल में हुआ सुधार, अब तबादले से पालक चिंतित

ग्राम पंचायत एवं पालकगण की ओर से दिए गए दूसरे आवेदन में कहा गया है कि संबंधित व्याख्याता कई वर्षों से विद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके कार्यकाल में विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ तथा विद्यार्थियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। ग्रामीणों का दावा है कि शिक्षक के जाने से विद्यालय की वर्तमान शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है।

पालकों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि जनहित और विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए स्थानांतरण आदेश पर पुनर्विचार किया जाए।

20 अगस्त के आदेश में बदली पदस्थापना

दस्तावेज के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 20 अगस्त 2026 को जारी आदेश में ओमप्रकाश वर्मा, व्याख्याता (भौतिकी), शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय पिपरछेड़ी कला, जिला गरियाबंद की नवीन पदस्थापना सहायक कार्यक्रम समन्वयक, कार्यालय राज्य परियोजना समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ रायपुर के पद पर की गई है।

गौरतलब है कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अगस्त 2026 में बड़े पैमाने पर स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं। विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर भी स्थानांतरण एवं पदस्थापना से संबंधित आदेश लगातार प्रकाशित किए गए हैं।

पालकों की दो टूक—पहले वैकल्पिक शिक्षक दें, फिर करें तबादला

पालकों का कहना है कि उन्हें किसी कर्मचारी के स्थानांतरण पर आपत्ति नहीं है, लेकिन विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित नहीं होनी चाहिए। यदि भौतिकी के व्याख्याता को स्थानांतरित किया जाता है तो उनके स्थान पर तत्काल दूसरे विषय विशेषज्ञ की पदस्थापना की जाए।

साजा में जल संरक्षण के लिए युद्धस्तर पर कार्य जारी, 10 हजार ट्रेंचेज का लक्ष्य

विश्व केसरी

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। बेमेतरा ,01 सितंबर 2026/ जनपद पंचायत साजा अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित भारत जी राम जी (VB-G RAM-G) योजनांतर्गत विविध कार्य कराए जा रहे हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी साजा सोमनाथ साहू ने बताया कि कलेक्टर बेमेतरा प्रतिष्ठा ममगई एवं जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पद्माकर के निर्देशानुसार वर्तमान बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता से कराया जा रहा है।

इसके तहत जनपद में सोख्ता पिट, सैंड फिल्टर, पौधरोपण, वाटर हार्वेस्टिंग एवं सतत जल संरक्षण संरचना (SCT) जैसे निर्माण कार्य लगातार कराए जा रहे हैं, जिससे वर्षा जल का संचयन और भू-जल स्तर में वृद्धि होगी। कार्यक्रम अधिकारी अरविंद कश्यप ने बताया कि विकासखंड में 'लगभग 10 हजार ट्रेंचेज' निर्माण का लक्ष्य रखते हुए स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसका कार्य प्रगति पर है। इन कार्यों से जहां श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है, वहीं वर्षा जल को भू-जल तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। कार्यों का जिला एवं जनपद स्तर से सतत निरीक्षण भी किया जा रहा है।

सभी सरपंच/सचिव, तकनीकी अमला एवं रोजगार सहायकों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा व्यक्तिगत घरों में भी जनसहभागिता से सोख्ता गड्ढे निर्माण हेतु आमजनों से अपील की जा रही है।

त्योहारी सीजन से पहले ऑटो बाजार में तेजी अगस्त में कार बिक्री में जोरदार उछाल

मारुति सुजुकी की बिक्री 21.3% बढ़ी, महिंद्रा 42%, टाटा 56% और हुंडई 8.8% ऊपर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत के ऑटोमोबाइल बाजार में त्योहारी सीजन से पहले मांग मजबूत बनी हुई है। मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय वाहन निर्माताओं की डीलरों को बिक्री अगस्त में पिछले साल के मुकाबले उल्लेखनीय रूप से बढ़ी। हालांकि, सालाना आधार पर इस तेज वृद्धि की एक वजह यह भी रही कि अगस्त 2025 में कर कटौती लागू होने से पहले खरीदारों ने अपनी खरीद कुछ समय के लिए टाल दी थी।

देश की सबसे बड़ी वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अगस्त में कुल 2,19,220 वाहन बेचे, जो पिछले वर्ष के इसी महीने के मुकाबले 21.3 प्रतिशत अधिक है। हालांकि जुलाई की तुलना में कंपनी की बिक्री 9.2 प्रतिशत घटी। कंपनी ने क्रमिक गिरावट के लिए अगस्त में कामकाजी दिनों की कम संख्या को जिम्मेदार बताया। अन्य प्रमुख वाहन कंपनियों ने भी सालाना आधार पर मजबूत प्रदर्शन किया। महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिक्री 42 प्रतिशत, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की 56 प्रतिशत और हुंडई मोटर इंडिया की 8.8 प्रतिशत बढ़ी।

बाजार में यह तेजी ऐसे समय में आई है जब देश में त्योहारी खरीदारी का मौसम शुरू होने वाला है। वाहन कंपनियां इस दौरान मजबूत मांग की उम्मीद कर रही हैं। कर कटौती के बाद बनी अनुकूल खरीदारी धारणा और त्योहारी सीजन से बाजार को अतिरिक्त गति मिलने की संभावना है।

विश्लेषकों के लिए अगस्त के आंकड़े खास तौर पर महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि पिछले साल कर कटौती से पहले खरीदारी स्थगित रहने के कारण अगस्त 2025 का आधार अपेक्षाकृत कमजोर था। ऐसे में इस साल की सालाना वृद्धि को उसी संदर्भ में देखा जाना जरूरी है।

फिर भी, प्रमुख कंपनियों में दोहरे अंकों की वृद्धि यह संकेत देती है कि भारतीय उपभोक्ताओं की वाहन खरीदने की इच्छा फिलहाल मजबूत बनी हुई है और त्योहारी सीजन में ऑटो बाजार की रफ्तार और बढ़ सकती है।

भारतीय शेयर बाजार सपाट बंद, आईटी शेयरों में खरीदारी

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में करीब सपाट बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 12.99 अंक या 0.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,944.28 और निफ्टी 24.60 अंक या 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,055.80 पर था।

सत्र के दौरान बाजार की तेजी को सहारा आईटी और एफएमसीजी स्टॉक्स ने दिया। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 0.98 प्रतिशत और निफ्टी एफएमसीजी 0.94 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर्स थे। निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.35 प्रतिशत, निफ्टी इन्फ्रा 0.33 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 0.26 प्रतिशत और निफ्टी कमोडिटीज 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

दूसरी तरफ निफ्टी हेल्थकेयर 1.60 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा 1.45 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 1.42 प्रतिशत, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.40 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 1.22 प्रतिशत और निफ्टी पीएसयू बैंक 1.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में बड़ी बिकवाली देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 890.25 अंक या 1.39 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63,334.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 45.40 अंक या 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,886.25 पर था।

सेंसेक्स पैक में आईटीसी, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, टीसीएस और इटरनल गेनर्स थे। मारुति सुजुकी, एसबीआई, इंडिगो, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, टाइटन, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एलएंडटी, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और बीईएल लूजर्स थे। बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजार अब बढ़ती ग्लोबल अनिश्चितताओं के बीच भारत की मजबूत ग्रोथ की रफ्तार को संतुलित कर रहे हैं। उम्मीद से बेहतर जीडीपी ग्रोथ घरेलू मांग और व्यापक अर्थव्यवस्था की मजबूती को दिखाती है।

भारत का जीएसटी संग्रह अगस्त में 14.8 प्रतिशत बढ़कर करीब 2 लाख करोड़ रुपए रहा

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत का सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अगस्त 2026 में सालाना आधार पर 14.8 प्रतिशत बढ़कर 1,99,853 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 1,74,116 करोड़ रुपए था। यह जानकारी मंगलवार को जारी किए गए सरकारी डेटा में दी गई।

हालांकि, मासिक आधार पर इसमें गिरावट देखने को मिली है। जुलाई 2026 में जीएसटी संग्रह 2.11 लाख करोड़ रुपए था।

आंकड़ों के मुताबिक, संग्रह में वृद्धि की मुख्य वजह आयातित वस्तुओं और सेवाओं से जीएसटी राजस्व में इजाफा होना है, जो कि अगस्त में सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 62,604 करोड़ रुपए हो गया है।

घरेलू वस्तुओं और सेवाओं से जीएसटी आय अगस्त में सालाना आधार पर 9.3 प्रतिशत बढ़कर 1,37,249 करोड़ रुपए हो गई है।

अगस्त 2026 में रिफंड में भी तेज इजाफा देखने को मिली है और यह सालाना आधार पर 67.9 प्रतिशत बढ़कर 31,795 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल 18,935 करोड़ रुपए था।

बीते महीने नेट जीएसटी (रिफंड को हटाकर) 1,68,057 करोड़ रुपए रहा है, जो कि अगस्त 2025 में 1,55,181 करोड़ रुपए था। यह संग्रह में सालाना आधार पर 8.3 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है।

नेट जीएसटी में, आयातित वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी में ज्यादा तेजी देखी गई और यह 22.3 प्रतिशत बढ़कर 49,299 करोड़ रुपए हो गया। नेट घरेलू जीएसटी संग्रह 3.4 प्रतिशत की धीमी रफ्तार से बढ़कर 1,18,759 करोड़ रुपए हो गया है।

इसके अतिरिक्त, जीएसटी काउंसिल सेक्रेटेरिएट के एक ऑफिस मेमोरेंडम के अनुसार, जीएसटी काउंसिल की 57वीं बैठक 12 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होनी है।

यह बैठक शनिवार, 12 सितंबर को सुबह 11:00 बजे शुरू होगी। काउंसिल के सेशन से पहले, 11 सितंबर को सुबह 11:00 बजे नई दिल्ली में अधिकारियों की बैठक होगी।

इस बैठक में जीएसटी रजिस्ट्रेशन रद्द करने की प्रक्रिया में ऑटोमेशन और अन्य बदलावों पर विचार किया जा सकता है।

सरकार ने व्यापारियों के लिए चीनी के स्टॉक की लिमिट को घटाकर 2,000 क्विंटल किया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में केंद्र सरकार ने जमाखोरी रोकने और बाजार में पर्याप्त मात्रा में चीनी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को व्यापारियों के लिए चीनी के स्टॉक की लिमिट को 4,000 क्विंटल से घटाकर 2,000 क्विंटल कर दिया। यह नई सीमा 15 सितंबर से 30 नवंबर तक के लिए लागू रहेगी।

मौजूदा समय में अभी, देश भर में चीनी व्यापारियों के लिए स्टॉक रखने की सीमा 4,000 क्विंटल है, जो 1 अगस्त, 2026 से लागू हुई थी। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार, सरकार ने अब स्टॉक रखने की सीमा को घटाकर 2,000 क्विंटल कर दिया है। नई समय-सीमा के तहत, कोई भी चीनी व्यापारी स्टॉक मिलने की तारीख से 30 दिनों से ज्यादा समय तक स्टॉक नहीं रखेगा और देश में किसी भी

जगह या किसी भी समय 2,000 क्विंटल से ज्यादा चीनी स्टॉक में नहीं रखेगा। हालांकि, इलाके की खास बाजार जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, कोलकाता और उसके आस-पास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों के लिए स्टॉक रखने की सीमा 4,000 क्विंटल ही रहेगी।

बयान में आगे कहा गया, 'इस कदम का मकसद जमाखोरी पर और रोक लगाना, सट्टेबाजी वाले व्यापार को हतोत्साहित करना और चीनी के स्टॉक को बहुत ज्यादा जमा होने से रोकना है। इससे सप्लाई चेन में चीनी की आवाजाही सुचारू रूप से हो सकेगी और उपभोक्ताओं को उचित कीमतों पर इसकी लगातार उपलब्धता सुनिश्चित होगी।'

बयान में यह भी कहा गया कि कोलकाता इलाका उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से चीनी मंगाता है और देश के पूर्वी हिस्से, जिसमें उत्तर-पूर्वी क्षेत्र भी शामिल है, में इसकी आपूर्ति करता है।

इस कारण कोलकाता और उसके आस-पास के मेट्रोपॉलिटन इलाकों के लिए 4,000 क्विंटल की मौजूदा सीमा को बरकरार रखा गया है। इसके अलावा, सरकार ने कहा कि उसने देश भर में चीनी मिलों, डीलरों और व्यापारियों के पास मौजूद चीनी के स्टॉक की सघन निगरानी और फिजिकल वेरिफिकेशन किया गया है। इससे चीनी स्टॉक को जरूरत से ज्यादा जमा करने, जानकारी न देने और चीनी स्टॉक की आवाजाही व बिक्री में गड़बड़ियों का पता लगाने में मदद मिली है।

भारत वैश्विक बदलावों के बीच भी अपनी ग्रोथ बनाए रखने में सक्षम : वित्त मंत्री सीतारमण

विश्व केसरी

एशविले। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत ने यह साबित कर दिया है कि वह अपनी ग्रोथ की रफ्तार को कम किए बिना ग्लोबल इकॉनमी में हो रहे बदलावों के हिसाब से खुद को ढाल सकता है। उन्होंने देश की आयातित ऊर्जा और फर्टिलाइजर पर निर्भरता को भी स्वीकार किया।

जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक के दौरान आईएएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में वित्त मंत्री ने भारत को चुनौतियों से निपटने में सक्षम अर्थव्यवस्था बताया।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के सबसे बड़े आयातकों में से एक है। भारत कुछ घरेलू उत्पादन क्षमता होने के बावजूद कई उर्वरकों और उनके कच्चे माल का भी आयात करता है।

वित्त मंत्री ने कहा, 'हम कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों के बड़े आयातकों में से एक हैं। हम विभिन्न प्रकार के उर्वरकों (यूरिया, अमोनिया, डीएपी) के बड़े आयातक हैं। देश के भीतर उत्पादन क्षमता है, लेकिन उसके बावजूद हम आयातक हैं।'

निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत के आर्थिक प्रदर्शन ने यह दिखाया है कि वह विदेशों में होने वाले घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देने और अपनी ग्रोथ की गति को बचाए रखने में सक्षम है। उन्होंने कहा, 'ये सभी एक जीवंत अर्थव्यवस्था के बहुत स्पष्ट संकेत हैं, एक ऐसी अर्थव्यवस्था जो वैश्विक स्तर पर बदलावों को स्वीकार करती है और खुद को इस तरह से ढालती है कि हमारी ग्रोथ प्रभावित न हो।'

निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक भी समय-समय पर अर्थव्यवस्था का अपना आकलन जारी करता है, जिसमें संकेतक सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हां, चुनौतियां हैं, और हम सरकार के तौर पर हर बार चुनौती आने पर भारत को फायदेमंद स्थिति में लाने के लिए काम करेंगे।'

भारत ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वित्त मंत्री ने कहा कि यह आंकड़ा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसे लगातार बाहरी दबावों के बीच हासिल किया गया है। उन्होंने कहा, 'इन वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, अगर भारतीय अर्थव्यवस्था अभी भी इस वित्त वर्ष 2026-2027 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, तो यह दिल को सुकून देने वाला है कि लोगों की मेहनत रंग ला रही है।'

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि यह विस्तार किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं था, बल्कि सभी क्षेत्रों में फैला हुआ था। जीडीपी हर क्षेत्र में बढ़ रही है। मैन्युफैक्चरिंग 9.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। वित्तीय क्षेत्र और पेशेवर सेवा क्षेत्र 12.1 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं।

वित्त मंत्री के अनुसार, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 700 अरब डॉलर पर है। उन्होंने कहा, 'ये कोई सामान्य आंकड़े नहीं हैं।' वित्त मंत्री सीतारमण ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारतीय नागरिकों, आर्थिक सुधारों और डिजिटल बुनियादी ढांचे के विस्तार को श्रेय दिया।

भारतीय रेलवे ने ट्रैक पर कवच सिस्टम की तैनाती के लिए 170 करोड़ रुपए मंजूर किए

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने कवच 4.0 सिस्टम की तैनाती के लिए 170 करोड़ रुपए को मंजूरी दी है। इसके तहत उत्तरी रेलवे के मुरादाबाद डिवीजन के 712 रूट किलोमीटर के बाकी बचे हिस्सों पर कचव सिस्टम लगाया जाएगा। यह जानकारी सरकार की ओर से मंगलवार को दी गई।

रेल मंत्रालय के बयान के अनुसार, मंजूर की गई राशि से स्वदेशी 'ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम' लगाकर डिवीजन के सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाएगा।

मंत्रालय ने कहा कि 'कवच 4.0' को लागू करने से चिन्हित सेक्शन में ट्रेन संचालन के लिए सुरक्षा की एक एडवांस्ड लेयर मिलेगी।

'कवच' देश में ही विकसित एक ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) सिस्टम

है, जिसे ऑपरेशनल सुरक्षा बढ़ाने के लिए बनाया गया है। यह 'सिग्नल पासिंग एट डेंजर' (एसपीएडी) को रोकने में मदद करता है, असुरक्षित स्थितियों से बचने के लिए जरूरत पड़ने पर अपने-आप ब्रेक लगाता है, मुश्किल हालात में ट्रेन की स्पीड को कंट्रोल करता है और ट्रेनों की टक्कर का खतरा काफी कम करता है।

बयान में कहा गया है, 'यह पहल भारतीय रेलवे की उस लगातार कोशिश का हिस्सा है जिसके तहत वह अपने नेटवर्क पर 'कवच' का दायरा बढ़ा रही है और रेलवे सिग्नलिंग व ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम को आधुनिक बना रही है।'

मंत्रालय ने जुलाई में बताया था कि भारतीय रेलवे में सुरक्षा में काफी सुधार हुआ है। ट्रेन दुर्घटनाओं की संख्या 2014-15 में 135 से घटकर 2025-26 में 16 रह गई है और चालू वर्ष में जून तक केवल दो दुर्घटनाएं हुई हैं।

'कॉन्सिक्वेंशियल एक्सीडेंट इंडेक्स' (यानी प्रति मिलियन ट्रेन-किलोमीटर होने वाली दुर्घटनाएं) 2014-15 में 0.11 से घटकर 2025-26 में 0.01 हो गया है, जो लगभग 91 प्रतिशत की कमी को दर्शाता है।

सुरक्षा से जुड़े कामों पर खर्च लगातार बढ़ा है; यह 2013-14 में 39,200 करोड़ रुपए से बढ़कर 2026-27 में 1,20,389 करोड़ रुपए हो गया है।

असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए अब तक 7.8 करोड़ लोगों ने दाखिल किया आईटीआर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने मंगलवार को कहा कि असेसमेंट ईयर (आकलन वर्ष) 2026-27 के लिए अब तक 7.8 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल किए जा चुके हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में आयकर विभाग ने कहा, 'आकलन वर्ष 2026-27 के लिए 31 अगस्त तक रिकॉर्ड 7.8 करोड़ से अधिक आईटीआर दाखिल किए गए।' बता दें कि 31 जुलाई की अंतिम तिथि मुख्य रूप से वेतनभोगी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उन व्यक्तियों के लिए थी, जिनकी आय वेतन, मकान, ब्याज या कैपिटल गेन जैसे स्रोतों से होती है। लेकिन जिन व्यक्तियों की आय व्यवसाय (बिजनेस) या

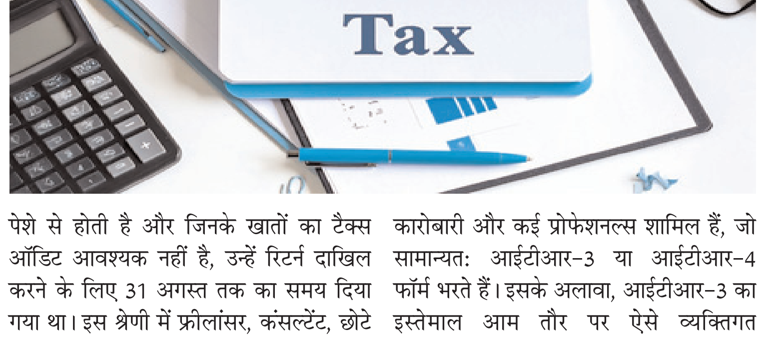

पेशे से होती है और जिनके खातों का टैक्स ऑडिट आवश्यक नहीं है, उन्हें रिटर्न दाखिल करने के लिए 31 अगस्त तक का समय दिया गया था। इस श्रेणी में फ्रीलांसर, कंसल्टेंट, छोटे कारोबारी और कई प्रोफेशनल्स शामिल हैं, जो सामान्यत: आईटीआर-3 या आईटीआर-4 फॉर्म भरते हैं। इसके अलावा, आईटीआर-3 का इस्तेमाल आम तौर पर ऐसे व्यक्तिगत करदाताओं और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) द्वारा किया जाता है, जिनकी आय व्यवसाय या पेशे से होती है और जो सरल आईटीआर फॉर्म दाखिल करने के पात्र नहीं हैं। वहीं, आईटीआर-4, जिसे सुगम के नाम से भी जाना जाता है, पात्र निवासी व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्मों के लिए है। इसमें एलएलपी को शामिल नहीं किया जाता। यह फॉर्म उन करदाताओं के लिए है जो अनुमानित कराधान योजना का विकल्प चुनते हैं। आईटीआर-5 फर्मों, एलएलपी, व्यक्तियों के संघों (एओपी) और कुछ अन्य संस्थाओं पर लागू होता है, जबकि आईटीआर-7 उन व्यक्तियों और संस्थानों द्वारा दाखिल किया जाता है, जिन्हें आयकर अधिनियम के कुछ विशेष प्रावधानों के तहत रिटर्न दाखिल करना होता है।

उबले काले चने हैं तो नाश्ते की टेंशन खत्म, 5 मिनट में तैयार करें ऐसी चटपटी चाट कि मजा आ जाए

वीकेंड पर अगर पोहा और पराठे से कुछ अलग खाने का मन है तो काले चने की चाट बनाएं. उबले चने, ताजी सब्जियां, मसाले और नींबू मिलाकर तैयार यह चटपटा नाश्ता स्वादिष्ट होने के साथ प्रोटीन और फाइबर से भरपूर विकल्प है.

वीकेंड की सुबह कुछ चटपटा और स्वादिष्ट खाने का मन करता है, लेकिन रोज-रोज पोहा, पराठा या पूरी देखकर नाश्ता थोड़ा बोरिंग भी लगने लगता है. ऐसे में काले चने की चाट एक ऐसा विकल्प है, जिसे बनाने में ज्यादा मेहनत नहीं लगती और स्वाद भी भरपूर मिलता है. काले चने में प्रोटीन और फाइबर पाए जाते हैं, जबकि प्याज, टमाटर, खीरा और नींबू इसे ताजगी और चटपटा स्वाद देते हैं. खास बात यह है कि इस चाट को आप अपनी पसंद के हिसाब से आसानी से बदल सकती हैं.

सुबह जल्दी हो तो इसे पहले से उबले चनों से कुछ ही मिनट में तैयार किया जा सकता है. ऊपर से चाट मसाला, भुना जीरा और नींबू डालते ही साधारण सामग्री का स्वाद काफी बढ़ जाता है. तो इस वीकेंड क्यों न नाश्ते में कुछ अलग बनाया जाए? आइए जानते हैं काले चने की चाट की आसान रेसिपी.

काले चने की चाट के लिए सामग्री

काले चने की चाट बनाने के लिए आपको 1 कप काले चने चाहिए, जिन्हें रातभर पानी में भिगोया गया हो. इसके अलावा 1 छोटा उबला आलू, 1 बारीक कटा प्याज, 1 बारीक कटा टमाटर, आधा कप बारीक कटा खीरा और 1 से 2 बारीक कटी हरी मिर्च लें. स्वाद बढ़ाने के लिए 2 बड़े चम्मच हरा धनिया, आधा छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला, आधा छोटा चम्मच काला नमक, जरूरत के अनुसार सादा नमक और 1 बड़ा चम्मच नींबू का रस लें. आखिर में ऊपर से थोड़ा नमकीन या भुजिया डाल सकती हैं.

ऐसे तैयार करें चटपटी काले चने की चाट

सबसे पहले चने उबालें

रातभर भिगोए हुए काले चनों को अच्छी तरह धोकर कुकर में डालें. इसमें करीब डेढ़ कप पानी और थोड़ा नमक डालकर मध्यम आंच पर 4 से 5 सीटी आने तक पकाएं. चने इतने नरम होने चाहिए कि आसानी से चबाए जा सकें. उबलने के बाद अतिरिक्त पानी निकालकर चनों को कुछ देर ठंडा होने दें.

सब्जियां और मसाले मिलाएं

अब एक बड़े बाउल में उबले हुए काले चने डालें. इसमें छोटे टुकड़ों में कटा उबला आलू, प्याज, टमाटर, खीरा और हरी मिर्च डालें. इसके बाद काला नमक, सादा नमक, भुना जीरा पाउडर और चाट मसाला डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिलाएं. अब ऊपर से ताजा नींबू का रस डालें. नींबू इस चाट में हल्की खटास लाता है और बाकी मसालों के स्वाद को भी उभार देता है. आखिर में बारीक कटा हरा धनिया डालें.

क्रंच के लिए डालें नमकीन

अगर आपको चाट में हल्का कुरकुरापन पसंद है तो सर्व करने से ठीक पहले ऊपर से थोड़ी नमकीन या भुजिया डालें. इससे चाट का स्वाद और टेक्सचर दोनों बेहतर हो जाते हैं. हालांकि, अगर आप इसे हल्का रखना चाहती हैं तो नमकीन छोड़ भी सकती हैं.

नाश्ते के लिए क्यों है अच्छा विकल्प?

सुबह के नाश्ते में ऐसी चीज बेहतर लगती है जो पेट को कुछ समय तक भरा रखने में मदद करे और खाने के बाद बहुत भारीपन भी महसूस न हो. काले चने प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत हैं।

पालथी मारकर बैठने या सीढ़ियां चढ़ने में होती है तकलीफ? ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से जानें जोड़ों की खराबी के 6 शुरुआती लक्षण

क्या आपको पालथी मारकर बैठने या सीढ़ियां चढ़ने में दर्द होता है? इसे सिर्फ थकान या बढ़ती उम्र का असर मानकर नज़रअंदाज़ न करें. यह जोड़ों के घिसने का शुरुआती संकेत हो सकता है. ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से जानें जोड़ों की खराबी के 6 बड़े लक्षण और समय रहते इनसे बचने के आसान व असरदार उपाय.

क्या आपको जमीन पर पालथी मारकर बैठने में परेशानी होने लगी है? सीढ़ियां चढ़ते या उतरते समय घुटनों में दर्द होता है? लंबे समय तक कुर्सी पर बैठने के बाद उठने में शरीर अकड़ जाता है या जूते के फीते बांधने के लिए नीचे झुकना मुश्किल लगता है? अगर इन रोजमर्रा के कामों में अचानक परेशानी महसूस होने लगी है, तो इसे सिर्फ उम्र बढ़ने, थकान या एक्सरसाइज की कमी समझकर नजरअंदाज न करें.

इन छोटी-छोटी परेशानियों को शरीर की ओर से मिलने वाला शुरुआती संकेत माना जा सकता है. इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, दिल्ली के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक कंसलटेंट डॉ. यश गुलाटी के अनुसार, पालथी मारकर बैठने, सीढ़ियां चढ़ने या शरीर को मोड़ने में परेशानी कई बार जोड़ों में होने वाले शुरुआती बदलावों की ओर इशारा कर सकती है. समय के साथ जोड़ों में घिसाव बढ़ने पर दर्द और अकड़न भी बढ़ सकती है.

40-50 की उम्र में भी बढ़ रही जोड़ों की समस्या-

आमतौर पर घुटनों और दूसरे जोड़ों की समस्या को उम्र बढ़ने से जोड़कर देखा जाता है. लेकिन आज 40 और 50 की उम्र के कई लोग भी घुटनों में दर्द, पीठ में अकड़न और शरीर का लचीलापन कम होने जैसी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं.

लंबे समय तक बैठे रहना, शारीरिक गतिविधि की कमी, बढ़ता वजन, गलत पोस्चर और मांसपेशियों की कमजोरी जैसी कई वजहें जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं. जोड़ों में होने वाला घिसाव भी अक्सर अचानक शुरू नहीं होता. इसके शुरुआती संकेत धीरे-धीरे दिखाई देते हैं और कई लोग उन्हें नजरअंदाज करते रहते हैं.

पालथी या उकड़ूं बैठने में परेशानी- अगर जमीन पर पालथी मारकर बैठते समय घुटनों में खिंचाव, दर्द या भारीपन महसूस होता है या कुछ देर बाद उठने में मुश्किल होती है, तो इस पर ध्यान देना जरूरी है.

.सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में दर्द- सीढ़ियां चढ़ते या उतरते समय घुटनों पर सामान्य से ज्यादा दबाव महसूस होना, दर्द या चुभन होना भी जोड़ों की परेशानी का संकेत हो सकता है. खासकर अगर यह समस्या बार-बार होने लगे.

सुबह या लंबे समय तक बैठने के बाद अकड़न- सोकर उठने के बाद घुटनों या दूसरे जोड़ों में जकड़न महसूस होना और कुछ देर चलने के बाद ही आराम मिलना भी एक संकेत हो सकता है. लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठने के बाद उठते समय अकड़न पर भी ध्यान दें।

नेपाल से आई रंग-बिरंगी मछली देखकर खाने का है मन? ठहर जाइए, एक गलती बन सकती है जानलेवा

नेपाल में आई बाढ़ के कारण बिहार की नदियों का जलस्तर बढ़ गया है. जिससे अनजान प्रजाति की मछलियां बहकर नए इलाकों में पहुंच रही हैं. बगहा में इन मछलियों को खाने के बाद कुछ लोगों के बीमार पड़ने की सूचना है. अधिकारियों ने दूषित पानी के खतरे को देखते हुए बाढ़ के पानी से पकड़ी गई अज्ञात या अनजान मछलियों का सेवन नहीं करने की चेतावनी दी है. अगर ऐसी मछली खाने के बाद तबीयत खराब होती है, तो तुरंत चिकित्सकीय सहायता लेने की सलाह दी गई है.

नेपाल में आई बाढ़ के बाद बिहार की नदियों में बढ़े जलस्तर का असर अब जलीय जीवों पर भी दिखने लगा है. बाढ़ का पानी अपने साथ अलग-अलग जलस्रोतों की मछलियों को बहाकर नए इलाकों तक पहुंचा रहा है. पश्चिम चंपारण के बगहा में कुछ लोगों के ऐसी अनजान और अलग दिखने वाली मछलियां खाने के बाद बीमार पड़ने की सूचना के बाद प्रशासन ने लोगों को सतर्क किया है. प्रशासन ने अपील की है कि बाढ़ के पानी में पकड़ी गई या पहचान में नहीं आने वाली मछलियों को फिलहाल न खाएं.

बगहा की एसडीएम चांदनी कुमारी ने लोगों से अपील की है कि बाढ़ के पानी के साथ आई किसी भी अपरिचित मछली को पकड़ने, खरीदने, बेचने या खाने से बचें. यह सलाह बिहार सरकार के पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के मत्स्य प्रभाग की ओर से भी जनहित में जारी की गई है।

बच्चों की ये छोटी सी गलती बन सकती है बड़ी मुसीबत, रूम की कुंडी लगाने से पहले जानें सुरक्षा

छोटे बच्चों के कमरे में बंद होने से बचने के लिए सुरक्षा उपाय अपनाएं. इसके लिये चाइल्ड-सेफ्टी लॉक लगाएं, बच्चों को अकेला न छोड़ें और अतिरिक्त चाबी रखें. जरूरत पड़ने पर मदद का भी इंतजाम रखें.

घर में छोटे बच्चे हों तो हर दिन नई चुनौतियां सामने आती हैं. बच्चों की जिज्ञासा उन्हें नई-नई चीजें करने के लिये प्रेरित करती है. कई बार खेल-खेल में बच्चे कमरे की कुंडी या लॉक बंद कर लेते हैं और फिर उसे खोल नहीं पाते. ऐसी स्थिति न केवल बच्चे के लिये डरावनी हो सकती है, बल्कि माता-पिता के लिये भी चिंता का कारण बन जाती है. इसलिए जरूरी है कि पहले से कुछ सुरक्षा उपाय अपनाए जाएं ताकि ऐसी परेशानी से बचा जा सके.

क्यों होती है यह समस्या?

छोटे बच्चे बड़ों की नकल करना पसंद करते हैं. वे दरवाजा खोलना, बंद करना या कुंडी लगाना सीख जाते हैं, लेकिन उसे वापस खोलना हमेशा नहीं समझ पाते. ऐसे में वे गलती से कमरे में बंद हो सकते हैं और घबराकर रोने लगते हैं.

बच्चों की पहुंच से दूर रखें लॉक सिस्टम

यदि घर में छोटे बच्चे हैं, तो ऐसे दरवाजों पर चाइल्ड-सेफ्टी लॉक लगवाने की कोशिश करें. कई आधुनिक लॉक सिस्टम ऐसे आते हैं जिन्हें बाहर से आसानी से खोला जा सकता है. इससे आपात स्थिति में तुरंत दरवाजा खोलना आसान हो जाता है.

बहुत छोटे बच्चों को लंबे समय तक किसी कमरे में अकेला न छोड़ें. यदि आपको कुछ समय के लिये दूसरे कमरे में जाना है, तो बच्चे को अपने साथ ले जाएं या ऐसी जगह रखें जहां दरवाजा बंद होने की संभावना न हो.

अतिरिक्त चाबी रखें तैयार

यदि कमरे में चाबी वाला लॉक है, तो उसकी एक अतिरिक्त चाबी हमेशा सुरक्षित स्थान पर रखें. आपात स्थिति में यह काफी मददगार साबित हो सकती है और दरवाजा तोड़ने जैसी नौबत नहीं आएगी.

बच्चे को सिखाएं दरवाजा खोलना

जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता है, उसे धीरे-धीरे दरवाजा खोलने का सही तरीका सिखाएं. खेल-खेल में उसे समझाएं कि कुंडी लगाने के बाद उसे कैसे खोला जाता है. इससे वह घबराए बिना स्थिति को संभाल सकेगा.

घबराएं नहीं, बच्चे को शांत रखें

अगर बच्चा कमरे में बंद हो जाए तो सबसे पहले खुद शांत रहें. दरवाजे के बाहर से बच्चे से बात करते रहें और उसे भरोसा दिलाएं कि आप उसे बाहर निकाल लेंगे. आपकी आवाज सुनकर बच्चा कम घबराएगा और रोना भी कम करेगा.

खिड़कियों और बालकनी पर भी रखें नजर

कभी-कभी बंद कमरे में मौजूद खिड़कियां या बालकनी अतिरिक्त खतरा पैदा कर सकती हैं. इसलिए सुनिश्चित करें कि बच्चों की पहुंच वाली जगहों पर मजबूत सुरक्षा ग्रिल और लॉक लगे हों.

इमरजेंसी नंबर रखें पास

यदि लॉक खुलने में समस्या आ रही हो तो किसी पड़ोसी, परिवार के सदस्य या लॉक विशेषज्ञ का नंबर अपने पास रखें।

बच्चों के लिये नाश्ते में बनाइए कुरकुरे, स्वादिष्ट चीज रोल्स, हर बाइट में मिलेगा लाजवाब स्वाद

बच्चों के लिए चीज रोल्स एक बेहतरीन नाश्ता है. ये बाहर से कुरकुरे और अंदर से पिघले चीज से भरे होते हैं. इन्हें बनाने में कम समय लगता है और आप अपनी पसंद की सब्जियां भी डाल सकते हैं.

अगर आपके बच्चे रोज एक जैसा नाश्ता खाने से बोर हो गए हैं, तो चीज रोल्स एक बेहतरीन विकल्प आपके लिये फायदेमंद साबित हो सकता है. बाहर से कुरकुरे और अंदर से पिघले हुए चीज से भरे ये रोल्स बच्चों को बहुत पसंद आते हैं. इन्हें सुबह के नाश्ते, टिफिन या शाम की भूख मिटाने के लिए आसानी से बनाया जा सकता है. खास बात यह है कि इन्हें बनाने में ज्यादा समय नहीं लगता और आप अपनी पसंद की सब्जियां भी इसमें शामिल कर सकते हैं.

सबसे पहले एक बड़े बाउल में उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें. अब इसमें कद्दूकस किया हुआ चीज, गाजर, शिमला मिर्च, हरी धनिया, काली मिर्च, चाट मसाला और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें. रोल्स की स्वादिष्ट स्टफिंग तैयार है.

अब एक छोटे बर्तन में मैदा और थोड़ा पानी डालकर गाढ़ा घोल बना लें. यह रोल्स को सील करने के काम आएगा.

ब्रेड स्लाइस के किनारों को चाकू की मदद से काट लें. इसके बाद बेलन से ब्रेड को हल्का दबाकर पतला कर लें. अब ब्रेड के बीच में तैयार स्टफिंग रखें और सावधानी से रोल कर लें. किनारों पर मैदे का घोल लगाकर अच्छी तरह बंद कर दें ताकि तलते समय रोल खुले नहीं।

एक ऐसा देश जहां सदियों से घर नहीं, टेंट रहा लोगों का ठिकाना, आज भी जिंदा है ये अनोखी परंपरा

मंगोलिया में आज भी कुछ खानाबदोश परिवार पारंपरिक गेर (Ger) में रहते हैं, जो दिखने में टेंट जैसा लेकिन खास तरह से बनाया गया पोर्टेबल घर होता है. सदियों पुरानी इस परंपरा में परिवार अपने पशुओं के साथ विशाल घास के मैदानों में एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं और आधुनिक दौर में भी अपनी इस अनोखी जीवनशैली को कायम रखे हुए हैं.

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं जहां लोगों की जीवनशैली आधुनिक शहरों से बिल्कुल अलग है. मंगोलिया भी ऐसा ही देश है, जहां विशाल घास के मैदानों के बीच आज भी खानाबदोश संस्कृति की झलक देखने को मिलती है. यहां सदियों से पशुपालक समुदाय एक जगह स्थायी रूप से रहने के बजाय मौसम और चरागाहों के हिसाब से अपना ठिकाना बदलते रहे हैं. उनकी इस जीवनशैली का सबसे खास हिस्सा है Ger, जिसे आम तौर पर Yurt भी कहा जाता है. यह देखने में टेंट जैसा लगता है, लेकिन इसकी बनावट और उपयोग इसे सामान्य टेंट से काफी अलग बनाते हैं.

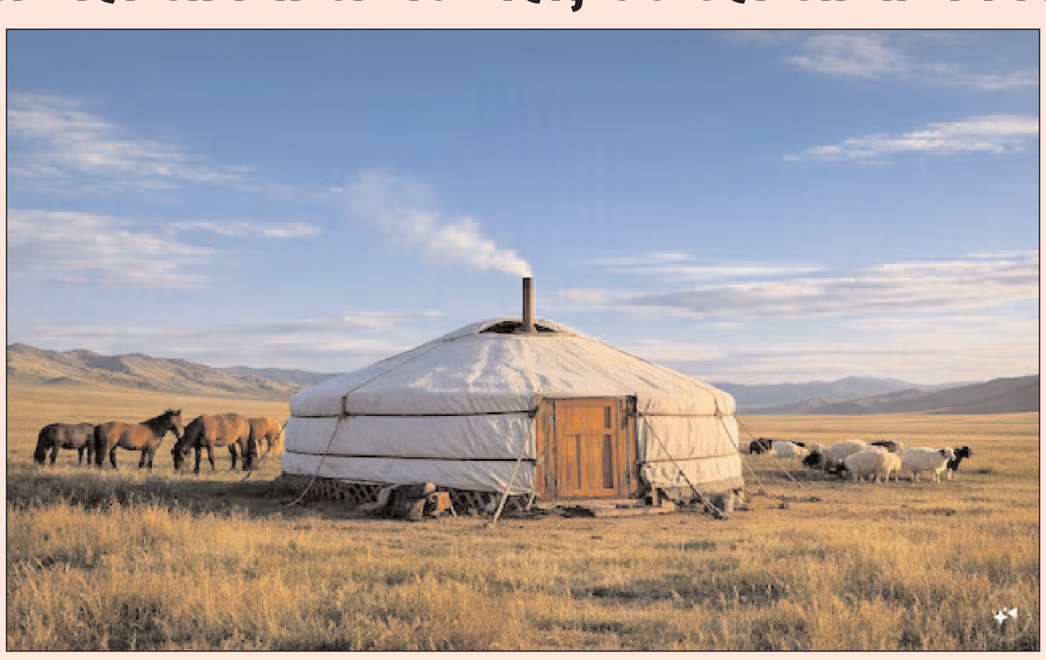

मंगोलिया के पारंपरिक Ger को इस तरह तैयार किया जाता है कि उसे जरूरत पड़ने पर आसानी से खोला, समेटा और दूसरी जगह ले जाया जा सके. खानाबदोश पशुपालकों के लिए यह सुविधा बेहद महत्वपूर्ण रही है, क्योंकि उनका जीवन अपने पशुओं और चरागाहों के साथ जुड़ा हुआ है. मौसम बदलने या चराई के लिए नई जगह की जरूरत पड़ने पर परिवार अपना Ger भी साथ ले जाते रहे हैं.

Ger का ढांचा आमतौर पर लकड़ी से बनाया जाता है और इसे ऊन, कपड़े तथा अन्य insulating materials से ढका जाता है. इसका गोल आकार तेज हवाओं के बीच इसे स्थिर रखने में मदद करता है. ठंडे मौसम में इसके अंदर गर्मी बनाए रखने के लिए पारंपरिक रूप से स्टोव का भी इस्तेमाल किया जाता है.

मौसम के हिसाब से बदलती है जिंदगी

मंगोलिया का मौसम काफी कठोर हो सकता है. सर्दियों में तापमान बहुत नीचे चला जाता है, जबकि गर्मियों में खुले मैदानों में मौसम पूरी तरह बदल जाता है. ऐसे वातावरण में Ger का portable होना खानाबदोश परिवारों के लिए बेहद उपयोगी रहा है.

पशुपालन इस जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है. घोड़े, भेड़, बकरियां, गाय और ऊंट जैसे पशु कई परिवारों की आजीविका का आधार रहे हैं. इसलिए एक जगह स्थायी घर बनाने के बजाय चरागाहों के साथ चलना उनके लिए जीवन का हिस्सा रहा है.

आज भी रहते हैं लोग

आधुनिक मंगोलिया में हर व्यक्ति त्द्गह् में नहीं रहता. राजधानी उलानबातर और दूसरे शहरों में बड़ी आबादी अपार्टमेंट और सामान्य घरों में रहती है. इसके बावजूद ग्रामीण इलाकों में कई खानाबदोश और अर्ध-खानाबदोश परिवार आज भी Ger में रहते हैं. यानी Ger अब सिर्फ इतिहास की चीज नहीं है. यह आज भी कई परिवारों के रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा है और मंगोलिया की सांस्कृतिक पहचान को जिंदा रखता है.

पर्यटकों के लिए भी खास आकर्षण

मंगोलिया जाने वाले पर्यटकों के लिए त्द्गह् में ठहरना एक अलग अनुभव माना जाता है. कई जगहों पर traditional Ger camps बनाए गए हैं, जहां पर्यटक स्थानीय जीवनशैली को करीब से समझ सकते हैं. यहां रहकर खुले मैदानों, पारंपरिक भोजन, घुड़सवारी और स्थानीय संस्कृति का अनुभव किया जा सकता है.

सदियों पुरानी परंपरा आज भी कायम

मंगोलिया का Ger यह दिखाता है कि घर का मतलब हमेशा ईंट और सीमेंट की स्थायी इमारत नहीं होता. वहां के खानाबदोश समुदायों के लिए घर ऐसी जगह है जिसे वे अपनी जरूरत के मुताबिक साथ लेकर चल सकें. बदलती आधुनिक दुनिया के बावजूद त्द्गह् आज भी मंगोलिया की nomadic heritage, प्रकृति के साथ तालमेल और पारंपरिक जीवनशैली का प्रतीक बना हुआ है।

कैटरीना कैफ हुईं बॉडी शेमिंग का शिकार, सपोर्ट में आईं शिवालिका ओबेरॉय

मुंबई।

अभिनेत्री केटरीना कैफ पिछली पब्लिक अपीयरेंस के बाद ट्रोलिंग का सामना कर रही हैं, जिसके बाद अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय अब उनके सपोर्ट में सामने आई हैं। उन्होंने ट्रोलर्स को करारा जवाब देते हुए कहा कि इस तरह की मानसिकता वाले कितने बेतुके होते हैं।

अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कटरीना कैफ की वो तस्वीर पोस्ट की, जिसे लेकर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है। तस्वीर पोस्ट कर अभिनेत्रीन शिवालिका ओबेयरॉय ने लिखा, 'क्या हो गया है मतलब?!?! ये मातृत्व है!'

उन्होंने लिखा, 'नॉर्मल पोस्टपार्टम रिकवरी ऐसी ही दिखती है,अच्छी, बुरी, सूजन, थकान और बीच की हर चीज। 'मातृत्व के ऐसे रूप का महिमामंडन करना बंद करें जो मौजूद ही नहीं है। पिछले कुछ दिनों में ऐसी कई पोस्ट देखने के बाद सोच रही हूं कि ये सोच कितनी बेतुकी है।'

शिवालिका ओबेरॉय ने हाल ही में अपने बच्चे का स्वागत किया है, ऐसे में प्रेग्नेंसी के बाद शरीर में आए बदलावों को वे अच्छे से समझती हैं। ऐसा पहली बार नहीं है, जब किसी अभिनेत्री को प्रेग्नेंसी के बाद उसके बदलते लुक को लेकर ट्रोल किया जा रहा है। इससे पहले पत्रलेखा समेत कई अभिनेत्री इस तरह की ट्रोलिंग का सामना कर चुकी हैं।

दरअसल, अभिनेत्री कटरीना कैफ नवंबर 2025 में बेटे विहान के जन्म के बाद कैटरीना कैफ काफी समय तक लाइमलाइट से दूर थीं। वह 26 अगस्त 2026 को मुंबई में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंची थीं, जहां पैप्स ने उन्हें कवर किया था। अभिनेत्री के बढ़े हुए वजन (प्रेग्नेंसी के बाद के बदलाव) को लेकर ट्रोल किया जा रहा है।

सोशल मीडिया पर उनके वीडियो और तस्वीरें सामने आने के बाद कुछ ट्रोल्स ने उनके बदले हुए लुक और वजन को लेकर असंवेदनशील और भद्दे कमेंट्स किए। हालांकि, कैटरीना के तमाम फैंस ने ट्रोल्स को करारा जवाब दिया और उनका बचाव करते हुए कहा कि मां बनने के बाद शरीर में शारीरिक बदलाव होना बेहद सामान्य और प्राकृतिक प्रक्रिया है।

मां बनने के बाद बदलाव स्वाभाविक

शिवालिका ओबेरॉय ने हाल ही में अपने वच्चे का स्वागत किया है, ऐसे में प्रेग्नेंसी के बाद शरीर में आए बदलावों को वे अच्छे से समझती है। ऐसा पहली बार नहीं है, जब किसी अभिनेत्री को प्रेग्नेंसी के बाद उसके बदलते लुक को लेकर ट्रोल किया जा रहा है। इससे पहले पत्रलेखा समेत कई ई अभिनेत्री इस तरह की ट्रोलिंग का सामना कर चुकी हैं।

कारगिल युद्ध के समय 1 साल के थे अभय वर्मा, बोले- कभी नहीं सोचा था एयरफोर्स ऑफिसर का रोल करूंगा

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता अभय वर्मा वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में विंग कमांडर राजपाल ढालीवाल के रोल में नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने बताया कि उन्हें कभी अंदाजा भी नहीं था कि उन्हें कभी इस सीरीज का हिस्सा बनने और इंडियन एयरफोर्स का अफसर बनने का मौका मिलेगा।

अभिनेता ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया कि कारगिल युद्ध के दौरान वे महज एक साल के थे। उन्होंने कहा, 'जब हमने 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध जीता था, तब मैं एक साल, एक दिन का था। इसलिए इस युद्ध को लेकर मेरी कोई खास याद नहीं है लेकिन स्कूल में हमें कारगिल युद्ध के बारे में जब भी पढ़ाया जाता था, तो मैं हमेशा सोचता था कि आखिर वहां क्या हुआ होगा। मुझे कभी नहीं लगा था कि मैं 'ऑपरेशन सफेद सागर' करूंगा और इंडियन एयरफोर्स के एक बहादुर अफसर का किरदार निभाऊंगा।

अभिनेता ने कहा कि सीरीज की कहानी जानकर उन्हें एहसास हुआ कि वे एक नागरिक के तौर पर फेल हैं।

उन्होंने बताया, 'ऑपरेशन सफेद सागर की कहानी जानने के बाद मुझे लगा कि मैं एक नागरिक के तौर पर फेल हो गया। हमारे हीरोज और जवानों ने हमारे लिए अपनी जान, परिवार, सब कुछ दांव पर लगा दिया।'

उन्होंने कहा, 'अब मैं दो वजहों से बहुत विनम्र महसूस करता हूं, पहला कि मैं भारत जैसे महान देश का हिस्सा हूं, दूसरा कि मेरे आसपास जो कुछ भी है, उसके लिए मैं आभारी हूं। यहां तक कि मैं एक पानी के ग्लास तक के लिए उनका आभारी हूं क्योंकि अगर आज हम एसी में बैठकर बात कर रहे हैं, तो यह सब किसी के आशीर्वाद से कम नहीं है, जिसे हम हल्के में लेते हैं।'

अभय वर्मा ने वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में भारतीय वायुसेना के अधिकारी फ्लाइंग ऑफिसर आर.एस. धालीवाल (राजपाल सिंह धालीवाल / 'धाली') का किरदार निभाया है। अभय वर्मा ने सीरीज में 'धाली' के रूप में एक ऐसे युवा फाइटर पायलट का किरदार जिया है जो शुरुआत में थोड़ा बेफिक्र और बेहद आत्मविश्वासी नजर आता है, लेकिन युद्ध की स्थिति आने पर अदम्य साहस का परिचय देता है।

यह सीरीज 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय वायुसेना के अदम्य साहस और 'ऑपरेशन सफेद सागर' की गाथा को दर्शाती है। यह सीरीज नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

शादी के 5 महीने बाद अलग हो रहे बादशाह और ईशा रिखी, फैंस से बोले - प्राइवेसी का सम्मान करें

मुंबई। रैपर बादशाह और पंजाबी अभिनेत्री ईशा रिखी शादी के 5 महीने बाद अलग हो रहे हैं। सोमवार को कपल ने एक ज्वॉइंट स्टेटमेंट के तहत इस बात की जानकारी दी है, जिससे दोनों के अलग होने की अटकलों पर विराम लग गया है।

बादशाह और ईशा रिखी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने अलग होने की बात कंफर्म करते हुए नोट जारी किया, जिसके जरिए उन्होंने फैंस और मीडिया से उनकी प्राइवेसी (निजता) का सम्मान करने की अपील की।

लिखा, 'मैंने और ईशा रिखी ने आपसी सहमति से अलग होने और अपने-अपने रास्तों पर आगे बढ़ने का फैसला किया है। यह फैसला आपसी सम्मान के साथ लिया गया है और हम सभी से रिक्वेस्ट करते हैं कि इस समय हमारी प्राइवेसी का सम्मान करें।

उन्होंने आगे लिखा, 'हम दोनों के अलग होने पर यह एकमात्र स्टेटमेंट है। हम दिल से गुजारिश करते हैं कि हमारे रिश्ते के बारे में कोई और अटकलें या अंदाजा न लगाया जाए। बता दें कि बादशाह और ईशा रिखी ने मार्च 2026 में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की थी। बताया जाता है कि दोनों करीब चार साल तक एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। शादी काफी प्राइवेट रखी गई थी, बाद में ईशा की मां पूनम रिखी ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर की थीं। यह बादशाह की दूसरी शादी थी। उनकी पहली शादी जैसमीन मसीह से 2012 में हुई थी, जिनसे उनका साल 2020 में तलाक हो गया था। उनकी एक बेटी भी है। गौरतलब है कि दोनों के अलग होने की खबर तब आई, जब ईशा रिखी सलमान खान के होस्ट किए गए शो 'बिग बॉस 20' में कंटेस्टेंट बनकर जा सकती हैं। ईशा रिखी पंजाबी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं।

'हरि-ओम' से बदलकर 'ओम का हरि' क्यों हुई फिल्म? टाइटल बदलने की अंशुमान झा ने बताई वजह

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेता अंशुमान झा की आने वाली फिल्म 'ओम का हरि' अपने टाइटल को लेकर चर्चा में है। फिल्म का नाम सुनने में भले ही थोड़ा अलग लगे, लेकिन इसके पीछे कहानी से जुड़ा एक खास मतलब है। पिता और बेटे के रिश्ते पर बनी यह ड्रामा-कॉमेडी पहले 'हरि-ओम' टाइटल से दर्शकों के सामने आने वाली थी।

फिल्म की कहानी में हरि और ओम दो अहम किरदार हैं, हालांकि टाइटल के राइट्स न मिलने की वजह से मेकर्स को फिल्म का नाम बदलना पड़ा। अब अंशुमान झा ने बताया है कि कैसे 'हरि-ओम' से 'ओम का हरि' तक पहुंचने का फैसला हुआ और नया नाम फिल्म की कहानी से किस तरह जुड़ा हुआ है।

अंशुमान झा ने कहा, ''फिल्म का पहला टाइटल 'हरि-ओम' ही तय किया गया था। मेकर्स भी इसी नाम के साथ आगे बढ़ना चाहते थे, लेकिन बाद में पता चला कि इस टाइटल के राइट्स हमारे पास नहीं हैं। 'हरि-ओम' नाम के राइट्स टिप्स के पास थे। बताया जाता है कि टिप्स ने दो दशक से ज्यादा समय पहले इसी नाम से एक फिल्म बनाई थी और वह इस टाइटल को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। ऐसे में हमें फिल्म के लिए दूसरा टाइटल चुनना पड़ा।''

अंशुमान ने कहा, ''हमने 'हरि-ओम' के बजाय 'ओम का हरि' टाइटल चुना, जो न सिर्फ सुनने में अलग है बल्कि फिल्म की कहानी के साथ भी गहराई से जुड़ा हुआ है। यह कोई मजबूरी में रखा गया टाइटल नहीं था। यह फिल्म के असली भाव को भी दिखाता है। 'ओम' और 'हरि' दोनों ही आध्यात्मिक और भारतीय संस्कृति से जुड़े शब्द हैं।''

उन्होंने कहा, ''फिल्म का नया टाइटल समझाता है कि जिंदगी एक चक्र की तरह होती है। समय के साथ एक बेटा खुद पिता बनता है और फिर वह अपने पिता की भूमिका और सोच को एक अलग नजरिए से समझने लगता है। इसी तरह पिता और बेटे के रिश्ते में भी समय के साथ बदलाव आता है।''

फिल्म में रघुबीर यादव 'हरि' के किरदार में है, जबकि अंशुमान झा 'ओम' की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी का सबसे अहम हिस्सा पिता और बेटे के बीच का रिश्ता है।

आमतौर पर पिता और बेटे के रिश्ते में प्यार के साथ-साथ सोच का फर्क भी देखने को मिलता है। दोनों एक-दूसरे को समझने की कोशिश करते हैं, लेकिन कई बार उनके बीच टकराव भी होता है। 'ओम का हरि' इसी रिश्ते के अलग-अलग रंगों को ड्रामा और कॉमेडी के जरिए सामने लाती है।

फिल्म में अंशुमान झा और रघुबीर यादव के अलावा सोनी राजदान, आयशा कपूर और समता सुदीक्षा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी।

सोशल मीडिया से ब्रेक लेंगे जैन इमाम, अकाउंट डीएक्टिवेट करने का किया ऐलान

विश्व केसरी ■

मुंबई। टेलीविजन अभिनेता जैन इमाम ने सोमवार को बताया कि वे कुछ दिनों के लिए सोशल मीडिया से ब्रेक ले रहे हैं। अभिनेता स्पष्ट किया कि वे खुद को रिफ्रेश और रिचार्ज करने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

अभिनेता जैन इमाम ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि असल जीवन का आनंद लेने के लिए ऐसा कर रहे हैं। अभिनेता ने लिखा, 'कुछ दिनों के लिए इंस्टाग्राम से दूरी बना रहा हूं। घबराने की कोई बात नहीं है, बस सोशल मीडिया से थोड़ा ब्रेक लेकर खुद को रिचार्ज करना चाहता हूं और स्क्रीन से हटकर जरूरी चीजों पर ध्यान देना चाहता हूं। अभिनेता जैन इमाम का मानना है कि कभी-कभी सोशल मीडिया से दूर रहकर असल जिंदगी का आनंद भी लेना जरूरी होता है। उन्होंने लिखा, 'कभी-कभी सोशल मीडिया के शोर से दूर जाकर, लोगों से डिस्कनेक्ट होकर असल जिंदगी में मौजूद रहने में भी आनंद आता है।

अभिनेता ने यह भी स्पष्ट किया कि वे अपना अकाउंट डिएक्टिवेट कर रहे हैं न कि किसी को अनफॉलो। उन्होंने लिखा, 'मैं अपना अकाउंट डीएक्टिवेट कर रहा हूं, लेकिन मैंने किसी को अनफॉलो नहीं किया और न ही किसी को हटा रहा हूं, इसलिए मेरी खामोशी को गलत मत समझिएगा। मैं जल्द ही वापस आऊंगा। तब तक आप सभी को ढेर सारी शुभकामनाएं। धन्यवाद।

अभिनेता जैन इमाम के पोस्ट करते ही कमेंट सेक्शन पर तरह तरह के रिएक्शन आने लगे। कई यूजर्स कमेंट कर अभिनेता के सोशल मीडिया पर वापसी का इंतजार की बात कह रहे हैं। जैन इमाम की बात करें, तो वे भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री के जाने माने अभिनेताओं में शुमार हैं।

जैन इमाम ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत एमटीवी के युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय शो कैसी ये यारियां से की थी, जिसमें उन्होंने 'अभिमन्यु ठक्कर' का किरदार निभाया था।

बिग बॉस 18 में एंट्री लेंगी ईशा रिखी, बोलीं- दिखावे से ज्यादा असलियत में यकीन रखती हूं

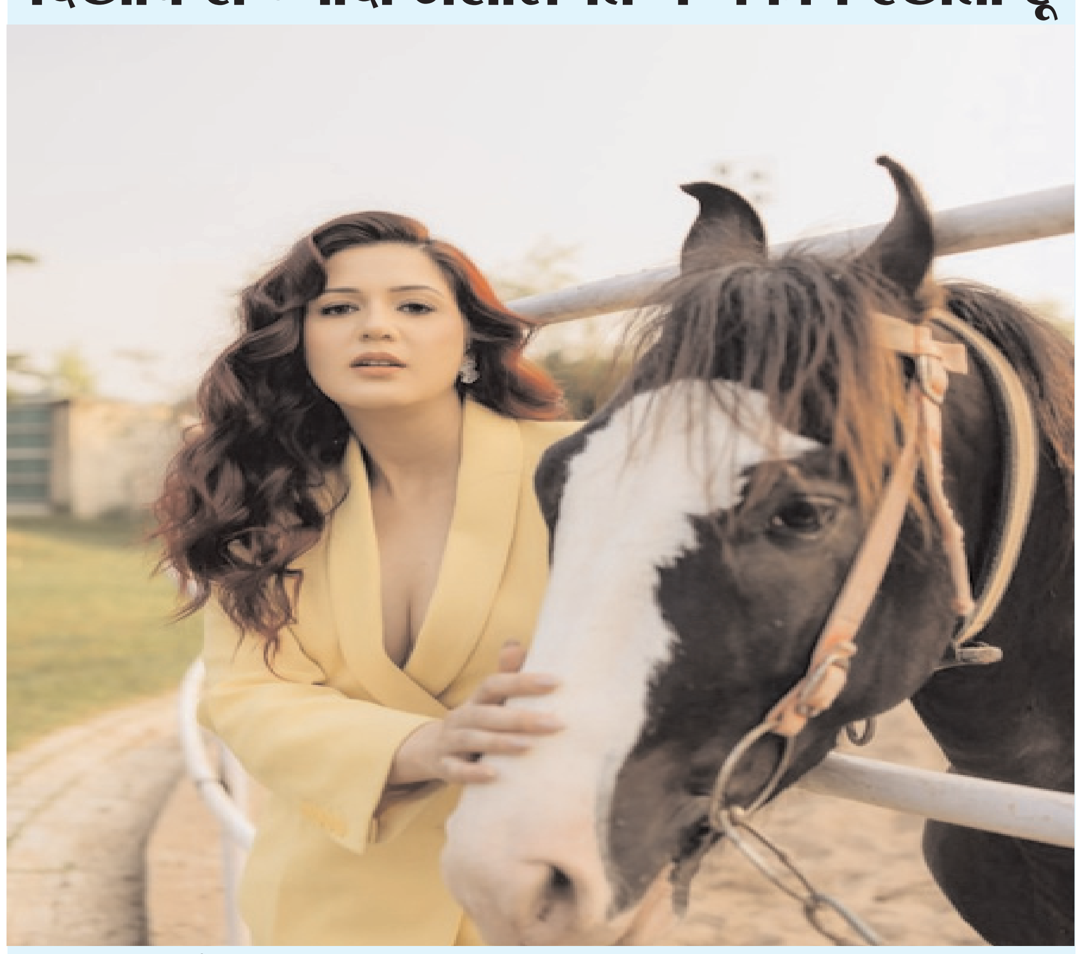

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री ईशा रिखी जल्द ही रियलिटी शो 'बिग बॉस-18' में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि वह अपनी असली पर्सनैलिटी को दिखाने के लिए इस सीजन में आना चाहती है।

अभिनेत्री ने बताया, 'दर्शक मुझे अभी तक सिर्फ एक अभिनेत्री के तौर पर ही जानती है। मैं चाहती हूं कि लोग जानें कि ईशा रिखी कौन हैं और मेरी पर्सनैलिटी के सभी अलग-अलग शेड्स देखें।'

अभिनेत्री ने आगे यह भी बताया कि वे शो में किस तरह से गेम खेलेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं असली रहूंगी क्योंकि मैं दिखावे से ज्यादा असलियत में यकीन रखती हूं। मुझे वो बनना नहीं पसंद है, जो मैं नहीं हूं। मैं शो को ईमानदारी से खेलने की कोशिश करूंगी और उम्मीद है कि इसे ईमानदारी से जीतूंगी भी। अभिनेत्री का मानना है कि शो में जाने के बाद उनका सबसे चैलेंज पब्लिक जजमेंट हो सकता है। अभिनेत्री ने बताया कि वे शो में सिचुएशन को किस तरह से डील करेंगी। उन्होंने कहा, 'जब मुझे लगेगा कि किसी तरह की बात को शांति से डील करना चाहिए, तो मैं उसे वैसे ही करूंगी, लेकिन जब सिचुएशन संभल नहीं रही, तो मैं जरूर सख्ती से पेश आऊंगी। मीडिया ने ईशा रिखी से सवाल किया, 'हमने बिग बॉस को कंटेस्टेंट्स के पिछले रिश्तों को घर में लाते देखा है, जिसमें उनके एक्स-पार्टनर भी शामिल हैं। आप ऐसी सिचुएशन से कैसे निपटेंगे?' अभिनेत्री ने कहा, 'जो भी होगा, देखा जाएगा। मेरे पास इसके लिए कोई प्लान या तैयारी नहीं है।

अभिनेत्री ने बताया कि वह इस शो में अपनी मां की वजह से जा रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आमतौर पर अपने दोस्तों के लिए आखिर तक जाती हूं और उनके लिए स्टैंड लेती हूं, लेकिन मुझे नहीं पता कि शो के अंदर मेरी दोस्ती कितनी स्ट्रांग होगी। मैं अच्छा खेलने जा रही हूं और मैं अपनी मां के लिए शो जीतना चाहती हूं। तो, जाहिर है, मैं ट्रॉफी को प्रायोरिटी देने की पूरी कोशिश करूंगी।

उन्होंने आगे कहा, 'मैं एक इमोशनल इंसान हूं, इसलिए मुझे थोड़ा डर है कि कहीं इमोशंस या दोस्ती की वजह से मैं खुद को चोट न पहुंचा लूं, लेकिन इस बार, मेरा फोकस पक्का ट्रॉफी जीतने पर है।

भारत प्रशांत क्षेत्र को साझा हिंद-प्रशांत का अभिन्न हिस्सा मानता है: एमओएस मार्गेरिटा

वश्व केसरी

कोरोर (पलाऊ)। प्रशांत द्वीपीय देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों पर जोर देते हुए विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने मंगलवार को कहा कि यह क्षेत्र नई दिल्ली की व्यापक हिंद-प्रशांत दृष्टि का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पलाऊ के कोरोर में आयोजित 55वें प्रशांत द्वीप समूह फोरम (पीआईएफ) के नेताओं की बैठक के 'डायलॉग पार्टनर सेशन' को संबोधित करते हुए मार्गेरिटा ने कहा कि भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के तहत प्रशांत देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार हुआ है। इसमें फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन (एफआईपीआईसी) और पैसिफिक आइलैंड्स फोरम के साथ भारत का जुड़ाव भी शामिल है।

उन्होंने कहा, 'भारत 'ब्लू पैसिफिक कॉन्टिनेंट' के साथ अपनी साझेदारी को सर्वोच्च महत्व देता है। हमारी एक्ट ईस्ट पॉलिसी के मार्गदर्शन में द्विपक्षीय संबंधों, फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन (एफआईपीआईसी) और पैसिफिक आइलैंड्स फोरम के साथ हमारे जुड़ाव के माध्यम से इस साझेदारी को और गहराई मिली है। मार्गेरिटा ने कहा, 'हम प्रशांत क्षेत्र को किसी दूरस्थ क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि हमारे साझा हिंद-प्रशांत का अभिन्न हिस्सा मानते हैं। जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है, भारत प्रशांत द्वीपीय देशों को बड़े महासागरीय राष्ट्रों के रूप में देखता है।'

उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन हमेशा से पूरी दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने की भावना पर आधारित रहा है। यही एकजुटता और साझा उद्देश्य की भावना शिखर सम्मेलन की थीम 'बी.ई.एल.ए.यू -बिल्डिंग इकोनॉमीज: लाइफ. एक्शन. यूनिटी' में भी दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि यह थीम हिंद-प्रशांत को लेकर भारत की उस दृष्टि से मेल खाती है, जिसमें क्षेत्र को स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण और समृद्ध क्षेत्र के रूप में देखा गया है। यह दृष्टि अंतरराष्ट्रीय कानून, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान, नौवहन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता, वैध व्यापार तथा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान पर आधारित है। मार्गेरिटा ने कहा, 'अपनी हिंद-प्रशांत दृष्टि को ठोस रूप देने के लिए भारत ने 2019 में इंडो-पैसिफिक ओशंस इनिशिएटिव की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य खुले और स्वतंत्र समुद्री क्षेत्र को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से साझा हितों को आगे बढ़ाना है। साथ ही, महासागरों के स्वास्थ्य को बनाए रखना भी इसका महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता और मुंबई के लाखों लोग हो सकते हैं प्रभावित: यूएन

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की एक रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि समुद्र का जलस्तर बढ़ने से कोलकाता और मुंबई में रह रहे लाखों लोग बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं।

सोमवार को जारी रिपोर्ट में ग्लोबल वार्मिंग की वजह से समुद्र का जलस्तर बढ़ने के असर को लेकर कई गंभीर चेतावनियां दी गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर और बर्फ की परतें पिघलती हैं और पानी गर्म होता है, जिससे संपत्ति, लोगों और यहां तक ??कि संस्कृतियों पर भी असर पड़ता है।

पैसिफिक आइलैंड्स फोरम लीडर्स की 55वीं बैठक में सेक्रेटरी-जनरल अमीना मोहम्मद ने जो रिपोर्ट जारी की, उसके मुताबिक 2024 में समुद्र के जलस्तर में सालाना बढ़ोतरी अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है और यह लगभग छह मिलीमीटर दर्ज की गई है। इस बैठक की मेजबानी पलाऊ कर रहा है, जो प्रशांत महासागर के द्वीपों का एक देश है। समुद्र का जलस्तर बढ़ने से इसके कई द्वीप काफी हद तक डूब सकते हैं। यह बैठक इसी गंभीर खतरे को उजागर कर रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है, दक्षिण एशिया के निचले डेल्टा इलाकों और भारत के कोलकाता और मुंबई व बांग्लादेश के ढाका जैसे शहरों में सबसे बड़ा असर लोगों के विस्थापन के रूप में दिख रहा है। यहां 1.4 करोड़ से अधिक लोगों के घर हमेशा के लिए पानी में डूबने का खतरा है।

रिपोर्ट में इस डरावनी स्थिति के होने के लिए कोई निश्चित समय-सीमा तय नहीं की गई है। न्यूयॉर्क में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असिस्टेंट सेक्रेटरी-जनरल नाविद हनीफ ने कहा कि समुद्र का बढ़ता जलस्तर एक चुनौती पेश करता है, क्योंकि उन इलाकों में लोग अपना तटीय इलाका खो रहे हैं। समुद्र के बढ़ते जलस्तर का असर सिर्फ तटीय इलाकों तक ही सीमित नहीं है।

संक्षिप्त खबर

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप बढ़ा, छह अन्य बच्चों की मौत, मृतकों की संख्या 973 के करीब पहुंची

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। सोमवार को इस बीमारी से छह अन्य बच्चों की मौत हो गई, जिसके बाद इस वर्ष खसरे से हुई पुष्ट और संदिग्ध मौतों की कुल संख्या बढ़कर 973 पहुंच गई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, सोमवार सुबह तक के पिछले 24 घंटों में मौतें दर्ज की गईं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, हाल में हुई सभी छह मौतों को संदिग्ध खसरा संक्रमण से जुड़ा माना गया है। रिपोर्ट के अनुसार, खसरे से पुष्ट मौतों की संख्या 99 बनी हुई है, जबकि संदिग्ध मौतों का आंकड़ा बढ़कर 874 हो गया है। डीजीएचएस ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान खसरे के 1,162 नए संदिग्ध मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही संदिग्ध मामलों की कुल संख्या बढ़कर 1,57,991 हो गई है। इसी अवधि में 94 नए पुष्ट मामले भी दर्ज किए गए, जिससे खसरे के कुल पुष्ट मामलों की संख्या 19,312 तक पहुंच गई है। देश में लगातार बढ़ते मामलों के बीच एक अंतरराष्ट्रीय समूह ने हाल ही में 2026 के खसरा प्रकोप को बांग्लादेश के हाल के वर्षों के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य संकटों में से एक बताया है। समूह ने कहा कि खसरा एक ऐसी बीमारी है ।

उत्तरी साइप्रस के तट पर फेरी डूबने से आठ यात्रियों की मौत, 18 लोग लापता

विश्व केसरी

निकोसिया। तुर्की साइप्रस अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी साइप्रस तट के पास एक तुर्की फेरी के डूबने के बाद राहत और बचाव अभियान जारी है। इस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है, जबकि 18 लोग अब भी लापता हैं। डबल-हल वाली इस फेरी में 259 यात्री और 8 चालक दल के सदस्य सवार थे। रविवार दोपहर कायरिनिया बंदरगाह से रवाना होने के कुछ ही समय बाद फेरी में पानी भरना शुरू हो गया और वह पलट गई। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार तक 241 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया था। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, पलटने बाद में फेरी समुद्र में 500 मीटर से अधिक गहराई में डूब गई। यह अभी साफ नहीं है कि कोई व्यक्ति जहाज के अंदर फंसा था या नहीं। हालांकि सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो से संकेत मिला कि फेरी के डूबने के समय उसके एक हिस्से में अभी भी कुछ लोग मौजूद थे। तुर्की ने बताया कि वह खोज अभियान में मदद के लिए एक गहरे समुद्र में काम करने वाला रिमोट संचालित वाहन (आरओवी) भेज रहा है। यह उपकरण मंगलवार तक दुर्घटनास्थल पर पहुंचने की उम्मीद है। तुर्की साइप्रस अधिकारियों ने फेरी के कप्तान और चालक दल के सात अन्य सदस्यों को हिरासत में ले लिया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस फेरी में पहले भी पानी रिसने की समस्या रही थी और उसकी मरम्मत कराई गई थी। कुछ बचे हुए यात्रियों ने दावा किया कि कप्तान और चालक दल के सदस्य सबसे पहले नाव से बाहर निकल गए।

अमेरिका के ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क में अचानक आई बाढ़, दो शव मिले, कई अब भी लापता

विश्व केसरी

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के एरिजोना राज्य में स्थित ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क में अचानक आई बाढ़ के बाद दो लोगों के शव बरामद किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, 12 से अधिक लोग अब भी लापता हैं या उनका कोई पता नहीं चल पाया है।

अमेरिकी नेशनल पार्क सर्विस के मुताबिक, शनिवार को ब्राइट एंजेल कैन्यन और फैंटम रेंच इलाके में अचानक और गंभीर बाढ़ आई थी। पार्क अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि कम से कम 14 अन्य लोग अब भी लापता हैं।

अधिकारियों ने अपील की है कि जिन लोगों को ऐसे हाइकर्स या ट्रेकर्स के बारे में जानकारी हो जो 29 अगस्त को ब्राइट एंजेल क्रीक क्षेत्र के अंदरूनी हिस्से में मौजूद थे, या जिनके पास प्रभावित इलाके में कैंपिंग की बुकिंग थी, वे यह जानकारी नेशनल पार्क सर्विस की जांच शाखा को दें। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पार्क अधिकारियों ने फेसबुक पर बताया कि शुरुआती आकलन के अनुसार ट्रांसकैन्यन वाटरलाइन का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा क्षतिग्रस्त या पूरी तरह नष्ट हो गया है। यह पाइपलाइन साउथ रिम और कैन्यन के अंदर मौजूद सुविधाओं तक पीने का पानी पहुंचाती है। अधिकारियों ने कहा, खोज और राहत अभियान जारी रहने तक लोगों से अपील है कि वे बंद किए गए क्षेत्रों में न जाएं।

फिलहाल फैंटम रेंच, ब्राइट एंजेल कैंपग्राउंड, फैंटम रेंच कैंटीन, वहां मौजूद केबिन और नॉर्थ काइबाब ट्रेल का पूरा हिस्सा अगले आदेश तक बंद रहेगा।

रविवार को जारी एक बयान में पार्क अधिकारियों ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र से कुल 62 लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा है कि ग्रैंड कैन्यन क्षेत्र के लिए बाढ़ का अलर्ट कम से कम सोमवार शाम तक जारी रहेगा। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि सोमवार दोपहर और शाम तक बारिश और गरज के साथ बौछारें जारी रहने की संभावना है। कई इलाकों में मानसूनी नमी गहराई तक बनी हुई है और मिट्टी पहले से ही संतृप्त है ।

एससीओ समिट में राष्ट्रपति पुतिन ने दिलाई द्वितीय विश्व युद्ध की याद

विश्व केसरी

बिश्केक। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित 26वें एससीओ समिट में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने द्वितीय विश्व युद्ध की याद दिला दी। उन्होंने 1 सितंबर की तारीख से जुड़े संयोग का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने एससीओ के उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला। पुतिन के अनुसार एससीओ दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन बन गया है।

एक सितंबर की तारीख के संयोग पर रूसी राष्ट्रपति ने कहा, प्यारे दोस्तों, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि आज, 1 सितंबर को ही दूसरे विश्व युद्ध की शुरुआत हुई थी। हमें दुनिया भर में ऐसी किसी भी उकसावे वाली हरकत को खत्म करने के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए, जिससे सशस्त्र संघर्ष की स्थिति पैदा हो। मुझे पूरा भरोसा है कि हमारा काम ठीक इसी मकसद को हासिल करने के लिए है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एससीओ की बढ़ती साख का जिक्र करते हुए कहा कि शंघाई सहयोग संगठन की शुरुआत कुछ देशों के छोटे संगठन के तौर पर हुई थी, लेकिन अब यह दुनिया का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संगठन बन गया है। पुतिन के मुताबिक, सदस्य देशों में दुनिया की करीब आधी आबादी रहती है और ये देश दुनिया की कुल जीडीपी के करीब एक-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे याद दिलाना चाहिए कि 2001 में छह राज्यों—रूस, चीन, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान और उज्बेकिस्तान की पहल पर स्थापित—यह मजबूत और विस्तारित हुआ है और उभरते बहुध्रुवीय विश्व के स्वतंत्र और प्रभावशाली केंद्रों में से एक बन गया है।' इसके साथ ही पुतिन ने एससीओ डेवलपमेंट बैंक का मुद्दा भी उठाया।

टाटा-लॉकहीड-रेथियॉन के बीच समझौता, भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता और अमेरिकी रक्षा उद्योग को देगा मजबूती: सर्जियो गोर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि? भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग को नई मजबूती मिलने जा रही है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन के बीच भारत में जेवलिन मिसाइल के सह-उत्पादन को लेकर समझौता हुआ है। इसे दोनों देशों की रक्षा साझेदारी और भारत की स्वदेशी विनिर्माण क्षमता के लिए बड़ा कदम माना जा रहा है।

राजदूत गोर ने कहा कि इस समझौते के बाद अमेरिकी जेवलिन मिसाइल का निर्माण भारत में किया जाएगा। इस सहयोग से अमेरिकी रक्षा उद्योग को मजबूती मिलेगी और भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को भी बढ़ावा मिलेगा।

राजदूत गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, यह अमेरिका-भारत रक्षा साझेदारी को और मजबूत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। लॉकहीड मार्टिन, रेथियॉन और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के बीच यह सहयोग अमेरिकी कंपनियों के लिए नए अवसर पैदा करेगा, अमेरिका के रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत बनाएगा और भारत की विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षमताओं को भी बढ़ावा देगा। राजदूत गोर ने यह बात लॉकहीड मार्टिन के उस पोस्ट को री-पोस्ट करते हुए कही, जिसमें कहा गया, लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन की साझेदारी से संचालित जैवलिन जॉइंट वेंचर ने टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ भारत में जैवलिन ऑल-अप-राउंड के सह-उत्पादन के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह पहल भारत की रक्षा मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को बढ़ाने में मदद करेगी और पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आपूर्ति शृंखला को और अधिक मजबूत और भरोसेमंद बनाएगी।

रूस ने जेट-इंजन ड्रोन और मिसाइलों से यूक्रेन में फिर मचाई तबाही, एक भारतीय समेत 12 लोगों की मौत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। यूक्रेन ने सोमवार शाम रूसी जेट-इंजन ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल से किए गए हमलों की एक और लहर का सामना किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि एक बार फिर ये हमले सामान्य नागरिक ढांचे को निशाना बनाकर किए गए। अलग-अलग शहरों में हुए इन हमलों में कुल 12 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''रूस के हमले के बाद हुए नुकसान से निपटने का काम कल रात से ही कई शहरों और समुदायों में लगातार जारी है। केवल कीव और उसके आसपास के क्षेत्र में ही करीब 350 बचावकर्मी राहत और बचाव कार्य में लगे हुए हैं। इन हमलों में बड़ी संख्या में जेट इंजन वाले ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। दुख की बात है कि रिहायशी इमारतों और आम नागरिकों से जुड़ी सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है।''

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि रूसी हमलों के दौरान बोरिस्पिल में एक सामान्य पांच मंजिला आवासीय इमारत क्षतिग्रस्त हो गई। वहां से 50 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। सभी जरूरी सेवाएं मौके पर मौजूद हैं। कई कारोबारी प्रतिष्ठान भी हमले की चपेट में आए। शहर में कुल चार लोगों की मौत हुई और 13 लोग घायल हुए। मैं पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

जेलेंस्की ने बताया कि सोमवार शाम से ओडेसा और उसके आसपास के क्षेत्र पर भी निर्देशित हवाई बमों और ड्रोन से हमले जारी हैं। हजारों परिवार बिजली के बिना रह रहे हैं और जल्द से जल्द बिजली बहाल करने का काम चल रहा है। इसके अलावा रोमानिया के साथ सीमा पर स्थित एक सीमा चौकी को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया गया। निर्यात से जुड़ा बुनियादी ढांचा भी प्रभावित हुआ है।

एससीओ समिट: विदेश मंत्री एस जयशंकर की रूसी और ईरानी समकक्ष से हुई 'संक्षिप्त बात'

विश्व केसरी

बिश्केक। किर्गिस्तान की राजधानी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उच्चस्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस डेलिगेशन में विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल हैं। मंगलवार को उन्होंने रूसी और ईरानी समकक्षों संग हुई छोटी सी मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की।

एक्स पोस्ट में जयशंकर ने लिखा, एससीओ समिट 2026 से इतर ईरान और रूस के विदेश मंत्रियों से छोटी सी मुलाकात हुई। विदेश मंत्री ने जो तस्वीरें साझा की हैं, वो बेहद खास हैं। पहली तस्वीर में रूसी विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ हैं, तो दूसरी तस्वीर में ईरानी समकक्ष के साथ सहज भाव में देखे जा सकते हैं।

इसके अलावा तजाकिस्तान के विदेश मंत्री सिरोजिद्दीन मुहरिद्दीन के साथ भी जयशंकर ने मुलाकात की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा कि हम दोनों के बीच काफी अच्छी बातचीत हुई।

वहीं, भारत के विदेश मंत्री ने चीनी समकक्ष से की गई मुलाकात के बारे में लिखा कि पोलितब्यूरो सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी से मिलकर अच्छा लगा।

26वां शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन 1 सितंबर 2026 को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में आयोजित किया गया। यह सम्मेलन एससीओ की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित हुआ। इसका थीम स्थायी शांति, विकास और समृद्धि के लिए मिलकर काम करना रखा गया।

ब्रिटेन के प्रतिबंध से नाराज उत्तर कोरिया ने लंदन में राजनयिक मिशन का दर्जा घटाया

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया ने ब्रिटेन के खिलाफ राजनयिक कदम उठाते हुए लंदन स्थित अपने राजनयिक मिशन का दर्जा घटा दिया है। प्योंगयांग ने यह फैसला ब्रिटेन द्वारा उत्तर कोरिया के एक बाल शिविर पर प्रतिबंध लगाए जाने के विरोध में किया है।

ब्रिटेन ने इस शिविर के रूस के साथ मिलकर यूक्रेनी बच्चों को जबरन विस्थापित किए जाने और उन्हें वैचारिक रूप से प्रभावित करने से जुड़े होने का संदेह जताया है। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर जारी बयान में ब्रिटेन के फैसले को 'राजनीतिक रूप से उकसावे वाली कार्रवाई' करार देते हुए इसे प्योंगयांग की ओर से 'राजनयिक जवाब' बताया।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, घोषणा में कहा गया है कि राजदूत मुन म्योंग-सिन को वापस बुला लिया गया है और उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। उनकी जगह 'चार्ज डी अफेयर्स' (कार्यवाहक प्रमुख) लंदन में मिशन के कार्यवाहक प्रमुख के तौर पर काम करेंगे।

प्योंगयांग ने ब्रिटेन के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि लंदन उसके बच्चों के शिविर को यूक्रेनी बच्चों के 'जबरन विस्थापन' के एक कथित और आधारहीन मामले से जोड़कर उत्तर कोरिया की छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। उत्तर कोरिया ने यह भी आरोप लगाया कि ब्रिटेन का कदम रूस के साथ उसके संबंधों को कमजोर करने की कोशिश है।

सोंगडोवन इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स कैंप की स्थापना 1960 में हुई थी। उत्तर कोरिया में यह शिविर लंबे समय से युवाओं के बीच सरकार के प्रति निष्ठा और आधिकारिक विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल होता रहा है। जुलाई में, चीन और रूस के बच्चे भी पूर्वी तटीय शहर वोंसान में स्थित इस कैंप में शामिल हुए।

पहली बारिश में बह गई पुलिया अब 10 पंचायतों की राह हुई दुश्वार !

दो माह से टूटी पुलिया, हजारों ग्रामीण बेहाल—छुरा आने-जाने 10 कि.मी. का अतिरिक्त सफर

विश्व केसरी■

छुरा (मानसिंह निषाद)। क्षेत्र में विकास कार्यों की गुणवत्ता और विभागीय लापरवाही का एक और मामला सामने आया है। कुसुमबुड़ा गांव के समीप स्थित पुलिया टूटे दो माह से अधिक समय बीत जाने के बावजूद अब तक आवागमन बहाल नहीं हो सका है। मानसून की पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त पुलिया पूरी तरह ढहकर बह गई, जिसके बाद क्षेत्र की करीब 10 पंचायतों के ग्रामीणों के सामने आवागमन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। हालात यह हैं कि छुरा आने-जाने वाले ग्रामीणों को अब करीब 10 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर तय करना पड़ रहा है।

टूटी पुलिया केवल एक गांव की समस्या नहीं है, बल्कि पिपराही, दुल्ला, सारागांव, कोसमी, नयापारा, नवगई, भैंसामुंडा, केवटीझर, टोनहीडबरी, भरवामुंडा, रसेला सहित आसपास के अनेक गांवों के लोगों के लिए यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण है। यही मार्ग क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए मुख्य सड़क से जुड़ने के साथ-साथ उड़ीसा आवागमन का भी प्रमुख मार्ग बताया जा रहा है। पुलिया टूटने के बाद सैकड़ों गांवों के लोगों का संपर्क प्रभावित हुआ है और हजारों ग्रामीणों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

10 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी ने बढ़ाई परेशानी

पुलिया टूटने के कारण ग्रामीणों को छुरा आने-जाने के लिए वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे जहां लोगों को करीब 10 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है, वहीं समय और आर्थिक खर्च भी बढ़ गया है। रोजमर्रा के काम से छुरा आने वाले ग्रामीण, व्यापारी, मजदूर और नौकरीपेशा लोगों के लिए यह रास्ता बड़ी परेशानी का कारण बन गया है।

सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों और विद्यार्थियों को उठानी पड़ रही है। बच्चों को स्कूल पहुंचने के लिए लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। वहीं मरीजों को अस्पताल

तक पहुंचाने में भी अतिरिक्त समय लग रहा है। बारिश के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो गई है, जिससे ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

शिवसेना यूबीटी ने किया पुलिया स्थल का निरीक्षण

ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे के प्रतिनिधिमंडल ने कुसुमबुड़ा पहुंचकर क्षतिग्रस्त पुलिया स्थल का जायजा लिया। मौके की स्थिति देखने के बाद शिवसेना नेताओं ने पुलिया निर्माण की गुणवत्ता और संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। शिवसेना नेता महेश वासुदेव दुबे ने कहा कि पुलिया के क्षतिग्रस्त होने के बाद लंबे समय तक उसका उचित निरीक्षण और तत्काल सुधार नहीं किया जाना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पहली बारिश में ही पुलिया का पूरी तरह बह जाना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करता है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ-साथ क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्कूली बच्चों, मरीजों, दैनिक मजदूरों और आम राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में जिला प्रशासन को मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराना चाहिए।

पहले डायवर्सन मार्ग , फिर स्थाई पुलिया की मांग

शिवसेना यूबीटी ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्रामीणों की सुरक्षा और आवागमन को ध्यान में रखते हुए तत्काल सुगम डायवर्सन मार्ग तैयार किया जाए, ताकि लोगों को अतिरिक्त दूरी तय न करनी पड़े। इसके साथ ही क्षतिग्रस्त पुलिया के स्थान पर जल्द से जल्द मजबूत और गुणवत्तापूर्ण पक्की पुलिया का निर्माण शुरू कराया जाए। शिवसेना ने पुलिया निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराकर जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों एवं निर्माण एजेंसी की भूमिका की जांच करने तथा दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई करने की भी मांग की है।

कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

शिवसेना नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन द्वारा जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्र की आम जनता और ग्रामीणों को साथ लेकर जनआंदोलन किया जाएगा। शिवसेना ने कहा कि सड़क और पुलिया जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए ग्रामीणों को महीनों तक परेशान होना पड़े, यह शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल है।

प्रतिनिधिमंडल में मितेश शर्मा, टिकेश साहू, दीपेंद कुंजाम सहित शिवसेना के पदाधिकारी एवं शिवसैनिक उपस्थित रहे।

ग्रामीणों का सवाल—आखिर कब बनेगा रास्ता ?

दो माह से अधिक समय से पुलिया टूटे होने के बावजूद स्थाई समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। बरसात के दौरान स्थिति और बिगड़ने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार किए बिना तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। टूटी पुलिया के कारण 10 पंचायतों की जिंदगी प्रभावित है और ग्रामीण अब सिर्फ एक सवाल पूछ रहे हैं—आखिर उन्हें सुरक्षित और सुगम रास्ता कब मिलेगा ?

सीमावर्ती राज्यों के पुलिस अधिकारियों की समन्वय बैठक

विश्व केसरी■

धमतरी (राजशेखर नायर)। एसपी धमतरी भावना पांडेय के निर्देश पर सोमवार को थाना बोरई में अंतर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्र में माओवादी गतिविधियों, एनडीपीएस मामलों एवं अन्य संबंधित अपराधों की रोकथाम तथा प्रभावी पुलिस समन्वय को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सीमावर्ती राज्यों के पुलिस अधिकारियों के मध्य अपराध एवं संदिग्ध गतिविधियों से संबंधित सूचनाओं का आदान-प्रदान किया गया। भविष्य में किसी भी माओवादी गतिविधि, संदिग्ध व्यक्ति अथवा अन्य आपराधिक गतिविधि की जानकारी प्राप्त होने पर तत्काल सूचना साझा कर संयुक्त रूप से प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई।

बैठक में एसडीओपी नगरी विपिन रंगारी, एसडीओपी, थाना प्रभारी बोराई निरी. मधुनाथ ध्रुव,उमरकोट सुरेंद्र कुमार सबर, नवरंगपुर नक्सल ऑप्स निरीक्षक बिपिन कुमार साहू, थाना प्रभारी रायघर निरीक्षक टेकचंद खटवा, थाना प्रभारी कुंदई प्रदीप कुमार सबर, थाना प्रभारी बोरई तथा सीतानदी सीएएफ कैंप प्रभारी कंपनी कमांडर दिलीप कुमार मंडावी सहित पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर समन्वय, सतत निगरानी एवं त्वरित सूचना तंत्र को मजबूत करने की दिशा में बैठक को महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

कांकेर में भालुओं का आतंकः देर रात युवक पर झुंड ने किया हमला

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जिले में भालुओं का आतंक लगातार जारी है। देर रात सड़क से गुजर रहे एक युवक पर भालुओं के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना हल्बा चौकी क्षेत्र के ग्राम बड़ाटोला की बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार जेपरा निवासी मिथलेश गंगबेर देर रात करीब 12 बजे बड़ाटोला क्षेत्र से गुजर रहा था। इसी दौरान अचानक भालुओं के झुंड ने उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से युवक संभल नहीं पाया और भालुओं ने उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घायल युवक ने किसी तरह मदद के लिए आवाज लगाई। उसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसे भालुओं के चंगुल से बचाया। घटना के बाद

क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लगातार सामने आ रही भालुओं के हमले की घटनाओं से ग्रामीणों में वन विभाग से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम और भालुओं के आतंक से निजात दिलाने की मांग उठने लगी है।

साइबर जागृति अभियान के तहत विद्यार्थियों को किया गया साइबर अपराधों के प्रति जागरूक

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों को देखते हुए आम नागरिकों विशेषकर विद्यार्थियों एवं युवाओं को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आज दिनांक 31 अगस्त 2026, दिन सोमवार को सुबह 10:30 बजे पीएम श्री इंग्लिश मीडियम आत्मानंद स्कूल, सक्ती में मारवाड़ी युवा मंच सक्ती के सहयोग से साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक जिला सक्ती प्रफुल्ल कुमार ठाकुर, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) सक्ती डॉ. भुवनेश्वरी पैकरा, थाना प्रभारी सक्ती निरीक्षक लखनलाल पटेल, जनप्रतिनिधि श्याम सुंदर

अग्रवाल एवं सांसद प्रतिनिधि संजय रामचंद सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, पुलिस अधिकारी-कर्मचारी, मारवाड़ी युवा मंच के सदस्य एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को बताए साइबर अपराध से बचने के महत्वपूर्ण उपाय - कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वर्तमान समय में बढ़ रहे विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन ठगी के तरीकों के संबंध में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को विशेष रूप से समझाया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, PIN, पासवर्ड, CVV, बैंक संबंधी जानकारी अथवा व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों को अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, APK फाइल डाउनलोड नहीं करने, संदिग्ध वेबसाइट एवं मोबाइल एप से बचने तथा अनजान नंबरों से आने वाली WhatsApp वीडियो कॉल अथवा अन्य संदिग्ध कॉल से सावधान रहने की समझाइश दी गई।

डॉ. महन्त के प्रयास से खुला धान खरीदी केंद्र : गिरधर जायसवाल

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। आगामी धान खरीदी के लिए विधानसभा क्षेत्र सकती में विकास खण्ड सकती के ग्राम जेठा एवँ परसदा खुर्द विकास खण्ड बलौदा के

ग्राम कुरदा एवँ विकास खंड बमनीनडीह के ग्राम दुरपा में विधायक डॉ चरण दास महन्त नेता प्रतिपक्ष के प्रयास से नया धान खरीदी केन्द्र खोले जाने हेतु नागरिक आपूर्ति निगम छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आदेश जारी किया गया हैं इस सम्बंध में जिला कलेक्टर कार्यालय सकती के प्रतिनिधि गिरधर जायसवाल ने बताया कि डॉ महन्त के विधानसभा क्षेत्र सकती में दौरे पर ग्रामीणों किसानों एवँ पंचायत प्रतिनिधियों कॉग्रेस कार्यकर्ताओं सहित ब्लाक कॉग्रेस अध्यक्ष रविंद्र शर्मा शास्वत धर दिवान विधायक प्रतिनिधि डॉ संतोष यादव वरिष्ठ कॉग्रेस नेता जितेंद्र जायसवाल दीपक बरेठ सरपंच कुरदा नरसिंह साहू सरपंच दुरपा सपना चौहान जनपद सदस्य सभापति सत्य प्रकाश महन्त सरपंच ग्राम पंचायत हरदा परसदा खुर्द फुलेश्वरी रूपेश पटेल जेठा के जनपद सदस्य सुनीता श्रीवास सरपँच सुशीला चंद्रा वरिष्ठ कॉग्रेस नेता गणेश राम चंद्रा ने डॉ महन्त से मुलाकात कर धान खरीदी में होने वाली परेशानियों से अवगत कराते हुए जेठा परसदा में नई धान खरीदी केंद्र खोले जाने की मांग की थी इस सम्बंध डॉ चरण दास महन्त ने छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण दयाल दास बघेल को 30 जुलाई 2026 को पत्र प्रेषित कर नए धान खरीदी केद्र खोले जाने की बात कही थी विभाग द्वारा 31 अगस्त 2026 को नए धान खरीदी केद्र खोले जाने की स्वीकृति प्रदान करते हुये आदेश जारी किया है।

छात्रावास के पास शराब दुकान हटाने की मांग 3 सितंबर को भीम आर्मी निकालेगी रैली

विश्व केसरी■

दुर्गकोंदल (दीपक शर्मा)। छात्रावास के समीप संचालित अंग्रेजी शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग को लेकर भीम आर्मी भारत एकता मिशन ब्लॉक दुर्गूकोंदल के पदाधिकारियों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा 3 सितंबर को शांतिपूर्ण रैली एवं धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में पदाधिकारियों ने तहसीलदार दुर्गूकोंदल को ज्ञापन सौंपकर कार्यक्रम की जानकारी दी 7 भीम आर्मी के पदाधिकारियो ने बताया कि छात्रावास के समीप शराब दुकान संचालित होने से विद्यार्थियों के अध्ययन के वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। साथ ही क्षेत्र के युवाओं पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है। इसी समस्या के समाधान की मांग को लेकर 3 सितंबर को सुबह 11 बजे शांतिपूर्ण रैली निकाली जाएगी। रैली दुर्गूकोंदल मुख्य चौक से प्रारंभ

होकर कोदापाखा चौक होते हुए तहसील कार्यालय पहुंचेगी। इसके बाद तहसील कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन कर प्रशासन के समक्ष प्रमुख मांग रखी जाएगी कि छात्रावास के पास संचालित अंग्रेजी शराब दुकान को तत्काल अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने कहा कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण, अहिंसक एवं लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा। किसी भी प्रकार की तोड़फोड़, अभद्र व्यवहार अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधि नहीं की जाएगी। प्रदर्शन में प्रशासन एवं पुलिस के सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष पूनमचंद तारम, ब्लॉक अध्यक्ष ललित दुग्गा, रानू राम, कृष्णा कोरार्म एवं संतु राम सहित अन्य पदाधिकारी और क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

सट्टा के विरुद्ध सक्ती पुलिस की सख्ती

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। पुलिस अधीक्षक जिला सक्ती प्रफुल्ल कुमार ठाकुर (भा.पु.से.) के निर्देशन में जिले में जुआ, सट्टा, अवैध गतिविधियों एवं आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को सक्ती शहर क्षेत्र में पूर्व में सट्टा खेलने एवं सट्टा खिलाने के मामलों में प्रकरण दर्ज किए गए व्यक्तियों को पुलिस द्वारा बुलाकर विशेष रूप से समझाइश दी गई।

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा उपस्थित व्यक्तियों को स्पष्ट रूप से समझाया गया कि सट्टा खेलना एवं खिलाना कानूनन अपराध होने के साथ-साथ व्यक्ति, परिवार एवं समाज के लिए गंभीर रूप से नुकसानदायक है। सट्टे की गतिविधियों से व्यक्ति आर्थिक संकट में फंसने के साथ-साथ अन्य अपराधों की ओर भी अग्रसर हो सकता है। अत: सभी व्यक्ति सट्टा एवं अन्य अवैध गतिविधियों से पूर्णत: दूर रहकर समाज में शांतिपूर्ण एवं जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा कड़े शब्दों में निर्देशित किया गया कि भविष्य में यदि कोई व्यक्ति पुन: सट्टा खेलते, खिलाते अथवा सट्टा गतिविधियों को बढ़ावा देते पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गुंडा बदमाश एक्ट एवं जिला बदर की कार्रवाई की चेतावनी

पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि सट्टा सहित विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में लगातार संलिप्त रहने वाले एवं समाज में अशांति अथवा भय का वातावरण उत्पन्न करने वाले आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की गतिविधियों पर पुलिस द्वारा सतत निगरानी रखी जाएगी। ऐसे व्यक्तियों के आपराधिक रिकॉर्ड एवं गतिविधियों के आधार पर गुंडा बदमाश एक्ट के तहत कार्रवाई किए जाने के साथ-साथ आवश्यकतानुसार जिला बदर की वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि अपराध की पुनरावृत्ति करने वाले एवं बार-बार कानून व्यवस्था के लिए चुनौती उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों के प्रति पुलिस द्वारा किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। अपराधियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक एवं वैधानिक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

समझाइश के बाद स्वयं बने सट्टा विरोधी जागरूकता अभियान का हिस्सा

पुलिस द्वारा दी गई समझाइश के पश्चात संबंधित व्यक्तियों द्वारा भी भविष्य में स्वयं में सुधार करने तथा सट्टा एवं अन्य अपराधों से दूर रहने की बात कही गई। इसी सकारात्मक भावना को आगे बढ़ाते हुए संबंधित व्यक्तियों द्वारा पुलिस के साथ सक्ती शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया।

फ्लैग मार्च के दौरान उनके द्वारा

दाढ़ी नगर में कुम्हार परिवारों की कला आज भी जिंदा 500 से 20 हजार रुपए तक की गणेश प्रतिमाएं तैयार

विश्व केसरी■

बेमेतरा/दाढ़ी (अनिल त्रिपाठी)। गणेशोत्सव को लेकर नगर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। दाढ़ी के कुम्हार परिवारों ने मिट्टी से भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमाएं बनाना शुरू कर दिया है। यहां 500 रुपए से लेकर 20 हजार रुपए तक की गणेश प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं। मूर्तियों को आकर्षक रूप देने के साथ ही अलग-अलग आकार और डिजाइन में तैयार किया जा रहा है। नगर के अलावा आसपास के गांवों से भी प्रतिमाओं के लिए ऑर्डर मिल रहे हैं।

मूर्तिकार गोविंद कुंभकार, श्रवण कुंभकार और कोमल कुंभकार ने बताया कि गणेश प्रतिमाएं ग्राहकों के ऑर्डर के अनुसार तैयार की जा रही हैं। इस वर्ष छोटी-बड़ी

मिलाकर 500 से अधिक गणेश प्रतिमाएं बनाने का लक्ष्य है। तैयार प्रतिमाओं को दाढ़ी नगर सहित आसपास के अंचल के गांवों में गणेश पर्व के लिए भेजा जाएगा।

50 कुम्हार परिवार आज भी पुश्तैनी कारोबार से जुड़े - दाढ़ी में करीब 50 घरों के कुम्हार परिवार आज भी अपने पुश्तैनी कारोबार से जुड़े हुए हैं। बदलते दौर में बाजार में प्लास्टर ऑफ पेरिस और अन्य सामग्री से बनी वस्तुओं की उपलब्धता बढ़ने के बावजूद इन परिवारों ने मिट्टी के पारंपरिक कारोबार को नहीं छोड़ा है। सालभर अलग-अलग पर्व और मौसम के अनुसार मिट्टी की सामग्री तैयार कर इनकी बिक्री की जाती है। बबला कुंभकार ने बताया कि कुम्हार परिवारों का काम किसी एक त्योहार तक सीमित नहीं है। सालभर मिट्टी से अलग-अलग तरह की मूर्तियां, बर्तन और उपयोगी सामग्री तैयार की जाती है। गणेशोत्सव के बाद दीपावली के लिए लक्ष्मी की प्रतिमाएं और मिट्टी के दीये बनाए जाते हैं। होली पर्व के लिए भी जरूरत के अनुसार मूर्तियों का निर्माण किया जाता है। वहीं नवरात्र में मिट्टी के कलश की मांग बढ़ जाती है।

पोला पर्व के लिए बेल पोरा और बर्तन तैयार - आगामी पोला पर्व को देखते हुए कुम्हार परिवारों ने मिट्टी से बने बेल पोरा सहित पारंपरिक सामग्री और अन्य मिट्टी के बर्तन भी तैयार करना शुरू कर दिया है। गांवों में पर्व के दौरान इन पारंपरिक वस्तुओं की मांग रहती है। कुम्हार परिवार स्थानीय बाजार के साथ गांव-गांव जाकर भी इनकी बिक्री करते हैं।

वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी, छाती-उड़ेना-झिरिया-कंडेल-भोथली-संबलपुर तक 16 किमी मार्ग के लिए 35.87 करोड़ रुपए की स्वीकृति

विश्व केसरी■

धमतरी (राजशेखर नायर)। वर्षों से क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही बहुप्रतीक्षित मांग अब पूरी होने जा रही है। छाती, उड़ेना, झिरिया, कंडेल, भोथली से संबलपुर तक लगभग 16 किलोमीटर मार्ग निर्माण के लिए 35.87 करोड़ रुपए की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्र के ग्रामवासियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है।

स्वीकृति मिलने की खुशी में बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं भाजपा कार्यकर्ता नगर निगम पहुंचे और महापौर जगदीश 'रामू' रोहरा को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय अभिनंदन एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस दौरान ग्रामवासियों ने कहा कि लंबे समय से इस मार्ग के निर्माण की मांग की जा रही थी। मार्ग निर्माण होने से ग्रामीणों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र के विकास को भी नई गति प्राप्त होगी। ग्रामवासियों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने महापौर रामू रोहरा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उत्साहपूर्वक कहा— 'रामू है तो भरोसा है।' उन्होंने कहा कि महापौर के निरंतर प्रयासों और क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ शासन-प्रशासन तक पहुंचाने से यह महत्वपूर्ण कार्य स्वीकृत हुआ है। इस अवसर पर आनंद स्वरूप, महामंत्री मंडल, पूर्णिमा बनपेला, महिला मोर्चा अध्यक्ष, भूमिका कोरार्म, उपाध्यक्ष, तामेश्वरी साहू, महामंत्री, नमिता साहू, धनेश्वरी बंजारे सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्रीहरिकोटा से 4 सितंबर को उड़ान भरेगा देश का पहला जियो-इमेजिंग सैटेलाइट, लॉन्च व्यू गैलरी से देख सकेंगे दर्शक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के अंतरिक्ष मिशन के लिए एक और बड़ी उड़ान तैयार है। केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि जीएसएलवी-एफ17 /ईओएस-05 मिशन 4 सितंबर को लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर यह जानकारी शेयर की।

जितेंद्र सिंह ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'जीएसएलवी-एफ17/ईओएस-05 मिशन 4 सितंबर को सुबह 02:55 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, शार, श्रीहरिकोटा से लॉन्च के लिए निर्धारित है। इसके आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण करके एसडीएससी एसएचएआर में लॉन्च व्यू गैलरी से मिशन को देख सकते हैं।'

जीएसएलवी-एफ17 भारत के जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) की 19वीं उड़ान है। जीएसएलवी-एफ17 की पेलोड फेयरिंग 4 मीटर डायमीटर वाली ओगिव (कम्पोजिट) वर्जन है। यह रॉकेट ईओएस-05 सैटेलाइट को सब-जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में स्थापित करेगा। लॉन्च सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, शार के दूसरे लॉन्च पैड (एसएलपी) से किया जाएगा।

ईओएस-05 एक अत्याधुनिक अर्थ ऑब्जर्वेशन अंतरिक्ष यान है। यह जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट से भारत का पहला इमेजिंग सैटेलाइट है। इसे जीआईएसएटी-1ए के नाम से भी जाना जाता है। इस सैटेलाइट का वजन 2,367 किलोग्राम है।

इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय उपमहाद्वीप की लगभग रियल-टाइम, हाई-रिजॉल्यूशन इमेजिंग उपलब्ध कराना है, जो आपदा निगरानी, कृषि और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी।

अगर आप इस ऐतिहासिक लॉन्च को अपनी आंखों से देखना चाहते हैं, तो आप सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) एसएचएआर में लॉन्च व्यू गैलरी में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करके देख सकते हैं। इसके अलावा इसरो के यूट्यूब चैनल पर 4 सितंबर को सुबह 02:25 बजे से लाइव कवरेज शुरू हो जाएगी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा बनाई गई एक विशेष दर्शक दीर्घा है, जहां से आम जनता रॉकेट लॉन्चिंग को अपनी आंखों से लाइव देख सकती है। यह गैलरी आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा में स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में बनाई गई है।

गोवा से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान ने तकनीकी खराब के चलते की इमरजेंसी लैंडिंग

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। गोवा से दिल्ली जा रही इंडिगो की एक उड़ान ने मंगलवार को विमान में आई 'तकनीकी समस्या' के बाद आपातकालीन स्थिति में गोवा लौटकर सुरक्षित लैंडिंग की। यह जानकारी एयरलाइन की ओर से दी गई। इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 2102 ने उत्तरी गोवा से सुबह 9:16 बजे उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही देर बाद चालक दल द्वारा तकनीकी समस्या की सूचना दिए जाने के बाद विमान वापस गोवा की ओर मुड़ गया। इस दौरान विमान को सुरक्षित रास्ता देखने को लिए मनोहर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे ने करीब सुबह लगभग 9:30 बजे 'फुल इमरजेंसी' घोषित कर दी थी। हालांकि, विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यात्रियों को बोर्डिंग क्षेत्र में ठहराया गया।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा, 'उत्तरी गोवा से दिल्ली जा रही इंडिगो की उड़ान 6ई 2102 में उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद तकनीकी समस्या का पता चला। मानक संचालन प्रक्रिया के तहत संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया और पायलटों ने विमान को वापस मोड़कर मनहर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर सुरक्षित उतार लिया।'

एयरलाइन ने कहा कि विमान की फिलहाल रखरखाव संबंधी जांच की जा रही है और सभी आवश्यक मंजूरियां मिलने के बाद वह दोबारा परिचालन शुरू करेगा।

इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा, 'हम अपने ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हैं। इसे कम करने के लिए हमने हर संभव प्रयास किया, जिसमें यात्रियों को जलपान उपलब्ध कराना और समय-समय पर अपडेट देना शामिल है।'

एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इंडिगो ने कहा, 'हमारे ग्राहकों, चालक दल और विमानों की सुरक्षा इंडिगो में हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है।'

इससे पहले पिछले महीने इंडिगो की वेबसाइट पर तकनीकी समस्या सामने आई थी, जिसके कारण कई यात्री उड़ानों की बुकिंग करने, वेब चेक-इन पूरा करने या कुछ ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करने में असमर्थ रहे थे।

कुछ यूजर्स ने एयरलाइन के मोबाइल एप्लिकेशन में लॉग-इन करने में भी परेशानी की सूचना दी थी।

एयरलाइन ने एक सर्विस एडवाइजरी के माध्यम से इस समस्या को स्वीकार करते हुए कहा था कि उसके मुख्य आरक्षण प्लेटफॉर्म में रुक-रुक कर तकनीकी समस्याएं आ रही थीं।

कमल की तरह स्थिर करेगा तन और मन, जानिए पद्मासन करने की सही विधि और लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग भारतीय संस्कृति की प्राचीन देन है और इसको अपनाने से तन और मन दोनों ही स्वस्थ्य रहता है। योग के विभिन्न आसनों में पद्मासन विशेष स्थान रखता है। यह शरीर को स्थिरता, मन को एकाग्रता और आत्मा को शांति प्रदान करने वाला अत्यंत प्रभावशाली योग-अभ्यास है।

पद्मासन संस्कृत के दो शब्दों 'पद्म' (कमल) और आसन (बैठने की मुद्रा) के मेल से बना है। अंग्रेजी में इस आसन को 'लोटस पोज' भी कहा जाता है। यह आसन शरीर को मुख्य रूप से ध्यान और प्राणायाम के लिए आधार तैयार करता है।

केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, पद्मासन एक स्थिर और सुखदायक ध्यानात्मक मुद्रा है, जो मन को शांत करने, एकाग्रता बढ़ाने और आंतरिक ऊर्जा को जागृत करने में अत्यंत प्रभावी है। यह योग अनुशासन का मूल आधार माना जाता है।

यह आसन आधुनिक जीवन की

मानसिक थकान को दूर कर एकाग्रता की नई ऊर्जा भरने का एक दिव्य माध्यम है। बिना किसी उपकरण के केवल सही तकनीक और निरंतर अभ्यास से पद्मासन हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य में क्रांतिकारी बदलाव लाता है।

पद्मासन की मुद्रा में बैठने से पेट की मांसपेशियों पर हल्का दबाव पड़ता है, खून का संचार तेज होता है और पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। यह गैस, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में मददगार हो सकता है। साथ ही, इसका रोज अभ्यास करने से जोड़ों का लचीलापन बढ़ता है और वे मजबूत होते हैं। जो लोग ज्यादा देर खड़े रहते हैं या चलते हैं, उनके पैरों के दर्द में यह काफी मदद करता है।

पद्मासन में पीठ सीधी रहती है, जिससे रीढ़ की हड्डी सीधी और मजबूत होती है। यह कमर दर्द और झुककर बैठने की आदत को सुधारता है। साथ ही, श्रोणि क्षेत्र में ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करता है, जिससे महिलाओं में मासिक धर्म से जुड़ी समस्याओं में भी आराम मिलता है।

इस आसन को करने के दौरान दोनों पैरों को मोड़कर रखा जाता है, जिससे कई लोगों को समस्या होने लगती है। यदि किसी साधक दोनों पैरों को एक साथ रखकर पद्मासन में बैठने में समस्या होती है, तो वह एक पैर को विपरीत जांघ पर रखकर अर्ध-पद्मासन में भी बैठ सकता है। ऐसा तब तक करते रहें जब तक पद्मासन तक पहुंचने के लिए पर्याप्त लचीले महसूस न हो।

गुर्दे की सेहत के लिए वरदान हैं ये योगाभ्यास, जानें करने का सही तरीका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। स्वास्थ्य का वास्तविक अर्थ केवल बीमारियों का इलाज करना नहीं बल्कि शरीर को स्वाभाविक रूप से स्वस्थ और मजबूत बनाए रखना है। गुर्दे हमारे शरीर का प्राकृतिक फिल्टरिंग सिस्टम है, जो शरीर की सफाई में काम करता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि आंतरिक अंगों की मालिश और पुनर्प्राप्ति की एक सूक्ष्म तकनीक है। सही योगाभ्यासों, प्राणायाम और सजगता के माध्यम से हम न केवल अपने गुर्दों को स्वस्थ रख सकते हैं बल्कि भविष्य में होने वाले गंभीर जोखिमों से भी इनका बचाव कर सकते हैं।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने कुछ ऐसे आसनों के बारे में बताया, जो गुर्दे पर प्रभाव डालते हैं और उसकी कार्यप्रणाली को मजबूत बनाते हैं। इनमें उत्तानपदासन, सेतुबंधासन, धनुरासन, भुजंगासन, अर्ध मत्स्येन्द्रासन, वक्रासन, कटिचक्रासन, त्रिकोणासन जैसे कई योगाभ्सास शामिल हैं।

उत्तानपदासन : यह आसन सीधे तौर पर गुर्दे की किसी बीमारी को ठीक नहीं करता लेकिन यह शरीर की आंतरिक प्रणालियों को मजबूत कर गुर्दे की कार्यक्षमता में सुधार लाता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, इस आसन को करने के दौरान जब साधक पैरों को ऊपर उठाते हैं, तो निचले हिस्से से रक्त का प्रवाह पेट और पीठ के निचले हिस्से (जहां गुर्दे स्थित होते हैं) की ओर बढ़ता है। बेहतर ब्लड सर्कुलेशन से गुर्दे को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलती है और वह खून को बेहतर ढंग से फिल्टर कर पाता है।

सेतुबंधासन: इस योगासन को करने से पेट के भीतरी अंगों के साथ-साथ गुर्दे को भी उत्तेजित (स्टिम्युलेट) करता है। इस अभ्यास से पेल्विक क्षेत्र और किडनी के आसपास रक्त का संचार सुचारू होता है, जिससे अंगों को पोषण मिलता है। साथ ही, यह हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में अहम भूमिका अदा करता है।

धनुरासन: धनुरासन के अभ्यास के दौरान पेट और कमर के हिस्से में खिंचाव होता है, जिससे गुर्दे सहित अंदरूनी अंगों में रक्त का संचार बेहतर होता है। यह आसन अंगों को उत्तेजित करके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और मूत्र विकारों को दूर करने में मददगार माना जाता है।

वक्रासन: अग्न्याशय को उत्तेजित करता है जिससे इंसुलिन का स्राव बेहतर होता है। वक्रासन में शरीर को मोड़ने से पेट के निचले हिस्से और कमर की मांसपेशियों पर हल्का दबाव पड़ता है।

टाइट जूते से हाई हील तक, पैरों में क्या पहनते हैं इसका शरीर पर पड़ता है असर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हम अक्सर कपड़े, हेयरस्टाइल और अपनी फिटनेस पर तो खूब ध्यान देते हैं, लेकिन पैरों में क्या पहन रहे हैं, इस पर उतना गौर नहीं करते। जूते या चप्पल खरीदते समय कई लोगों के लिए डिजाइन, रंग और कीमत सबसे जरूरी होती है। लेकिन साइंस की मानें तो फुटवियर सिर्फ फैशन का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध पैरों की चाल, दबाव और शरीर के निचले हिस्से की मूवमेंट से भी है। गलत साइज या गलत डिजाइन का फुटवियर लंबे समय तक पहनने पर पैरों में दर्द और दूसरी परेशानियों का कारण बन सकता है।

अगर जूता पैर से छोटा है या बहुत टाइट है तो पैर की उंगलियों को सही जगह नहीं मिलती। इससे उंगलियों पर लगातार दबाव पड़ता है। लंबे समय तक ऐसा होने पर पैरों में दर्द, छाले, कॉर्न और त्वचा पर मोटी परत जैसी परेशानियां हो सकती हैं।

कई लोग जूता खरीदते समय सिर्फ यह देखते हैं कि पैर उसमें आ रहा है या नहीं। लेकिन जूते की चौड़ाई भी उतनी ही जरूरी है। अगर आगे से जूता बहुत संकरा है तो पैर की उंगलियां आपस में दब सकती हैं। इससे चलने में परेशानी और पैरों में दर्द हो सकता है। इसलिए ऐसा जूता बेहतर माना जाता है जिसमें उंगलियों को थोड़ा फैलने की जगह मिले। अगर आप लगातार हाई हील पहनते हैं तो यह सिर्फ पैरों तक सीमित असर नहीं डालती। रिसर्च में हाई हील्स को पैर की बनावट में बदलाव, मस्कुलोस्केलेटल दर्द और चोट के बढ़े हुए खतरे से जोड़ा गया है। एक अन्य मेटा-एनालिसिस में पाया गया कि ऊंची हील पहनने पर चलते समय घुटने पर पड़ने वाले कुछ लोड और मोमेंट बढ़ जाते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कभी-कभार हील पहनना हर किसी के लिए नुकसानदायक है। रोजाना लंबे समय तक हाई हील पहनना पैरों के लिए परेशानी बढ़ा सकता है।

हमारे पैर जमीन पर शरीर का वजन संभालते हैं। जूते का आकार और डिजाइन बदलने पर चलने का तरीका भी थोड़ा बदल सकता है। अगर जूता सही फिट नहीं है ।

सूर्य नमस्कार से लेकर अर्ध मत्स्येन्द्रासन तक: किडनी को हेल्दी रखने के लिए रोजाना करें ये 9 योगासन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। किडनी (गुर्दा) हमारे शरीर के बेहद महत्वपूर्ण अंग हैं। ये खून को साफ करने, शरीर से अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकालने और पानी व इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में किडनी की सेहत का ध्यान रखना जरूरी है। नियमित शारीरिक गतिविधि और संतुलित जीवनशैली के साथ कुछ योगाभ्यास भी शरीर को सक्रिय और स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर किडनी हेल्दी वाले 9 आसान योगासनों के बारे में बताया है।

सूर्य नमस्कार: सूर्यनमस्कार 12 आसनों का एक समूह है। इसका नियमित अभ्यास पूरे शरीर में रक्त परिसंचरण को बेहतर बनाता है। यह किडनी में ऑक्सीजन युक्त रक्त के प्रवाह को बढ़ाता है, जिससे किडनी की फिल्टर करने की क्षमता में सुधार होता है और शरीर से विषाक्त पदार्थ आसानी से बाहर निकलते हैं।

उत्तानपादासन: इस आसन में पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों को एक साथ ऊपर उठाया जाता है। यह आसन पेट की मांसपेशियों और गुर्दे के आसपास के अंगों को सक्रिय करता है। इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और किडनी पर जमा अतिरिक्त दबाव कम होता है।

त्रिकोणासन: इस आसन में शरीर को त्रिकोण के आकार में खींचा जाता है। यह किडनी और एड्रिनल ग्रंथि को उत्तेजित करता है। इससे किडनी के आसपास जमी चर्बी कम होती है ।

प्रकृति का वरदान है लामज्जक, जोड़ों के दर्द और त्वचा रोगों में देता है आराम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हमारे आसपास कई ऐसे पौधे पाए जाते हैं, जिनका इस्तेमाल सदियों से आयुर्वेद और लोक चिकित्सा में अलग-अलग तरह से किया जाता रहा है। लामज्जक भी ऐसा ही एक औषधीय पौधा है। इसे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में बुखार, गठिया, शरीर के दर्द और त्वचा से जुड़ी कुछ समस्याओं के लिए उपयोगी माना गया है।

आयुष मंत्रालय ने नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर बताया कि लामज्जक एक बहुवर्षीय जड़ी-बूटी है। इसका मतलब है कि यह एक बार उगने के बाद लंबे समय तक जीवित रह सकता है और अनुकूल परिस्थितियों में साल-दर-साल बढ़ता रहता है।

आयुर्वेद और लोक चिकित्सा में लामज्जक का पारंपरिक उपयोग बुखार में किया जाता रहा है। इसे शरीर में बढ़ी गर्मी को संतुलित करने में सहायक माना जाता है। हालांकि, तेज या लगातार बुखार कई गंभीर बीमारियों का संकेत भी हो सकता है, इसलिए केवल किसी जड़ी-बूटी पर निर्भर रहने के बजाय चिकित्सकीय जांच जरूरी है।

लामज्जक का इस्तेमाल पारंपरिक रूप से गाउट (गठिया के एक प्रकार) और रूमेटिज्म जैसी स्थितियों में भी बताया जाता है। शरीर में दर्द या जोड़ों की तकलीफ के दौरान इसे लोक चिकित्सा में उपयोग किया जाता रहा है। लेकिन दर्द का कारण जानना जरूरी है, क्योंकि अलग-अलग समस्याओं का उपचार भी अलग होता है।

दलीप ट्रॉफी: वैभव, अभिमन्यु के साथ चमके मुकेश, 'सेंट्रल' को 4 विकेट से हराकर फाइनल में 'ईस्ट जोन'

विश्व केसरी ■

बेंगलुरु। ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी 2026 के 'सेमीफाइनल-1' में सेंट्रल जोन के खिलाफ मुकाबले के तीसरे दिन 4 विकेट से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। कुल 7 विकेट हासिल करने वाले मुकेश कुमार को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अब फाइनल मैच चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 6 सितंबर से शुरू होगा, जिसमें ईस्ट जोन की भिड़ंत सेमीफाइनल-2 (नॉर्थ जोन बनाम साउथ जोन) की विजेता टीम से होगी।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 266 रन बनाए। इस पारी में रिंकू सिंह ने सर्वाधिक 60 रन जड़े, जबकि आर्यन जुयाल ने 46 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, यश ठाकुर ने नाबाद 30 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार (56/3) और अभिजीत सरकार ने 3-3 विकेट निकाले, जबकि मोहम्मद शमी और कौनेन कुरैशी ने 2-2 विकेट चटकाए।

इसके जवाब में ईस्ट जोन भी अपनी पहली पारी में 266 रन ही बना सकी। सलामी जोड़ी के रूप में वैभव सूर्यवंशी ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पहले विकेट के लिए 153 गेंदों में 162 रन की साझेदारी की। वैभव 81 गेंदों में 7 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 92 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिमन्यु ने 8 चौकों के साथ 69 रन की पारी खेली। इनके अलावा सुदीप कुमार ने 25 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से हर्ष दुबे ने 4 विकेट झाटके। आर्यन पांडे और यश ठाकुर को 3-3 विकेट हाथ लगे।

सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। इस टीम ने 97 के स्कोर तक 8 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद अरशद खान ने हर्ष दुबे के साथ 9वें विकेट के लिए 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शर्मनाक स्थिति से बाहर निकालने की कोशिश की। हर्ष 3 चौकों के साथ 24 रन बनाकर आट हुए, जिसके बाद अरशद (25) ने यश ठाकुर (नाबाद 4) के साथ 18 रन जोड़े। इस पारी में मुकेश कुमार ने 44 रन देकर 4 विकेट निकाले। इनके अलावा, मोहम्मद शमी ने 3 शिकार किए। अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कौनेन कुरैशी ने 1-1 विकेट झटका।

आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी ईस्ट जोन ने 39.3 ओवरों में जीत हासिल की।

सूर्यवंशी ने ईश्वरन के साथ पहले विकेट के लिए 85 गेंदों में 61 रन जोड़कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। वैभव 43 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 40 रन बनाकर आउट हुए। कुछ देर बाद ईश्वरन (24) भी चलते बने। टीम ने 65 रन तक 2 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कुमार कुशाग्र ने मोर्चा संभाला।

यूएस ओपन: स्वियाटेक, अनिसिमोवा, मुचोवा दूसरे राउंड में पहुंचीं

एजेंसी ■

न्यूयॉर्क। इगा स्वियाटेक ने ग्रैंड स्लैम के शुरुआती राउंड में वांग जियायू पर सीधे सेटों में जीत हासिल करते हुए अगले राउंड में जगह बनाई। वहीं, अमांडा अनिसिमोवा, लिंडा नोस्कोवा और कैरोलिना मुचोवा भी महिला एकल में आगे बढ़ीं।

सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियाटेक ने वांग को एक घंटे 28 मिनट में 6-2, 6-3 से हराया। यह जीत किसी बड़े टूर्नामेंट में उनकी लगातार 28वीं शुरुआती राउंड की जीत थी। उन्हें ग्रैंड स्लैम के पहले राउंड में एकमात्र हार 2019 में विंबलडन में मिली थी।

अनिसिमोवा ने अमेरिकन एश्लिन क्रूगर को 6-1, 6-3 से हराकर दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की की। पिछले साल की न्यूयॉर्क फाइनलिस्ट का अगला मुकाबला ऑस्ट्रियाई टीनएजर लिली टैगर से होगा।

विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा ने केटी वोलिनेट्स के खिलाफ दिन का सबसे जबरदस्त उलटफेर किया। शुरुआती सेट में 2-5 से पीछे चल रही और दो सेट पॉइंट का सामना कर रही नोस्कोवा ने वापसी करते हुए 7-5, 6-1 से जीत हासिल की। मुकाबले के आखिरी 12 गेम में से 11 गेम अपने नाम किए। मुचोवा ने सिंजा क्रॉस को 58 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-0 से हराया। नंबर 15 सीड डायना श्नाइडर भी डारिया स्निगुर पर 6-0, 6-4 से जीत के साथ आगे बढ़ीं, जबकि नंबर 16 सीड सोराना सिर्स्टिया ने जूलिया ग्रैबर को 6-3, 6-0 से हराया। झेंग किनवेन ने 16 साल की क्वालीफायर क्रिस्टीना लिउतोवा पर 4-6, 6-3, 6-1 से कमबैक जीत के साथ अपनी फॉर्म में वापसी जारी रखी। चोट से वापसी के बाद झेंग की यह लगातार चौथी जीत थी। वह लगातार अच्छा खेल रही थीं। पूर्व चैंपियन स्लोएन स्टीफंस ने क्लारा टॉसन को 6-4, 6-1 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया, जिससे विंबलडन 2024 के बाद उनकी पहली ग्रैंड स्लैम मेन-ड्रॉ जीत हुई।

'यादों के लिए धन्यवाद', जय शाह ने लियोनेल मेसी को शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के लिए शुभकामना दी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने मंगलवार को अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर लियोनेल मेसी को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद उनके शानदार करियर के लिए उन्हें बधाई दी है।

शाह ने सोशल मीडिया पर अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान की प्रशंसा की और पिछले साल लुइस सुआरेज और रोड्रिगो डी पॉल के साथ मेसी के भारत आने पर हुई मुलाकात को याद किया। शाह ने एक्स पर मेसी को इंडियन क्रिकेट की जर्सी गिफ्ट करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की।

उन्होंने लिखा, 'एक युग को तय करने वाला अंतरराष्ट्रीय सफर खत्म हुआ। भारत के आपके ऐतिहासिक दौरे के दौरान हमारी मुलाकात को याद करते हुए, आपकी गहरी विनम्रता उतनी ही उभरकर सामने आई जितनी पिच पर आपकी बेजोड़ प्रतिभा।

उन्होंने लिखा, 'आपको निजी तौर पर हमारे राष्ट्रीय रंग में जर्सी गिफ्ट करना एक गर्व का पल था। यादों के लिए धन्यवाद, लियो मेसी। जीवन के अगले अध्याय के लिए आपको शुभकामनाएं।

मेसी ने सोमवार को इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास की की घोषणा की।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, वैभव को मौका, बुमराह भी शामिल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के लिए मंगलवार को 15-सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया। श्रेयस अय्यर टीम की कमान संभालेंगे, जबकि तिलक वर्मा को उप-कप्तानी सौंपी गई है। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी एक बार फिर से भारतीय टी20 टीम का हिस्सा हैं, जिन्होंने पिछले मौके को बखूबी भुनाया था।

इस टीम में नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा को फिटनेस के आधार पर शामिल किया गया है, लेकिन मध्यक्रम के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को मौका नहीं मिला।

टीम में अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती जैसे नियमित खिलाड़ी शामिल हैं। हर्षित राणा की भी टीम में वापसी हुई है,जबकि जुलाई में जिम्बाब्वे में खेलने वाली टीम में कुछ बदलाव किए गए हैं। जिम्बाब्वे टी20 सीरीज में न चुने जाने के बाद संजू सैमसन की वापसी हुई है।

नियमित तेज गेंदबाजों की वापसी से गेंदबाजी विभाग में भी बदलाव हुए हैं। अर्शदीप के साथ बुमराह और हर्षित शामिल हैं। प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा और मयंक यादव, जो सभी जिम्बाब्वे दौरे पर गई टीम का हिस्सा थे, इस बार टीम में जगह नहीं बना सके। हार्दिक पांड्या को भी टीम में जगह नहीं मिली है। भारत और अफगानिस्तान के बीच 13 सितंबर को वनडे सीरीज का पहला मैच खेला जाएगा, जिसके बाद 15 सितंबर को दूसरा मुकाबला आयोजित होगा। सीरीज का तीसरा और अंतिम मैच 17 सितंबर को खेला जाना है। तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे।

वैभव सूर्यवंशी ने हाल ही में दलीप ट्रॉफी 2026 में अपना जलवा बिखेरा है। उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए खेलते हुए सेंट्रल जोन के खिलाफ 92 और 40 रन की पारियां खेली थीं। वैभव ने इंग्लैंड के दौरे पर सीनियर टीम के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। हालांकि, वह इंग्लैंड के विरुद्ध तीन मुकाबलों में 14, 13 और 15 ही रन बना सके, लेकिन इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे पर उन्होंने 50, 20 और 81 रन की पारियां खेलकर 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का खिताब जीता।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की टीम: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा (उप-कप्तान), शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम घोषित हैंड्सकॉम्ब, सैम कोंस्टास को मौका

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत ए टीम के खिलाफ होने वाली दो चार दिवसीय, और तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ए टीम की घोषणा कर दी गई है। पीटर हैंड्सकॉम्ब को ऑस्ट्रेलिया ए टीम में जगह मिली है। इससे उनके टेस्ट करियर को एक और मौका मिल सकता है। टीम में ब्रेंडन डॉगेट और झाई रिचर्डसन भी हैं।

ऑस्ट्रेलिया ए इस महीने के आखिर में दौरे के चार दिवसीय मैचों के लिए पुडुचेरी जाएगी, जिसके बाद तीन 50-ओवर के मैच होंगे। भारत ए के खिलाफ सीरीज बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले दौरे पर आ रहे कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पास सीनियर टीम में जगह बनाने का यह मौका है।

35 साल के हैंड्सकॉम्ब चार दिन की टीम में सबसे उम्रदराज और सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने 2023 में ऑस्ट्रेलिया के पिछले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टूर के सभी चार टेस्ट में खेलने के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेला है और न ही ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेला है। आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलिया के भारत लौटने के साथ, यह टूर उन्हें सीनियर टीम में वापसी की दावेदारी का मजबूत मौका देता है। ऑस्ट्रेलिया सबकॉन्टिनेंटल कंडीशन के लिए अपने तेज गेंदबाजी विकल्प को देख रहा है।

यूएस ओपन: नाओमी ओसाका ने जखारोवा को हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। नाओमी ओसाका ने आर्थर ऐश स्टेडियम में अनास्तासिया जखारोवा पर सीधे सेटों में जीत के साथ तीसरे यूएस ओपन क्राउन के लिए अपने सफर का आगाज किया। दुनिया की पूर्व नंबर 1 खिलाड़ी को दूसरे राउंड में अपनी जगह पक्की करने से पहले दो निर्णायक टाईब्रेक में जाना पड़ा।

2018 और 2020 की चैंपियन ओसाका, बढ़त बनाने के बाद दोनों सेटों में नियंत्रण में दिखीं। वह पहले सेट में 5-2 और दूसरे सेट में 5-3 से आगे थीं।

ओसाका ने धैर्य बनाए रखा, मोमेंटम स्विंग्स को बचाने के बाद पहला ब्रेकर 8-6 से जीता और फिर दूसरा 7-3 से जीतकर मैच दो घंटे से थोड़ा ज्यादा समय में खत्म कर दिया।

इस नतीजे ने ओसाका के शानदार ग्रैंड स्लैम सीजन को भी आगे बढ़ाया। यह 2026 में उनकी 10वीं बड़ी जीत थी, जिससे चारों ग्रैंड स्लैम में उनका रिकॉर्ड 10-2 हो गया। 2019 के बाद से वह किसी सीजन में बड़ी जीत के लिए डबल डिजिट तक नहीं पहुंची थीं, जब उन्होंने 12 जीत हासिल की थीं।

ओसाका की सर्व उनकी जीत का एक और अहम कारण थी। उन्होंने 11 एस मारे, जिसमें एक मैच पॉइंट पर था, जिसमें से 10 दूसरे सेट में आए। उनके सीजन का टैली अब 208 एस तक पहुंच गया है, जिससे वह 2026 में कम से कम 200 रिकॉर्ड करने वाली सिर्फ नौवीं खिलाड़ी बन गई हैं।

यह जीत इस साल हार्ड कोर्ट पर ओसाका की 11वीं जीत भी थी, जिसमें वाशिंगटन, डी.सी. और टोरंटो में क्रमश: सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में उनकी मौजूदगी शामिल है।

उन्होंने अब ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपने शुरुआती राउंड के 29 मैच जीते हैं, और सिर्फ छह हारे हैं। यूएस ओपन के पहले राउंड में उनका रिकॉर्ड 9-1 हो गया, जिसमें उनकी अकेली हार 2022 में डेनियल कॉलिन्स से हुई थी। कुल मिलाकर, ओसाका ने 79 ग्रैंड स्लैम मैच जीते हैं।

ओसाका ने अपने आउटफिट से भी एक स्टेटमेंट दिया। वह आर्थर ऐश स्टेडियम में एक ऑल-व्हाइट गाउन में गई और फिर एनबीए के पूर्व स्टार एलन इवरसन से प्रेरित एक ब्लैक आउटफिट पहन लिया।

सीपीएल 2026: शिमरोन हेटमायर का शतक, अमेजन वॉरियर्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 9 रन से हराया

विश्व केसरी ■

क्वींस पार्क ओवल। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 22वें मैच में अमेजन वॉरियर्स ने बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर की नाबाद शतकीय पारी की बदौलत त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 9 रन से हरा दिया।

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेजन वॉरियर्स ने शिमरोन हेटमायर की तूफानी शतकीय पारी की बदौलत 16 ओवर में 5 विकेट पर 185 रन बनाए थे। हेटमायर ने अपने टी20 करियर का दूसरा शतक लगाया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने मात्र 43 गेंदों पर 9 छक्के और 8 चौके की मदद से नाबाद 111 रन की पारी खेली। इसके अलावा, रोमारियो शेफर्ड ने आखिरी ओवरों में 7 गेंदों पर नाबाद 27 रन बनाए।

शेफर्ड ने अपनी पारी में 3 छक्के और 2 चौके लगाए। हेटमायर और शेफर्ड ने आखिरी 13 गेंदों पर 45 रन बनाकर टीम का स्कोर 5 विकेट पर 185 तक पहुंचाया।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स की तरफ से अकील हुसैन, सुनील नरेन, लाहिरू कुमारा और उस्मान तारिक ने 1-1 विकेट लिए।

त्रिनबागो को डीएलएस के नियम के मुताबिक 16 ओवर में 182 रन का लक्ष्य दिया गया था। त्रिनबागो 7 विकेट पर 172 रन बना सकी और मैच 9 रन से हार गई। त्रिनबागो के लिए एलेक्स हेल्स ने मात्र 23 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। हेल्स ने मात्र 24 गेंदों पर 7 छक्कों और 1 चौके की मदद से 55 रन की पारी खेली। शमार जोसेफ ने बोल्ड कर हेल्स की पारी का अंत किया। इसके अलावा, कप्तान निकोलस पूरन ने भी 4 छक्के और 3 चौकों की मदद से 43 रन की पारी खेली। इन दोनों तूफानी पारियों के बावजूद त्रिनबागो जीत हासिल नहीं कर सकी। अमेजन वॉरियर्स के लिए मोहम्मद नबी ने बेहद किफायती गेंदबाजी की, जिसकी टीम की जीत में निर्णायक भूमिका रही। नबी ने 3 ओवर में मात्र 20 रन देकर 3 विकेट लिए। ड्वेन प्रिटोरियस, शमार जोसेफ, कप्तान इमरान ताहिर और खैरी पियरे ने 1-1 विकेट लिए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251